दैनिक विनय उजाला

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, अलीराजपुर से एक साथ प्रकाशित

मूल्य ₹ 3.00

RNI. Reg. MPHIN/2013/52154

▸ भोपाल

शुक्रवार, 11 अप्रैल 2025

चैत्र शुक्ल पक्ष - 14

वर्ष : 12 | अंक : 273

कुल पृष्ठ : 12

धोनी होंगे सीएसके के कप्तान... 11

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

संक्षिप्त समाचार

बंगाल में नए वक्फ कानून पर हिंसा, 22 गिरफ्तार

कोलकाता, (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 8 अप्रैल को हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 8 आरोपियों को आगे की जांच के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। जंगीपुर के पुलिस अधीक्षक, आनंद रॉय ने बताया कि हिंसा को लेकर पुलिस ने अपने आप संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। उन्होंने बुधवार को इलाके का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। दरअसल, प्रदर्शनकारियों ने 8 अप्रैल को वक्फ कानून के विरोध में कई वाहनों को आग लगा दी थी। इसमें पुलिस की गाड़ियां भी शामिल थी। झड़प में प्रदर्शनकारियों ने पथराव भी किया, जिससे कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। वक्फ संशोधन बिल को पास होने के बाद से अबतक सुप्रीम कोर्ट में 12 याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट की 3 जजों की बेंच 10 याचिकाओं पर 16 अप्रैल को सुनवाई करेगी। बेंच में सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और केवी विश्वनाथन शामिल होंगे। वहीं, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पूरे देश में विरोध प्रदर्शन कर रहा है।

असम में 24 करोड़ से अधिक की ड्रग्स के साथ 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली,(हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि असम में 24 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की मेथामफेटामाइन गोलियों की भारी खेप के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने इसके लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), असम पुलिस और केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के प्रयासों की सराहना की है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने एक्स पर पोस्ट कर ड्रग कार्टेल की जानकारी देते हुए कहा कि मोदी सरकार पूरी ताकत से ड्रग कार्टेल को खत्म कर रही है। ड्रग-मुक्त भारत बनाने के हमारे विजन में, हमारी एजेंसियों ने ड्रग कार्टेल को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया और असम में तीन लोगों को गिरफ्तार करते हुए 24.32 करोड़ रुपये मूल्य की 30.4 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त की हैं।

सुकमा में दो लाख के इनामी सहित तीन नक्सली गिरफ्तार

सुकमा, (हि.स.)। जिले में चिंतलनार थाना क्षेत्रान्तर्गत 01 इनामी सहित 03 सक्रिय नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वर्ष 2024 में तीनों नक्सली दो ग्रामीणों के ग्रामीणों की अपहरण कर हत्या करने की घटना में शामिल थे। एसडीओपी परमेश्वर तिलकवार ने गुरुवार जानकारी दी है कि नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत बुधवार को थाना चिंतलनार से जिला बल का बल एवं कैम्प पुलनपाड़ से 223 वाहिनी सीआरपीएफ बल की संयुक्त पार्टी एरिया डोमिनेशन, नक्सलियों की गिरफ्तारी हेतु ग्राम किस्टावरम व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। अभियान के दौरान 03 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। पकड़े गए संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम मड़कम भीमा(32) डीएकेएमएस अध्यक्ष, इनाम 02 लाख रुपए, मड़कम लखमा(45) कृषि/आरपीसी मिलिशिया डिप्टी कमाण्डर, एवं हेमला नंदा(25) ,आरपीसी मिलिशिया सदस्य का होना तथा प्रतिबंधित नक्सल संगठन में कार्य करना बताया।

तीसरी आंख

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री गडकरी ने 5800 करोड़ की लागत वाली 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

गांव-गांव को सड़कों से जोड़ेंगे, जिससे विकास का लाभ मिले

मांगे 12 हजार करोड़, गडकरी ने दी 33 हजार करोड़ की सौगातें...

रोड कनेक्टिविटी बढ़ाकर हम लोगों की जिंदगी बदलने की दिशा में बढ़ रहे हैं

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को धार जिले के बदनावर के ग्राम खेड़ा में आयोजित कार्यक्रम में 5800 करोड़ रुपए की लागत वाली 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं एवं संबद्ध अधोसंरचना निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। यहां तेजी से विकास हो रहा है। सबको सुखी, समृद्ध और सशक्त बनाने का विजन लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव बड़ी तेजी से प्रदेश को विकास के पथ पर आगे ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजमार्ग सिर्फ एक मार्ग नहीं, यह जन-जन का जीवन बदलने वाले प्रगति पथ होते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले 10 सालों में हम देश की अधोसंरचना में व्यापक बदलाव लेकर आए हैं। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने घोषणा करते हुए कहा कि अगले तीन साल में हम मध्यप्रदेश में उपलब्ध राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को अमेरिका से अच्छा और सुंदर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि अगले एक साल में हम देश में तीन लाख करोड़ रूपए से अधिक के राष्ट्रीय राजमार्ग व अन्य अधोसंरचना निर्माण कार्य पूरे करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी देश-प्रदेश के विकास के लिए 4 प्रमुख संसाधनों जल, ऊर्जा, परिवहन और अधोसंरचनात्मक विकास की जरूरत होती है और उन्हें खुशी है कि मध्यप्रदेश इन चारों संसाधनों के विकास पर तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री की मांग पर की 6 नई परियोजनाएं मंजूर

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मांग पर मंच से ही केंद्रीय सड़क निधि से 12 हजार करोड़ रुपए लागत से 400 कि.मी. लंबाई 6 नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण एवं विकास कार्यों को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री ने एनएचएआई द्वारा निर्मित किए जाने वाले 5 नए ग्रीनफील्ड इकॉनामिक कॉरिडोर निर्माण कार्य, रिंग रोड, एलिवेटेड कॉरिडोर, सेतु एवं अन्य निर्माण कार्यों को भी मंजूरी देते हुए कार्यों के पूर्ण होने की समय-सीमा भी घोषित की।

इन सड़क परियोजनाओं का हुआ भूमि-पूजन और लोकार्पण

केंद्रीय मंत्री गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन-बदनावर खंड पर नवनिर्मित 4 लेन सड़क, उज्जैन-गरोठ के खेड़ा खजुरिया से सुहागड़ी तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड हाई-वे, उज्जैन-गरोठ के सुहागड़ी से बर्डिया अमरा तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड हाई-वे, जीरापुर-सुसनेर-मध्यप्रदेश एवं राजस्थान बॉर्डर खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन सड़क और बाकानेर घाट पर पेव्ड शोल्डर के साथ अतिरिक्त 3 लेन सड़क का भी लोकार्पण किया। इसी प्रकार संदलपुर-नसरुल्लागंज खंड पर 4-लेन सड़क, चंदेरी-पिछोर खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेन सड़क, इंदौर-गुजरात खंड पर 7 फ्लाई ओवर एवं अंडरपास, शाजापुर, कनासिया एवं एमआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में 3 फ्लाई ओवर, अंडरपास तथा रसलपुर जंक्शन पर फ्लाई ओवर के कार्यों का भूमि-पूजन किया।

नए राजमार्गों से किसान हो रहे समृद्ध : विजयवर्गीय

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि केंद्रीय मंत्री गडकरी के विजन से देश का अधोसंरचनात्मक परिदृश्य बदल रहा है। देश और प्रदेश में धार्मिक स्थलों की सूरत बदल रही है। केंद्र सरकार ने नए-नए राष्ट्रीय राजमार्ग बनाकर किसानों को समृद्ध बना दिया है। उन्होंने चित्रकूट धाम के विकास के लिए सतना से चित्रकूट तक 4 लेन सड़क की मांग की, जिसे केन्द्रीय मंत्री ने मंच से मंजूरी दे दी।

राजमार्ग परियोजनाओं से सिंहस्थ के सफल आयोजन में मिलेगी भरपूर मदद : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में अमृतकाल चल रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने देश का कायाकल्प करने का जो स्वप्न देखा था, प्रधानमंत्री मोदी अटल जी के उसी स्वप्न को साकार करने की दिशा में अनथक गति से अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि इसी अमृतकाल में हमारा देश, विश्व का सबसे अच्छा देश बनकर उभरेगा। सड़कें विकास का सहज पैमाना होती है। इसलिए गांव-गांव तक रोड कनेक्टिविटी बढ़ाकर हम मध्यप्रदेश की जनता की जिंदगी में बदलाव लाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम रोड कनेक्टिविटी बढ़ाकर गांव के साथ-साथ शहरों को भी स्मार्ट सिटी बनाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर और भोपाल जल्द ही मेट्रोपॉलिटिन सिटी बनेंगे। ग्रामीण हो या शहरी सभी को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री गडकरी द्वारा मुक्त हृदय से मध्यप्रदेश को 5800 करोड़ रूपए लागत की 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात देने के लिए आभार जताते हुए कहा कि गडकरी देश के राजमार्ग विकास पुरूष हैं। उनके नेतृत्व में देश में तेजी से अधोसंरचनात्मक विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि मालवा अंचल को सीधे तौर पर लाभान्वित करने वाली इन सभी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से सरकार को सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन में भरपूर मदद मिलेगी।

विमान लैंड होते ही एनआईए ने ली गिरफ्तारी

कई सालों के प्रयासों के बाद मुंबई हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा भारत लाया गया

नई दिल्ली, (हि.स.)

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा का सफलतापूर्वक प्रत्यर्पण करवा लिया। 2008 के आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता को न्याय के कटघरे में लाने के लिए कई वर्षों तक लगातार और ठोस प्रयासों के बाद यह संभव हो पाया है।

राणा पर डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी के साथ 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों को अंजाम देने की साजिश रचने का आरोप है। इन हमलों में कुल 166 लोग मारे गए थे और 238 से अधिक घायल हुए थे। हमले के पीछे आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हरकत-उल-जिहादी इस्लामी (हूजी) और पाकिस्तान स्थित अन्य षड्यंत्रकारियों का हाथ था। लश्कर-ए-तैयबा और हूजी दोनों को भारत सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत आतंकवादी संगठन घोषित किया है। एनआईए ने राणा के प्रत्यर्पण पर बयान जारी किया है। इसके अनुसार भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को अमेरिका में न्यायिक हिरासत में रखा गया था। राणा ने प्रत्यर्पण रोकने के लिए सभी कानूनी रास्ते आजमाए। भारत ने वांछित आतंकवादी के लिए अमेरिकी सरकार से सरेंडर वारंट हासिल किया और इसके बाद दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण की कार्यवाही शुरू हुई।

मुंबई हमले में आईएसआई के रोल के बारे में पता चलेगा

केंद्रीय मंत्री आर.के. सिंह ने तहव्वुर राणा को भारत लाने पर कहा कि यह एक बड़ा घटनाक्रम है। इससे आतंकियों को मैसेज गया है कि अगर वे भारत पर हमला करेंगे, तो चाहे वे दुनिया में कहीं भी हों, उन्हें पकड़ा जाएगा, भारतीय अदालतों के सामने पेश किया जाएगा और उन्हें सजा दी जाएगी। उनमें से किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। राणा से पूछताछ करने पर मुंबई हमले में पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई की भूमिका और भारत में उसके स्लीपर सेल की मौजूदगी के बारे में पता चलेगा। यह उम्मीद करना की आतंकवादी हमलों के मास्टरमाइंड पाकिस्तान में सजा पाएंगे, समय की बर्बादी है।

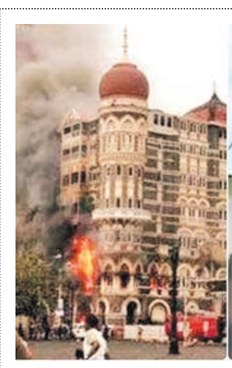

दयान कृष्णन एनआईए की तरफ से कोर्ट में रखेंगे पक्ष

26/11 मुंबई आतंकी हमलों के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को आखिरकार भारत लाया जा चुका है और अब उसे अदालत के कठघरे में लाकर मुंबई हमले में पीड़ितों को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी वरिष्ठ वकील दयान कृष्णन के कंधों पर है। दयान कृष्णन न केवल राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की तरफ से कोर्ट में पेश होंगे, बल्कि इस केस में सरकारी पक्ष की पूरी कमान भी संभालेंगे। खास बात यह है कि वे इस मामले से 2010 से ही जुड़े हुए हैं और राणा के अमेरिका से प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में भारत का पक्ष अमेरिकी अदालत में भी रख चुके हैं।

बिहार-यूपी में बिजली गिरने से 31 लोगों की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भीषण गर्म के बीच देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में मौसम बदला है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश में बुधवार शाम से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान विभाग ने 20 से ज्यादा राज्यों में गुरुवार को आंधी-तूफान और बारिश की संभावना जताई है। लखनऊ, कानपुर समेत यूपी के 25 जिलों में बारिश जारी है।

शादी के एक साल में तलाक चाहिए, तो साबित करें असाधारण दुराचार

भुवनेश्वर। उड़ीसा हाई कोर्ट ने हाल ही में कहा है कि अगर किसी नव विवाहित दम्पति को विवाह के एक साल के अंदर विवाह-विच्छेद करना है यानी तलाक लेना है तो उन्हें असाधारण दुराचार या असाधारण कठिनाइयों की बात साबित करनी होगी। हाई कोर्ट ने यह भी कहा है कि इसका प्रमाण देते हुए आवेदनकर्ता को अलग अर्जी लगानी होगी। एक फैमिली कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील अर्जी पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 14 एक गैर-बाधा खंड से शुरू होती है, जिसका अर्थ है कि यह अधिनियम के अन्य सभी प्रावधानों को रद्द कर देती है। जस्टिस बीपी राउत्रे और जस्टिस चित्तरंजन दास की डबल बेंच ने कहा, हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 14 स्पष्ट रूप से न केवल अदालत को विवाह के एक वर्ष के भीतर तलाक याचिका पर विचार करने से रोकता है।

पैक्ड फूड पर वार्निंग लेबल दिया जाए, केंद्र 3 महीने के अंदर नियम बनाएं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह तीन महीने के भीतर पैक्ड फूड पर चेतावनी वाली लेबलिंग को लेकर नए नियम बनाए।

कोर्ट ने ये आदेश एक पीआईएल पर सुनवाई के दौरान दिया। इसमें मांग की गई थी कि हर पैक्ड खाने की चीज पर फ्रंट पर साफ चेतावनी दी जाए। इससे लोग यह जान सकें कि उस चीज

में कितना शुगर, नमक या हानिकारक फैट है। केंद्र ने कहा- एक्सपर्ट कमेटी सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करेगी केंद्र सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि 14 हजार से ज्यादा सुझाव और रिपोर्ट्स इस मुद्दे पर आ चुकी हैं। इसके लिए एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई गई है जो इन सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करेगी। कोर्ट ने आदेश दिया कि यह समिति जल्दी से जल्दी रिपोर्ट तैयार करे ताकि उसी आधार पर लेबलिंग नियमों में संशोधन किया जा सके।

पश्चिम बंगाल में नौकरी गंवाने वाले शिक्षक भूख हड़ताल पर

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में नौकरी गंवा चुके टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ ने गुरुवार को उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई के विरोध में भूख हड़ताल करने का ऐलान किया।

टीचर्स बुधवार रात से ही पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमिशन के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहें है। इससे पहले टीचर्स ने डिस्ट्रिक्ट इंसपेक्टर (डीआई) के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था। जहां प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लाठीचार्ज और लात-घूसों से पीटने का आरोप लगाया था। इधर, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 8 अप्रैल को 25 हजार 753 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति रद्द करने के मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखी। इसमें उन्होंने राष्ट्रपति से मांग की है कि जो लोग निर्दोष हैं, उन्हें नौकरी में बने रहने देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले में 8 अप्रैल को सुनवाई हुई। कोर्ट ने स्कूल कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त पदों को बढ़ाने को लेकर पश्चिम बंगाल कैबिनेट के फैसले की CBI जांच पर रोक लगा दी थी। हालांकि कोर्ट ने मामले में जांच जारी रखने की बात कही।

मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 7 अप्रैल को उन शिक्षकों और स्टाफ से मुलाकात की थी, जिनकी भर्ती सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दी है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश से बंधे हुए हैं। यह फैसला उन कैंडिडेट्स के लिए अन्याय है, जो काबिल शिक्षक थे। उन्होंने कहा- आप लोग यह मत समझिए कि हमने फैसले को स्वीकार कर लिया है। हम पत्थरदिल नहीं हैं। मुझे ऐसा कहने के लिए जेल भी डाल सकते हैं, लेकिन मुझे फर्क नहीं पड़ता है।

अहमदाबाद अधिवेशन में प्रस्ताव पारित

निजी शैक्षिक संस्थानों में आरक्षण लागू करना चाहती है कांग्रेस

अहमदाबाद, (एजेंसी)

अहमदाबाद में कांग्रेस पार्टी के अधिवेशन में एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें केंद्र की भाजपा सरकार पर संविधान पर लगातार हमले करने का आरोप लगाया है।

प्रस्ताव में कांग्रेस पार्टी की जिला ईकाई को मजबूत कर पार्टी के संगठन को मजबूत करने की बात भी कही गई है। साथ ही कांग्रेस ने इस प्रस्ताव में निजी शैक्षिक संस्थानों में दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने की भी बात कही है। कांग्रेस ने अपने प्रस्ताव न्याय पथ में भाजपा की विदेश नीति की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस की सरकारों में वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी। प्रस्ताव में कहा गया है कि कांग्रेस सरकारों की विदेश नीति भारत के हित साधने और वैश्विक तौर पर सुंतलन बनाए रखने और बातचीत से मुद्दों का हल निकालने के समर्थक के तौर पर थी, लेकिन मौजूदा सरकार व्यक्तिगत छवि बनाने के लिए भारत की विदेश नीति से समझौता कर रही है। प्रस्ताव में दावा किया गया है कि चीन ने भारत की हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन कब्जा ली है, लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार कुछ नहीं कर रही है और यथा स्थिति बरकरार रखने में विफल रही है।

किसानों को एमएसपी देने के साथ कर्ज मुक्त बनाने का वादा

कांग्रेस ने प्रस्ताव में कहा है कि वे एमएसपी को लेकर कानून बनाने के लिए समर्पित हैं। कांग्रेस का कहना है कि वे कुल लागत का 50 प्रतिशत एमएसपी देने का कानून लेकर आएंगे। साथ ही किसानों को कर्ज मुक्त करने के लिए भी कदम उठाएंगे। प्रस्ताव में कहा गया है कि मनमोहन सिंह की सरकार में देश की जीडीपी 8 प्रतिशत थी और उस दौरान करोड़ों लोगों को गरीबी से निकाला गया था, लेकिन मौजूदा सरकार में असमानता बढ़ी है और आज चुनिंदा पूंजीपतियों के पास पूरी ताकत है। कांग्रेस के प्रस्ताव में महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भी सरकार पर निशाना साधा गया है। कांग्रेस ने सरकार पर सरकारी कंपनियों के निजीकरण करने का आरोप लगाया।

आर्थिक तूफान आने वाला है : राहुल गांधी

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि इन टैरिफ का असर आने वाले दिनों में भारत की अर्थव्यवस्था पर आर्थिक तूफान की तरह पड़ेगा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पर मौन साधे हुए हैं। अपने ट्वीट में राहुल गांधी ने लिखा, कहां चली गई 56 इंच की छाती? अमेरिका का राष्ट्रपति टैरिफ थोपता है, मोदी जी चूं तक नहीं करते। आर्थिक तूफान आने वाला है, करोड़ों लोगों को नुक़सान होगा, वे छुप कर बैठे हैं। बांग्लादेश का प्रधानमंत्री भारत के खिलाफ उल्टा बोलता है, उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकलता। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि टैरिफ की वजह से देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ने वाला है, लेकिन सरकार लोगों का ध्यान भटकाने के लिए संसद को आधी रात तक चलवा रही है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की पहले की रणनीतियों पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, कोरोना के समय जब देश में हालात बिगड़ रहे थे, तब मोदी जी ने लोगों से ताली-थाली बजवाई। अब फिर एक बड़ा संकट सामने है, मगर प्रधानमंत्री नदारद हैं।

संक्षिप्त समाचार

जल केवल जीवन नहीं, संस्कार भी है : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल संसाधन दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आप: सुजिरा अमृत: सुवर्चा: शंभू मयोभू: अर्थात् जल न केवल अमृतस्वरूप है, बल्कि शुभ, पवित्र और जीवनदायक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल केवल जीवन जीने का संसाधन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में यह एक संस्कार की तरह है। हर बूंद में जीवन है, और हर स्रोत में आने वाले कल का भविष्य छिपा है। ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम इस अमूल्य धरोहर की हर संभव तरीके से रक्षा करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे जल संसाधन दिवस पर यह संकल्प लें कि सभी जल का संरक्षण करेंगे और इसे व्यर्थ नहीं बहने देंगे। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को जल बचाने के लिए जागरूक रहने और समाज को प्रेरित करने का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा जल प्रबंधन एवं वर्षा जल संचयन की जन जागरुकता प्रसार एवं जन सहभागिता के लिए जल गंगा जल संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महावीर जयंती पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने भगवान महावीर के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा कि उनका जीवन और उपदेश आज भी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया %एक्स% पर कहा कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का संपूर्ण जीवन अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे महान सिद्धांतों का प्रतीक है। उन्होंने न केवल इन सिद्धांतों का पालन किया, बल्कि समाज को भी इन्हें अपनाने की राह दिखाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया के जारी संदेश में कहा कि संसार को जियो और जीने दो का सन्मार्ग दिखाने वाले भगवान महावीर के उपदेश सभ्य समाज के निर्माण के लिए आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने तब थे। उनका जीवन दर्शन केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं नैतिक दृष्टिकोण से भी मानव जीवन को दिशा देने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे इस पावन अवसर पर भगवान महावीर के सिद्धांतों को जीवन में अपनाएं। अहिंसा व सत्य के मार्ग पर चलकर समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे को सुदृढ़ करें और हम सब हर्षोल्लास से महावीर जयंती मनाएं।

महिला ने घर की छत से कूदकर किया सुसाइड, लव मैरिज के बाद पति से अलग होने की वजह से डिप्रेशन में थी

भोपाल, (हि.स.)। राजधानी भोपाल के ईटखेड़ी थाना क्षेत्र में एक महिला ने बुधवार रात अपने घर की छत से छलांग लगा दी। गुरुवार सुबह ईलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस जांच में पता चला है कि तीन साल पहले उसने लव मैरिज की थी और कुछ ही समय बाद पति से अलग हो गई थी। इस वजह से डिप्रेशन में रहने लगी थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार 33 वर्षीय रानी सिकरवार पति रवि गौर ईटखेड़ी इलाके के एक गांव में रहती थी। बुधवार देर रात करीब 2 बजे उसके छत से गिरने की सूचना मिली थी। इलाज के लिए उसे अस्पताल ले जाया गया था, जहां गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई थी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। ईटखेड़ी थाना प्रभारी दुर्जन सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि रानी की लव मैरिज हुई थी, बाद में वह अपने पति से अलग होकर मायके में रहने लगी थी। मायके में रहने के दौरान ही उसकी एक युवक से दोस्ती हो गई थी। बुधवार की रात उसकी बहनों ने देखा तो वह बिस्तर में नहीं थीं। बहनें उसकी तलाश करते हुए छत पर पहुंची तो वहां पर उन्होंने देखा कि रानी किसी से मोबाइल फोन पर बात कर रही है। फोन पर जिस भी व्यक्ति से बात हो रही थी, उससे रानी का झगड़ा हो रहा था। बहनें कुछ समझ पातीं इसके पहले ही रानी ने दूसरी मंजिल स्थित छत से छलांग लगा दी। उसके छलांग लगाने के कुछ देर बाद ही वह युवक भी मौके पर पहुंच गया, जिससे वह बात कर रही थी। युवक और रानी के परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गुरुवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

निमाड़ क्षेत्र का पहला 500 एम.व्ही.ए. क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

भोपाल, निप्र। मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने 400 केवी सबस्टेशन जुलवानिया में निमाड़ क्षेत्र का पहला और प्रदेश का तीसरा 500 एम.व्ही.ए. क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। इसके पहले मध्यप्रदेश में सिर्फ भोपाल में 500 एम.व्ही.ए. क्षमता के दो ट्रांसफार्मर स्थापित हुए हैं। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि खंडवा स्थित सिंगाजी सुपर थर्मल पॉवर प्लांट से निमाड़ क्षेत्र को सीधे विद्युत आपूर्ति के लिए 400 केवी सबस्टेशन जुलवानिया में इस ट्रांसफार्मर की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि लगभग 30 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से इस ट्रांसफार्मर को स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है।

राज्यपाल श्री पटेल ने राजभवन के प्रवेश द्वार क्रमांक- 1 एवं 2 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का किया भूमि-पूजन

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने गुरुवार को राजभवन के प्रवेश द्वार क्रमांक- 1 एवं 2 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया। उन्होंने विधि विधान से पूजन अर्चन किया और गेती चलाकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। भूमि-पूजन कार्यक्रम राजभवन प्रवेश द्वार क्रमांक- 1 पर आयोजित हुआ। राज्यपाल श्री पटेल ने जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य परियोजना की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे। कार्य को समय सीमा में पूर्ण करें। राजभवन के प्रवेश द्वार क्रमांक 1 एवं 2 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की कुल लागत 66 लाख 32 हजार 900 रुपये है। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री अरविंद पुरोहित, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण यंत्री श्री अवनीन्द्र सिंह, कार्यपालन यंत्री श्री राकेश निगम और एस.डी.ओ. श्री एल. के. गुप्ता, नियंत्रक हाउस होल्ड राजभवन श्रीमती शिल्पी दिवाकर और राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माण्डू का पुरातात्विक वैभव देखा

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को माण्डू में रात्रि विश्राम के बाद गुरूवार सुबह माण्डू के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक वैभव को देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जहाज महल और हिंडोला महल का भ्रमण किया। पुरातत्व विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें इन ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विगत रात्रि माण्डू में लाइट एंड साउंड शो के ज़रिए यहां के इतिहास को देखा। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, विधायक धरमपुरी श्री कालूसिंह ठाकुर तथा अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने देखा खुरासानी इमली का प्राचीन वृक्ष

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माण्डू में खुरासानी कोठी परिसर में लगे खुरासानी इमली के प्राचीन वृक्ष को देखा। कलेक्टर धार श्री प्रियंक मिश्र ने बताया कि माण्डू में खुरासानी के वृक्ष पाए जाते हैं, जिनमें से कुछ 500 वर्ष से भी अधिक प्राचीन हैं। खुरासानी कोठी परिसर के इस वृक्ष का तना 10.85 मीटर व्यास का है। खुरासानी इमली घना छायादार पेड़ होता है। यह पेड़ अपने भीतर सवा लाख लीटर पानी जमा करके रख सकता है। उल्लेखनीय है कि 14वीं शताब्दी में ये पेड़ लगाए गए थे। कई पेड़ यहां पांच-छ: सौ साल पुराने हैं। पर्यटक माण्डू आने की स्मृति के तौर पर माण्डू की इमली खरीदकर ले जाते हैं। कई आदिवासी परिवारों को इसे बेचने से आय हो रही है। मूलत: यह वृक्ष अफ्रीका, अरब और मेडागास्कर पर पाया जाता है। ये पेड़ अति विशाल हैं, इसकी उम्र हज़ारों साल होती हैं। मराठीभाषी क्षेत्रों में इसे गोरखचिंच (चिंच याने इमली) कहकर सन्त गोरखनाथ से इसका पवित्र सम्बन्ध जोड़ा जाता है।

धरमपुरी में माँ नर्मदा के दर्शन कर भगवान शिव का अभिषेक और महर्षि दधिच की प्रतिमा का किया पूजन

धरमपुरी में किया माँ नर्मदा का पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों के साथ धरमपुरी में नर्मदा दर्शन कर पूजन किया। धरमपुरी नर्मदा नदी के किनारे बसा हुआ नगर है। यहाँ नर्मदा नदी की दो धाराओं के बीच बेंट नामक एक टापू स्थित है, जहां श्री बिल्वामृतेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर स्थित है। मुख्यमंत्री ने यहां भगवान शिव का अभिषेक किया। मंदिर के निकट महर्षि दधिच की प्रतिमा का पूजन किया। पौराणिक मान्यता अनुसार यहां दधिच ऋषि की समाधि एवं तपस्या स्थली भी है। इसी स्थान पर इन्द्र स्वयं आये थे और दधिचि ऋषि से उन्होंने राक्षस के वध के लिये अस्थियां माँगी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री बिल्वामृतेश्वर महादेव मंदिर बैंट के हर तरह के संरक्षण के निर्देश अधिकारियों को दिये।

प्रधानमंत्री मोदी आज ईसागढ़ के आनंदपुर धाम आयेंगे

गुरु जी महाराज मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप शुक्रवार को मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में ईसागढ़ तहसील के आनंदपुर धाम आएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी गुरु जी महाराज मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे और आनंदपुर धाम स्थित मंदिर परिसर का भ्रमण भी करेंगे। आध्यात्मिक और पारमार्थिक उद्देश्य से स्थापित आनंदपुर धाम 315 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां आधुनिक गौशाला संचालित है, जिसमें 500 से अधिक गौवंश है। आनंदपुर ट्रस्ट यहाँ कृषि कार्य भी कर रहा है। श्री आनन्दपुर ट्रस्ट ग्राम सुखपुर तहसील ईसागढ़ में 1977 से चैरिटेबल अस्पताल संचालित है। यहां मरीजों के लिए 125 बिस्तरों की व्यवस्था है। अस्पताल

में प्रतिदिन लगभग 600 मरीजों की ओ.पी.डी. संचालित है। यहां एमडी फिजिशियन, डेंटल स्पेशलिस्ट, एमएस जनरल सर्जरी, एम.एस. आर्थोपेडिक, कॉर्डियोलॉजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट तथा नेत्रसर्जन पदस्थ है। वर्ष में विशेष स्वास्थ्य शिविर भी यहां आयोजित किये जाते हैं। ट्रस्ट द्वारा आनंद प्राथमिक विद्यालय सुखपुर, आनंद माध्यमिक विद्यालय आनंदपुर तथा आनंद मिडिल स्कूल ग्राम सुखपुर में संचालित हैं, जिसमें 62 शिक्षक-शिक्षिकाएं पदस्थ हैं एवं 1215 छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं।

श्री आनंदपुर ट्रस्ट के अन्य महत्वपूर्ण सत्संग केन्द्र श्री प्रयागधाम जिला पुणे (महाराष्ट्र), श्री आनंदपुर सत्संग ट्रस्ट जम्मू, अमरधाम चैम्बूर मुम्बई (महाराष्ट्र), विवेक धाम बैंगलुरू (कर्नाटक), स्वरूप धाम पथरीताल गोंडा (उ.प्र.), आनंदधाम पंचगुणी जिला सतारा (महाराष्ट्र), आनंदधाम वसंतकुंज (दिल्ली) तथा श्री संतनगर जिला धौलपुर (राजस्थान) में संचालित है। मध्यप्रदेश में पुनीत धाम जिला शिवपुरी, परमधाम जिला ग्वालियर और सुखधाम जिला इंदौर में ट्रस्ट के सत्संग केन्द्र स्थापित हैं। श्री आनंदपुर ट्रस्ट एवं इसके अन्य आश्रमों में वैशाखी, गुरु पूर्णिमा, दीपावली, मकर संकाति और श्री परमहंस जी का जन्मोत्सव पर्व मनाया जाता है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए 15 .33 लाख किसानों ने कराया पंजीयन : खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल, निप्र। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु पंजीयन की प्रक्रिया 20 जनवरी से 9 अप्रैल 2025 तक संचालित की गई। इस अवधि में प्रदेश के 15 लाख 33 हजार किसानों ने अपना पंजीयन कराया।

प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया कि उपार्जन की अवधि 15 मार्च से 5 मई 2025 तक निर्धारित है। किसानों को गेहूं के लिए 2,425 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य के साथ 175 प्रति क्विंटल बोनस, कुल 2,600 प्रति क्विंटल का भुगतान किया जा रहा है।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश में 3,528 उपार्जन केंद्रों की स्थापना की गई है। अब तक कुल 3.09 लाख किसानों से 26.73 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया है।

इसमें से 24.44 लाख मीट्रिक टन का परिवहन तथा 21.86 लाख मीट्रिक टन का भंडारण किया जा चुका है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि अब तक किसानों को 5,027 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। शेष भुगतान 3 से 5 कार्य दिवसों में पूर्ण कर लिया जाएगा।

श्री राजपूत ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को समय पर उचित मूल्य और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में एम.पी. ट्रांसको के नेटवर्क का उल्लेखनीय विस्तार

भोपाल, निप्र। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने ट्रांसमिशन नेटवर्क (पारेषण प्रणाली) को सुदृढता प्रदान करते हुये सिस्टम में उल्लेखनीय विस्तार किया है। कंपनी ने 456 सर्किट कि.मी. की नई एकस्ट्रा हाईटेंशन लाइनों का निर्माण कर उन्हें ऊर्जीकृत किया है, इससे मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की ट्रांसमिशन लाइनें बढ़कर 42 हजार 520 सर्किट कि.मी. की हो गई है। इस दरम्यान स्थापित ट्रांसफार्मेशन कैपेसिटी (स्थापित क्षमता) में भी पर्याप्त वृद्धि हुई है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024 की समाप्ति में जहां 79 हजार 815 एम.व्ही.ए. की कुल ट्रांसफार्मेशन कैपेसिटी (स्थापित क्षमता) थी वह अब मार्च 2025 की स्थिति में बढ़कर 81 हजार 911 एम.व्ही.ए. की हो गई है।

भगवान महावीर स्वामी ने हमें अहिंसा का मार्ग दिखलाया : गोविंद सिंह राजपूत

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2624वे जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर चल यात्रा एवं महा आरती का आयोजन सागर शहर में किया गया जिसमें प्रदेश के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत शामिल हुए।

इस अवसर पर मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सभी क्षेत्रवासियों को भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याण महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने मानव समाज के लिए वह मार्ग दिखलाया जिसमें सभी जीव-जंतुओं से प्रेम किया जाता है। अहिंसा परमो धर्म का मूलमंत्र हमें दिया। भगवान महावीर स्वामी के मार्ग पर चलकर हम सभी को उनके बताये नियमों पर चलकर उनका पालन करना है।

प्रशासन की हठधर्मिता ने विश्व कल्याण पर फेरा पानी

तीन माह पूर्व के आवेदन पर 4 दिन पूर्व जल्दबाजी में दी अनुमति, अब कैसे होगा महायज्ञ ?

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मानव मात्र की उन्नति एवं विश्व कल्याण के लिए मध्यप्रदेश के ग्वालियर में 14 से 21 अप्रैल तक आयोजित किया जाने वाला लक्ष्यचंडी महायज्ञ आखिर ग्वालियर जिला प्रशासन में तैनात सनातन विरोधी मानसिकता के अफसरों की अनावश्यक हठधर्मिता के कारण अब निर्धारित समय पर नहीं हो पाएगा। बड़ा सवाल यह है कि ग्वालियर जिला प्रशासन की आखिर कौन सी मजबूरी थी कि 3 माह पूर्व दी जाने वाली अनुमति आननफानन में 4 दिन पहले तब जारी करते हैं जब संत समाज अपनी नाराजगी जताते हुए ऋषि परशुराम की भूमिका चुनने की चेतावनी देते हैं। बड़ा सवाल यह है कि ग्वालियर के हठधर्मी अफसरों को इस तरह कार्य व्यवहार करने से आखिर क्या मिल गया? मानव मात्र की उन्नति एवं विश्व कल्याण की मूल भावना से प्रेरित 1008 कुण्डीय लक्ष्यचंडी महायज्ञ को रोक कर गवालियर जिला प्रशासन में तैनात सनातन विरोधी अफसरों ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की राष्ट्रवाद और सनातन धर्म के प्रचार प्रसार की मंशा पर पानी फेरने का काम किया है। अब तो सरकार को ऐसे सनातन विरोधी अफसरों की मैदानी तैनाती पर गंभीरता पूर्वक विचार करना चाहिए। इसके अलावा सनातन धर्म की वृद्धि और विश्व कल्याण के लिए किए जाने वाले इस महायज्ञ में रोड़ा अटकाने वाले अफसरों की भूमिका की भी जांच कराई जानी चाहिए ताकि फिर कोई दूसरा अफसर इस तरह की हिमाकत न करें।

गौरतलब है कि लक्ष्यचंडी महायज्ञ के लिए जानेमाने कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर, कवि कुमार विश्वास, भजन गायिका मैथिली ठाकुर, राष्ट्र कवि अनामिका अंबर जैसी कई नामचीन हस्तियों ने भी अपने आगमन की स्वीकृति दे दी थी।

4 दिन में कैसे पूरी होगी तैयारी

पंचायती श्रीनिरांजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज ने इस संदर्भ में बताया कि 1008 कुण्डीय लक्ष्यचंडी महायज्ञ की तैयारियों, आयोजन से जुड़ी सम्पूर्ण जानकारी सहित आवेदन करने के बाद भी हमें जिला प्रशासन ग्वालियर द्वारा यज्ञ करने की अनुमति अयोजन के चार दिन पूर्व दी गई। इतना ही नहीं पुलिस प्रशासन द्वारा भी यज्ञशाला निर्माण में बार बार व्यवधान पैदा कर रोका गया। अब इतने कम समय में इतने विराट स्वरूप का धार्मिक आयोजन होना संभव नहीं है । महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज ने बताया कि अब इस यज्ञ के लिए आगामी तारीख निर्धारित की जाएगी और यह यज्ञ ग्वालियर की धरा पर ही आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस महायज्ञ के सम्पन्न होने से ग्वालियर चम्बल संभाग ही नहीं सम्पूर्ण मध्यप्रदेश, सम्पूर्ण भारत और विश्व कल्याण का भला होता जो ग्वालियर जिला प्रशासन की हठधर्मिता का शिकार हो गया। एक तरफ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पूरे प्रदेश में धर्म के प्रचार प्रसार के लिए विभिन्न लोक के निर्माण में लगे हैं तो दूसरी तरफ कुछ सनातन विरोधी मानसिकता के अफसरों का शिकार संत समाज और धार्मिक आयोजन हो गया है।

मंत्री सारंग ने करोंद मेट्रो निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

यातायात व्यवस्था सुगम बनाए रखने एवं नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने करोंद चौराहे पर मेट्रो निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे रूट का दौरा कर व्यापारियों सहित आम नागरिकों से बात की। निरीक्षण में मंत्री श्री सारंग ने उपस्थित अधिकारियों को निश्चित समयावधि में गुणवत्तायुक्त कार्य करने के साथ ही रहवासियों की समस्याओं के निदान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मेट्रो परियोजना के साथ करोंद चौराहे पर यातायात एवं नागरिकों के आवागमन में कोई व्यवधान नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाये।

मेट्रो अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि करोंद चौराहे से निशातपुरा फाटक तक कुल 70 पियर्स का प्रस्तावित निर्माण कार्य प्रगति पर है और इसे आगामी 4 माह में पूर्ण कर लिया जाएगा।

मंत्री श्री सारंग ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा, निर्धारित समय सीमा में पियर्स निर्माण कार्य पूर्ण कर बैरिकेड्स हटाए जाएं, जिससे नागरिकों को राहत मिल सके। सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए और मेट्रो कॉर्पोरेशन निर्माण कार्य की एक स्पष्ट टाईम लाइन एवं कैलेंडर तैयार करे।

निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें मेट्रो रेल परियोजना, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस एवं जिला प्रशासन के प्रतिनिधि शामिल थे।

मेट्रो परियोजना के साथ यातायात सुगम बनाने के लिये अधिकारियों को दिये निर्देश

निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने मंत्री श्री सारंग को अवगत कराया कि पियर्स निर्माण के चलते की गई बैरिकेडिंग से आवागमन में कठिनाई हो रही है। साथ ही करोंद चौराहे पर ट्रैफिक का अत्यधिक दबाव रहने के कारण दिन के समय जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। मंत्री श्री सारंग ने करोंद चौराहे से हाउसिंग बोर्ड तक लगाई गई बैरिकेडिंग के पास सड़क के बाएं ओर बने डक्ट को हटाने के निर्देश दिए, जिससे अतिरिक्त मार्ग उपलब्ध हो सके और ट्रैफिक दबाव कम हो। साथ ही पथ विक्रेताओं को व्यवस्थित ढंग से अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिये गए।

संक्षिप्त समाचार

इको क्लब के तहत शा. क. उ. मा. वि. की छात्राओं को चिड़ियाघर का भ्रमण कराया

इंदौर (विनय उजाला)। इको क्लब गतिविधियों के अंतर्गत माह अप्रैल में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजेन्द्र नगर, इंदौर की छात्राओं को इंदौर चिड़ियाघर (जूनावन) का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने वन्यजीवों, पक्षियों तथा जैव विविधता के विभिन्न पहलुओं को नजदीक से देखा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता प्राप्त की। विद्यालय के प्राचार्य श्री दिनेश मानोरे के मार्गदर्शन में आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को प्रकृति और वन्यजीवन के महत्व से परिचित कराना था । इको क्लब प्रभारी श्रीमती राशि परिहार द्वारा छात्राओं को चिड़ियाघर के विभिन्न प्राणियों की जानकारी दी गई तथा उनके संरक्षण की आवश्यकता पर चर्चा की गई। यह भ्रमण छात्राओं के लिए न केवल मनोरंजक रहा, बल्कि ज्ञानवर्धक भी सिद्ध हुआ। सभी छात्राओं ने इस अनुभव को रोचक और प्रेरणादायक बताया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता तथा वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों, जानवरों व सरीसृपों को देखा और उनके जीवन तथा व्यवहार के बारे में जानकारी प्राप्त की। चिड़ियाघर के अधिकारियों द्वारा छात्राओं को वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी दी गईं। विद्यालय के प्राचार्य श्री दिनेश मानोरे ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ छात्राओं में प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में सहायक होती हैं। भ्रमण के दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहे और छात्राओं का मार्गदर्शन किया। इको क्लब प्रभारी श्रीमती राषी परिहार ने बताया कि भविष्य में भी इसी तरह की शैक्षणिक व जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाती रहेंगी।

मंत्री सिलावट ने पिवड़ाय में निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन और स्टाफ आवासग्रहों का किया निरीक्षण

निर्धारित समायावधि 6 माह में निर्माण कार्य पूर्ण करने के दिये निर्देश

विनय उजाला

इन्दौर, नप्र। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पिवड़ाय में निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन और स्टाफ आवासग्रहों का किया निरीक्षण। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

श्री सिलावट ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन और स्टाफ आवासग्रहों के निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु 6 माह का समय निर्धारित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि उक्त निर्माण कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किया जाये।

उल्लेखनीय है कि मंत्री श्री सिलावट के प्रयासों से ग्राम पिवड़ाय में 30 बिस्तरीय सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन और स्टाफ आवासग्रहों के निर्माण के लिये राज्य शासन द्वारा कुल 1094.21 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंत्री श्री सिलावट को अवगत कराया कि हॉस्पीटल के ब्लाक में आरसीसी का कार्य पूर्ण हो गया है। दीवार जुडाई प्लास्टर कार्य प्रगति पर है। सेप्टीक टेंक का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सम्पवेल निर्माण कार्य प्रगति पर है। स्टाफ क्वार्टर के निर्माण में आरसीसी कार्य पूर्ण हो गया है। एफ टाईप भवन की दीवार जुडाई प्लास्टर कार्य प्रगति पर है। जी टाईप का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जायेगा।

मंत्री श्री सिलावट ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कई महत्वपूर्ण अतिरिक्त सुविधाएं भी उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र पर आरओ प्लांट, ऑक्सीजन प्लांट, सोलर पैनल लगाने के निर्देश दिये। साथ ही परिसर में गार्डन, केन्टीन, दोंनों तरफ पब्लिक टॉयलेट तथा चार्जिंग पाइंट बनाने के निर्देश दिये। श्री सिलावट ने बताया कि पिवड़ाय में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनने से इस क्षेत्र के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। स्वास्थ्य केन्द्र पर इमरजेंसी वार्ड, माइनर ओटी केज्युवल्टी, ड्रग स्टोर, लॉबी सोनोग्राफी, ओपीडी, ड्रेसिंग रूम, एक्स-रे रूम, स्टोर, ऑपरेशन थियेटर, लेबर आदि की सुविधाएं रहेंगी। केन्द्र पर 10 पुरूष वार्ड एवं 10 महिला वार्ड होंगे। इसके अलावा मीटिंग हॉल, हेल्थ एण्ड वेलनेश हॉल, बीएमओ कक्ष, नर्सिंग कक्ष, रिकार्ड रूम आदि भी बनाये जाएंगे। निरीक्षण के दौरान श्री विष्णु चौधरी, श्री बृजमोहन राठी, श्री रामेश्वर चौहान, श्री विश्वजीत सिसोदिया, श्री नारायण पटेल आदि मौजूद थे।

मंत्री सिलावट ने ग्राम कैलोदहाला के माता मंदिर पर की सफाई

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज गांव बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले के ग्राम कैलोदहाला के माता मंदिर पर स्वच्छता अभियान को लेकर सफाई की।इस दौरान श्री सिलावट द्वारा 10 से अधिक सफाई कर्मियों का पुष्प माला से स्वागत कर उपहार भी दिए गए।इस अवसर पर 2 पेयजल टेंकरों को पेयजल वितरण हेतु हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।इस दौरान श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया, श्री रामेश्वर चौहान, श्री जीतेन्द्र डोडिया, श्री राकेश सोलंकी, श्रीमती वंदना सिंह, श्री पप्पू शर्मा, श्री विक्रम सिंह राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिकगण मौजूद थे।

सम्राट विक्रमादित्य की यशोगाथा से परिचित होगी दिल्ली : मुख्यमंत्री

विक्रमादित्य की शोभा यात्रा और महानाट्य महामंचन का होगा आयोजन

विनय उजाला

इंदौर, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा 'विक्रमोत्सव 2025' के अंतर्गत देश और प्रदेश की सभी पीढ़ियों को सम्राट विक्रमादित्य के जीवन चरित्र, विशेषकर उनके पराक्रम, शौर्य, दानशीलता, न्यायप्रियता और सुशासन से अवगत कराया जा रहा है।

इसी श्रृंखला में दिल्ली में 12 से 14 अप्रैल 2025 तक लाल किला मैदान के माधव दास पार्क में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का भव्य मंचन किया जाएगा। इसके पहले शुक्रवार 11 अप्रैल को दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में फतेहपुरी, चांदनी चौक से लाल किला तक सम्राट विक्रमादित्य की शोभा यात्रा निकाली जाएगी।

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आयोजित इस महानाट्य में प्रस्तुति उज्जैन की विशाला सांस्कृतिक एवं लोकहित समिति द्वारा दी जाएगी। महानाट्य का लेखन पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित और निर्देशन श्री संजीव मालवीय का है। महानाट्य में विक्रमादित्य के जन्म से लेकर सम्राट बनने तक की गाथाएं लगभग 250 कलाकारों द्वारा प्रदर्शित की जाएंगी। महानाट्य के दृश्यों को सजीव बनाने के लिए पालकी, रथ, घोड़ों और एलईडी ग्राफिक्स के स्पेशल इफेक्ट का प्रयोग किया जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से राज्य सरकार 'विरासत से विकास' के ध्येय वाक्य पर काम कर रही है। इसी क्रम में अतीत के गौरवशाली नायकों के जीवन के अलग-अलग पहलुओं को जनता के सामने लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विक्रम संवत के प्रवर्तक सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल भारतीय साहित्य, ज्योतिष,

आयुर्वेद, गणित और चिकित्सा विज्ञान का स्वर्णिम युग भी रहा है, जिसे सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के माध्यम से जीवंत कर जनता के बीच प्रस्तुत किया जाएगा।

कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा 'विक्रमादित्यकालीन मुद्रा और मुद्रांक' की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केंद्रित 'आर्ष भारत' प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें 100 से अधिक ऋषियों के जीवन और योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा। जनसंपर्क विभाग द्वारा 'मध्यप्रदेश का विकास एवं उपलब्धियां' विषय पर और पर्यटन एवं उद्योग विभाग द्वारा भी प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा कार्यक्रम स्थल में फूडकोर्ट लगाया जाएगा। इसके माध्यम से दर्शक प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद ले सकेंगे। फूडकोर्ट में प्रदेश के विभिन्न अंचलों के पकवान- बघेलखंडी निमोना, मालवा की कॉर्न पेटिस और भुट्टे की कीस, इंदौरी पोहा और विंध्य की इंद्रहार-कढ़ी-भात उपलब्ध होंगे। प्रदेश के विशिष्ट पेय जैसे सन्नाटा, नींबू पुदीना, आम पना, सब्जा शिकंजी, गुलाब लस्सी, कुल्हड़ चाय, प्रसिद्ध मिष्ठान जैसे मावा बाटी, जलेबी और श्रीअन्न व्यंजन जैसे कोदो भात, कुटकी गुड खीर और सवां खीर भी मेनू में शामिल किए गए हैं।

सीएमएचओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैलाना का औचक निरीक्षण किया

रतलाम। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संध्या बेलसरे गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैलाना पहुंची।यहां पहुंच कर उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को निरीक्षण किया।उन्होंने प्रसूताओं को स्तनपान के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया।निरीक्षण के दौरान आकस्मिक चिकित्सा कक्ष में डॉ. जीतेंद्र रायकवार एवं स्टाफ ड्यूटी करते हुए पाए गए।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

सीनियर डीईएन (दक्षिण) एमएमसीटी, मुंबई मुंबई - 400008, **निविदा सूचना संख्या : बीसीटी/25-26/8, दिनांक : 07.04.2025 आमंत्रित करता है। कार्य और स्थान : चर्चगेट विरार खंड :** चर्चगेट से विरार के बीच ट्रैक-आधारित रेल गेज फेस लुब्रिकेटर (इलेक्ट्रॉनिक प्रकार और 1 किमी तक कैरी डाउन प्रभाव) की आपूर्ति, स्थापना कमीशनिंग और संचालन (5 वर्ष)। **कार्य की अनुमानित लागत :** 10,37,68,873.20। **ईएमडी :** 6,68,900/-। **जमा करने की तिथि और समय :** 13.05.2025, 15.00 बजे तक। **खुलने की तिथि और समय :** 13.05.2025 को 15.30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

0029

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - वड़ोदरा मण्डल

शुद्धिपत्र

विषय : ई-निविदा संख्या EPC_BRC_SnT_02 दिनांक 11/12/2024 के लिए शुद्धिपत्र एनआईटी का प्रकाशन जारी करना, जिसे 21/04/2025 को खोला जाएगा।
प्रकाशन हेतु शुद्धिपत्र एनआईटी का निम्नलिखित विवरण

निविदा सं.	EPC_BRC_SnT_02	
	निकास तिथि	संशोधित तिथि
प्री-बिड कॉन्फ्रेंस तिथि समय	—	17/04/2025 (11:30 Hrs. IST)
निविदा समापन तिथि समय	21/04/2025 (15:00 Hrs. IST)	08/05/2025 (15:00 Hrs. IST)

निविदा को वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। 003

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

कार्यालय थाना प्रभारी थाना ऐशबाग जिला भोपाल

फोन नं. 0755-2677353, E-mail : psaishbagh@gmail.com

जाहिर सूचना/पम्पलेट

थाना ऐशबाग भोपाल गुम इंसान क्रमांक 27/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 26/03/2025 को सूचक सुरेखा दिनेश बनकर पति दिनेश यशवंत बनकर उम्र 34 साल निवासी म.नं. 31 गली नं. 01 सांई मंदिर के पास गोविंदपुरा सुदामा नगर ऐशबाग भोपाल द्वारा थाने पर आकर सूचना दिया कि उसका पति दिनेश यशवंत बनकर पिता यशवंत बनकर उम्र 40 साल नि. सदर दिनांक 25/03/2025 को सुबह करीब 08.00 बजे बिना बताये कही चला गया है। जिसकी सूचना पर थाना ऐशबाग में गुम इंसान क्रं. 27/2025 पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया है।

अतः गुमशुदा दिनेश यशवंत बनकर पिता यशवंत बनकर उम्र 40 साल नि. मं.नं. 31 गली नं. 01 सांई मंदिर के पास गोविंदपुरा सुदामा नगर ऐशबाग भोपाल के संबंध में कोई भी जानकारी प्राप्त होती है, तो थाना ऐशबाग के दूरभाष क्रमांक 0755-2751761, 9479990521, 947990520, 7049106073 (जांचकर्ता) पर सूचित करने का कष्ट करें।

गुमशुदा का हुलिया :- ऊंचाई लगभग 5 फिट 6 इंच, चेहरा लम्बा, रंग सांवला, गर्दन व दांय हाथ के अंगूठे पर तिल का निशान, बदन सामान्य, जो काले रंग की शर्ट नीले रंग की जींस पहने है।

जी-11323/25 "स्वच्छता ही सेवा"

थाना प्रभारी
थाना ऐशबाग भोपाल

विश्व होम्योपैथिक दिवस पर श्री अन्नपूर्णा आश्रम मन्दिर में मेगा स्वास्थ्य शिविर संपन्न

विनय उजाला

इन्दौर, नप्र। आयुष विभाग इन्दौर द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत विश्व होम्योपैथिक दिवस के अवसर श्री अन्नपूर्णा आश्रम मन्दिर पर एक मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन डॉ. सैमुअल हैनिमन की 270 वीं जन्म जयंती को समर्पित है, जिन्हें होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति का जनक माना जाता है। शिविर का उद्देश्य सर्वजन स्वास्थ्य को साकार करना है, ताकि हर व्यक्ति स्वस्थ और प्रसन्न रह सके। इस अवसर पर मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर आयुष विभाग द्वारा होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने और जनमानस में इसके प्रति जागरूकता फैलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि होम्योपैथ प्राकृतिक और सुरक्षित इलाज है, होम्योपैथिक दवाएं प्राकृतिक स्रोतों से बनी होती हैं और इनके कोई साइड इफेक्ट नहीं होते, केवल लक्षणों को नहीं, बल्कि रोग के मूल कारण को खत्म करने पर ध्यान रहता है, प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि लाकर रोगों से लड़ने की शक्ति को बढ़ावा देती हैं। दीर्घकालिक राहत हेतु लंबे समय तक प्रभावी उपचार, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में मददगार है। अवसाद, तनाव, अनिद्रा आदि में लाभकारी, हर आयु वर्ग के लिए सुरक्षित है, नवजात से बुजुर्ग तक सभी के लिए उपयुक्त है। जिला आयुष अधिकारी के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा रोगियों की जाँच व परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में 328 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ लिया। शिविर प्रभारी डॉ रचना रघुवंशी ने बताया कि शिविर का शुभारंभ महामंडलेश्वर स्वामी श्री विश्वेरानंद गिरिजी द्वारा हैनीमनज के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्वन कर किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ कमलेश पाटील, डॉ मनीष रघुवंशी ने किया।

विश्व होम्योपैथिक दिवस पर श्री अन्नपूर्णा आश्रम मन्दिर में मेगा स्वास्थ्य शिविर संप

विनय उजाला

इन्दौर, नप्र। आयुष विभाग इन्दौर द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत विश्व होम्योपैथिक दिवस के अवसरश्री अन्नपूर्णा आश्रम मन्दिर पर एक मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन डॉ. सैमुअल हैनिमन की 270 वीं जन्म जयंती को समर्पित है, जिन्हें होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति का जनक माना जाता है। शिविर का उद्देश्य सर्वजन स्वास्थ्य को साकार करना है, ताकि हर व्यक्ति स्वस्थ और प्रसन्न रह सके। इस अवसर पर मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर आयुष विभाग द्वारा होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने और जनमानस में इसके प्रति जागरूकता फैलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बल्कि रोग के मूल कारण को खत्म करने पर ध्यान रहता है, प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि लाकर रोगों से लड़ने की शक्ति को बढ़ावा देती हैं।

कार्यालय सहायक संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश जिला कार्यालय खरगोन (म.प्र.)

क्रमांक KRNLP28022556714/दिनांक/09/APR/2025

क्रं./1637 दिनांक/09/APR/2025

म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 29(3) सहपठित म.प्र. भूमि विकास नियम, 2012 के नियम 14(3) के अधीन दी गई अनुज्ञा में उपातंरण की दशा में आपत्तियां आमंत्रित करने हेतु

जनसामान्य की जानकारी हेतु एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/मेसर्स (Chetan Gupta) कौशल्या D/O पुरूषोत्तम सुषमा D/O पुरूषोत्तम स्वास्ति D/O पुरूषोत्तम सुधा D/O पुरूषोत्तम नागर श्री प्रभुकृपा डेवलपर्स तर्फे अरविंद गुप्ता, श्री प्रभुकृपा डेवलपर्स तर्फे चेतन गुप्ता द्वारा नीचे दिये गये अभिन्यास में उपातंरण हेतु आवेदन किया है :-

(क) परियोजना का नाम :- श्री पुरूषोत्तम नारायण धाम

(ख) अवस्थिति (अवस्थिति/ग्राम का नाम एवं खसरा क्रमांक):- पूर्व स्वीकृत ग्राम Kajalpura तहसील Khargone Nagar व जिला Khargone की भूमि सर्वे क्रमांक/खसरा क्रमांक 14/1, 14/2, 3 कुल रकबा 4.039 हेक्टेयर भूमि पर MIX, RESIDENTIAL, LAY OUT OF COMMERCIAL PLOT-PLOTTED, RESIDENTIAL PLOT-PLOTTED HOUSING विकास हेतु अनुमोदित अभिन्यास में संशोधित अभिन्यास का अनुमोदन चाहा गया है।

(ग) विकास का प्रयोजन :- MIX, RESIDENTIAL, LAY OUT OF COMMERCIAL PLOT-PLOTTED, RESIDENTIAL PLOT-PLOTTED HOUSING

(घ) स्वीकृति क्रमांक KRNLPO3052415333 दिनांक 2024-07-19

पूर्व स्वीकृत अभिन्यास में यदि उपांतरण किया जाता हैं, तो उससे परियोजना से जुड़े व्यक्ति/संस्था के हित प्रभावित होने की संभावना है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, उपांतरणों से संबंधित अपनी आपत्ति या सुझाव, इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा https://dtcp.mp.gov.in/alpass/Web/Objection.aspx?RefApp=1o5Uli9wCQ1637 पर प्रस्तुत कर सकेगा। पूर्व स्वीकृत अभिन्यास के ब्यौरे तथा प्रस्तावित उपांतरित अभिन्यास का निरीक्षण हितबद्ध व्यक्ति द्वारा, उपरोक्त कार्यालय में कार्यालयीन समय के दौरान अथवा https://dtcp.mp.gov.in/alpass/Web/ULogin.aspx पर किया जा सकता है।

सहायक संचालक
नगर तथा ग्राम निवेश
जिला खरगोन (म.प्र.)

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-17012025-260295
CG-DL-E-17012025-260295

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 265] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 15, 2025/पौष 25, 1946
No. 265] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 15, 2025/PAUSHA 25, 1946

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 15 जनवरी, 2025

का.आ. 267(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. **557(अ) तारीख 06/02/2024**, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा मध्य प्रदेश राज्य के अलीराजपुर जिले में **NH56** के कि.मी. 0+000 से कि.मी. 27+500 तक (जोबट-अम्बुआ-गुजरात बॉर्डर रोड) तक के निर्माण, (चौड़ीकरण/पेव्ड शोल्डर सहित 2-लेन/4-लेन का बनाना आदि), अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख **"02 मार्च 2024"** को **"पत्रिका"** और **"विनय उजाला"** दोनों में प्रकाशित किया गया था ;

जबकि सक्षम प्राधिकारी को धारा 3-ग के तहत दायर आपत्ति प्राप्त हुई है, जिस पर विचार किया गया है और उसका

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए ;

और अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी ।

अनुसूची

मध्य प्रदेश राज्य के अलीराजपुर जिले में NH56 के कि.मी. 0+000 से 27+500 कि.मी. तक (जोबट-अम्बुआ-गुजरात बॉर्डर रोड) के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित विवरण।

जिला : अलीराजपुर
https://egazette.gov.in
प्रकाशन दिनांक
https://egazette.gov.in....

[फा. सं. CE-RO BPL/30010/69/2023-24/3D3]

अभय जैन, निदेशक

जी-11338/25
"स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-15012025-260252
CG-DL-E-15012025-260252

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 263] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 15, 2025/पौष 25, 1946
No. 263] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 15, 2025/PAUSHA 25, 1946

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 15 जनवरी, 2025

का.आ. 265(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. **556(अ) तारीख 06/02/2024**, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा मध्य प्रदेश राज्य के अलीराजपुर जिले में NH56 के कि.मी. 0+000 से 27+500 कि.मी. तक (**जोबट अम्बुआ गुजरात बॉर्डर रोड**) तक के निर्माण, (चौड़ीकरण/पेव्ड शोल्डर सहित 2-लेन/4-लेन का बनाना आदि), अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख **"29 फरवरी, 2024"** को "पत्रिका" और "विनय उजाला" दोनों में प्रकाशित किया गया था ;

जबकि सक्षम प्राधिकारी को धारा 3-ग के तहत दायर आपत्ति प्राप्त हुई है, जिस पर विचार किया गया है और उसका उचित रूप से निपटान किया गया;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए ;

और अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी ।

अनुसूची

मध्य प्रदेश राज्य के अलीराजपुर जिले में NH56 के कि.मी. 0+000 से 27+500 कि.मी. तक (जोबट अम्बुआ गुजरात बॉर्डर रोड) के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित विवरण।

जिला : अलीराजपुर
https://egazette.gov.in
प्रकाशन दिनांक
https://egazette.gov.in....

[F. No: CE-RO BPL/30010/69/2023-24/3D1]

ABHAY JAIN, Director

जी-11339/25
"स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

सम्पादकीय

भारत-चीन रिश्तों में सुधार के संकेत

आजकल कूटनीतिक जगत में भारत-चीन संबंधों में सुधार को लेकर काफी चर्चा है। 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में हुए घटनाक्रम के बाद पिछले वर्ष अक्टूबर में रूस में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी इस बैठक में दोनों शीर्ष नेताओं ने सीमा पर तनाव कम करने और द्विपक्षीय संबंधों को पटरी पर लाने का प्रयास किया था। विवाद के कुछ क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी जरूर हुई लेकिन अन्य मामलों में प्रगति नहीं हुई। इधर, अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद दुनिया में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ट्रंप प्रशासन के फैसलों से अमेरिका की घरेलू राजनीति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नक्शा बदल रहा है। अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच तनातनी बढ़ रही है तो दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति पुतिन के बीच जुगलबंदी आकार ले रही है। इस बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत और चीन ने कुछ लचीला रुख अपनाया है जिससे आशा बंधती है कि द्विपक्षीय संबंध पटरी पर आ सकते हैं। एक अप्रैल, 1950 को दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंध हुआ था। नई दिल्ली और बीजिंग के कूटनीतिक रिश्तों के 75 वर्ष पूरे होने पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच शुभकामनाओं और पारस्परिक रिश्तों को और बेहतर बनाने के संदेशों का आदान-प्रदान हुआ। राष्ट्रपति जिनपिंग ने भारतीय राष्ट्रपति द्रोपदी मुमरु को प्रेषित अपने संदेश में दोनों देशों के रिश्तों के द्योतक ड्रैगन और हाथी के बीच बेहतर तालमेल बनाने की बात की जबकि राष्ट्रपति मुमरु ने कहा कि भारत और चीन के बीच स्थाई, स्थिर और सौहार्दपूर्ण संबंध का फायदा नई दिल्ली और बीजिंग के अलावा पूरी दुनिया को मिलेगा। वैश्विक मामलों के जानकार किशोर मेहबुबानी का विश्वास है कि अतीत की तरह दोनों देशों के सामने फिर से दुनिया का सिरमौर बनने का अवसर है। लेकिन दोनों ने आपसी संघर्ष का रास्ता अख्तियार किया तो वे यह अवसर गंवा सकते हैं। वास्तव में यह दावा तो कोई नहीं कर सकता कि हाल-फिलहाल भारत और चीन की समस्याओं का स्थायी समाधान हो जाएगा लेकिन दोनों देश जिस रास्ते पर चल रहे हैं, उससे यह आशा जरूर बंधती है कि भविष्य में सैन्य संघर्ष की स्थिति नहीं बनेगी।

सुविचार

जो तुमने अपने लिए कियास तुम्हारे साथ
चला जाएगा, जो तुमने दूसरों के लिए किया
वही विरासत है, वहीं याद किया जाएगा।

- मनीषा साहू, इंदौर

इन्सान कर्तव्य से जीवित रहता है,
उत्साह से जवान रहता है, प्रार्थना से प्रफुल्लित होता है
और परोपकार से चिरंजीवी बनता है।

- मीनाक्षी शुक्ला, खंडवा

पतझड़ का मौसम हमें सिख देता है कि
बदलाव भी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

- अर्चना लवानिया, इंदौर

सांस और विश्वास अलग-अलग नाम हैं,
लेकिन काम एक ही करते हैं, सांस जाये तो जिस्म खत्म और
विश्वास चला जाये तो रिश्ता खत्म।

- के.पी. जाट, भोपाल

जिंदगी आसान नहीं होती जिंदगी को आसान बनाना पड़ता हैं,
कभी प्रार्थना कर के कभी सब्र कर के कभी
माफी मांग कर और कभी नजरंदाज कर के।

- नवनीत मिश्रा, इंदौर

श्री सुंदरकांड व श्री हनुमान चालीसा का पाठ संपन्न

झाबुआ (विनय उजाला)। नगर के श्री सुंदरकांड मंडल (उमेश महेश पांडे) विगत कई वर्षो से झाबुआ में श्री सुंदरकांड, श्री बजरंग बाण एवं श्री हनुमान चालीसा का पाठ व भजन संध्या करते आ रहे हैं उनके मंडल द्वारा हर वर्ष विश्व प्रसिद्ध गुजरात स्थित सालंगपुर श्री कष्ट भंजन देव के दर्शन व श्री कष्ट भंजन देव मंदिर में श्री सुंदरकांड का पाठ किया जाता रहा हैं और इस वर्ष भी दिनांक 10.04.2025 को श्री सुंदरकांड मंडल झाबुआ द्वारा संगीतमय श्री सुंदरकांड व श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया गया व आरती की गई। श्री पांडे द्वारा श्री राम लला की पावन अयोध्या नगरी से लाया गया श्री राम ध्वज दादा कष्ट भंजन देव को अर्पण किया गया व श्री कष्ट भंजन देव से सभी भक्तों के प्रसन्न, स्वस्थ्य, सम्पन्न हेतु मंगल कामनाएं की गई।

तेलंगाना, पंजाब व केरल के राज्यपालों का मामला भी अदालत में पहुंचा कि वह लम्बित पड़े विधेयकों को मंजूरी नहीं दे रह थे। विधेयकों को लम्बे समय तक रोके रखने से यह धारणा बन गई कि राज्यपालों की राजनीतिक सक्रियता लेजिस्लेटिव प्रक्रिया को बाधित कर रही है और यह राज भवन की गरिमा के अनुरूप नहीं है।

राज्यपालों के अधिकार पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

नरेंद्र शर्मा

राज्यपाल बनाम राज्य पुरानी कहानी है। एक दौर था, जब राज्यपाल की खेल-पुस्तिका में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश प्रमुख पैंतरा हुआ करता था। अब राज्यपालों द्वारा विपक्ष शासित राज्यों मसलन-तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, पंजाब, पश्चिम बंगाल आदि में विधेयकों पर बैठ जाना, विधानसभा सत्र बुलाने से इंकार कर देना और वाईस चांसलरों की नियुक्तियों को ठुकरा देना वगैरह अधिक आम बातें हो गईं हैं। मसलन नवम्बर 2023 में सुप्रीम कोर्ट राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित के खिलाफ पंजाब की शिकायत से सहमत था, जिन्होंने चार विधेयकों की मंजूरी को रोक लिया था। इससे तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को सबक ले लेना चाहिए था और विधेयकों को मंजूरी दे देनी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने विधेयकों को राष्ट्रपति के पाले में उछाल दिया। नतीजतन सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल 2025 को उन्हें आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उनकी कार्यवाही 'गलत और अवैध' थी। दरअसल, विपक्ष द्वारा शासित राज्यों में राज्यपाल अपने आप में कानून नहीं हो सकते। सुप्रीम कोर्ट ने इस तथ्य को पूर्णत: स्पष्ट कर दिया, राज्यपाल रवि के खिलाफ सख्त शब्दों में असाधारण और अपने क़िस्म का पहला फैसला सुनाते हुए।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने जिन 10 विधेयकों को रोका हुआ था, उन्हें सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद स्वीकृत माना जायेगा। ऐसा पहली बार हुआ है। इसके अतिरिक्त सुप्रीम कोर्ट ने विधेयकों को मंजूरी देने या ठुकराने के लिए समय सीमा भी निर्धारित की है। अब राजभवनों को राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर फैसला निर्धारित समय सीमा के भीतर करना होगा ताकि जो कुछ तमिलनाडु में हुआ, वह अन्य राज्यों में न हो सके। रवि ने एक विधेयक को तो जनवरी 2020 से रोका हुआ था। रवि ने जिन विधेयकों को रोका हुआ था, उनसे तमिलनाडु के उच्च शिक्षा संस्थानों पर केंद्र की पकड़ ढीली पड़ रही थी, जिनमें वाईस चांसलरों को नियुक्त करने का अधिकार भी शामिल था। ज़ाहिर है राज्यपाल 'फ्रेंड, फिलोस्फर एंड गाइड' की भूमिका में न थे (जैसा कि सुप्रीम कोर्ट के शब्दों में उन्हें होना चाहिए था) बल्कि वह केंद्र के लिए काम करते हुए प्रतीत हो रहे थे7 न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश आर महादेवन की खंडपीठ का फैसला सभी राज्यपालों (विशेषकर विपक्ष शासित राज्यों के राज्यपालों) पर लागू होता है और इससे एक संवैधानिक अस्पष्टता पर भी विराम लगता है। संविधान में यह तो था कि एक राज्यपाल को 'जितना जल्दी संभव हो सके' विधेयक पर फैसला ले लेना चाहिए, लेकिन इसके लिए कोई समय निर्धारित न था, इसलिए राज्यपाल महीनों बल्कि कुछ मामलों में तो वर्षों विधेयक पर फैसले को रोके रखते थे, जबकि विधानसभा द्वारा पारित विधेयक राज्यपाल की मंजूरी के बाद ही कानून बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस खालीपन को भरते हुए कहा है कि राज्यपालों को एक माह की समय सीमा के भीतर विधेयकों को मंजूरी देनी होगी। संविधान के अनुच्छेद 200 के शब्दों (जितनी जल्दी संभव हो सके) की अस्पष्टता को दूर करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल को अधिकतम तीन माह के भीतर विधेयक को पुनर्विचार के लिए विधानसभा के पास वापस भेजना होगा या राष्ट्रपति के पास भेजना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर किसी विधेयक पर विधानसभा पुनर्विचार करके राज्यपाल के पास भेजती है तो राज्यपाल के पास कोई विकल्प नहीं है सिवाय इसके कि वह उसे मंज़ूरी दे। लेकिन रवि ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का 'तनिक भी सम्मान' नहीं किया और विधानसभा द्वारा पुनर्विचार के बाद भेज गये विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेज दिया। संविधान उन्हें 'पूर्ण वीटो' या 'पॉकेट वीटो' का अधिकार नहीं देता है कि वह अनिश्चितकाल तक विधेयकों को रोके रखें।

इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सभी राज्यों के लिए ऐतिहासिक जीत है और राज्य के प्रशासनिक काम काज में अनावश्यक दखलंदाजी करने वाले राज्यपालों के लिए सख्त चेतावनी भी है, लेकिन इससे किसी भी सूरत में राज्यपाल के दफ्तर की गरिमा कम नहीं होती है, हां, चुनी हुई विधानसभा की श्रेष्ठता अवश्य स्थापित होती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राज्य विधानसभा के सदस्यों को राज्य के लोगों ने चुना है। लोकतांत्रिक नतीजे के फलस्वरूप वह जनता की भलाई सुनिश्चित करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। अदालत के अनुसार, राज्यपाल के पास 'पॉकेट वीटो' का अधिकार नहीं है (और यह बात केवल रवि पर नहीं बल्कि सभी राज्यपालों पर लागू होती है), इसलिए उसने जो संवैधानिक शपथ ली है उसकी पवित्रता से गाइड होना है न कि 'राजनीतिक सुविधा के विचारों' से। दरअसल, समस्या केवल तमिलनाडु तक ही सीमित नहीं थी। अन्य राज्यों में भी इसी क़िस्म के गतिरोध बने हुए थे। पुदुच्चेरी में भी लेफ्टिनेंट-गवर्नर और विधानसभा के बीच टकराव था। तेलंगाना, पंजाब व केरल के राज्यपालों का मामला भी अदालत में पहुंचा कि वह लम्बित पड़े विधेयकों को मंजूरी नहीं दे रहे थे। विधेयकों को लम्बे समय तक रोके रखने से यह धारणा बन गई कि राज्यपालों की राजनीतिक सक्रियता लेजिस्लेटिव प्रक्रिया को बाधित कर रही है और यह राज भवन की गरिमा के अनुरूप नहीं है। ज़ाहिर है कि इससे लोकतांत्रिक तौर पर चुनी गई सरकारों को काम करने में दिक्कतें आ रही थीं।

गौरतलब है कि संविधान के अनुच्छेद 153 के तहत हर राज्य में राष्ट्रपति द्वारा एक राज्यपाल नियुक्त किया जाता है। अनुच्छेद 154 के तहत राज्यपाल के ऑफिस के पास एग्जीक्यूटिव पॉवर्स होती हैं। अनुच्छेद 163(1) के अनुसार राज्यपाल के कार्य व शक्तियां परिगत हैं, जिसका अर्थ है कि उन्हें अपने मंत्रिमंडल के सहयोग व सलाह से ही काम करना होगा। इससे ज़ाहिर है कि राज्यपाल जो अपने 'विवेक' से कार्य करते हैं वह भी संवैधानिक नियमों द्वारा बंधा हुआ है। हालांकि विधेयक के लिए कानून बनने हेतु राज्यपाल (या राष्ट्रपति) की मंजूरी आवश्यक है, लेकिन 19 I4 के शमशेर सिंह बनाम पंजाब राज्य में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया था कि राज्यपाल केवल संवैधानिक प्रमुख हैं, राज्य की एग्जीक्यूटिव पॉवर्स वास्तव में मंत्रिमंडल द्वारा लागू की जाती हैं। अनुच्छेद 200 के तहत विधानसभा द्वारा पारित विधेयक को राज्यपाल के पास भेजना ज़रूरी होता है और तब राज्यपाल के पास चार विकल्प होते हैं 1. विधेयक को मंजूरी दे दें, 2. विधेयक को मंजूरी न दें, 3. विधेयक को राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दें और 4. विधेयक को पुन:विचार के लिए विधानसभा को लौटा दें। इस अनुच्छेद को भारत सरकार का कानून 1935 के सेक्शन I5 पर मॉडल किया गया है जो इन चारों विकल्पों में से किसी एक के भी चयन के लिए समय सीमा निर्धारित नहीं करता है। शायद संविधान निर्माताओं ने कल्पना की थी कि योग्य व निष्पक्ष व्यक्ति ही राजभवन में जायेंगे और वह बिना पक्षपात के संविधान की भावना के अनुरूप कार्य करेंगे। समय के साथ राज्यपाल के अराजनीतिक होने की कल्पना गलत साबित हुई। इसलिए सरकारिया कमीशन (198 I), एमएम पंछी कमीशन (2010) आदि सभी ने राज्यपालों द्वारा विधेयकों पर फैसला लेने के लिए समय सीमा निर्धारित करने की सिफारिश की। इन सिफारिशों पर संसद को अमल करना चाहिए था, लेकिन देर आयद दुरुस्त आयद की तर्ज़ पर सुप्रीम कोर्ट को अमल करना पड़ा। इसलिए यह ऐतिहासिक फैसला स्वागतयोग्य है।

[लेखक वरिष्ठ पत्रकार है]

अब बच्चों को पाल रहे हैं दादा-दादी या नाना-नानी

नम्रता नदीम

सोशल मीडिया पर आजकल कई ऐसे नाना-नानी, दादा-दादी कपल्स हैं जो अपने देश में ही नहीं विदेश में बसे अपने बेटे या बेटी के बच्चों को पालने की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। उनके बेटा बहू या बेटी दामाद जब काम पर चले जाते हैं तो वे घर पर रहकर बच्चों की देखरेख करने के साथ साथ जिंदगी से जुड़े कई मुद्दों, बच्चों के पालन पोषण के विषय में लोगों के साथ रूबरू होते हैं और अपने चैनल्स के माध्यम से अपनी अच्छी खासी फैन फालोइंग को न केवल विदेश में बसे अपने बच्चों, नाती, पोतों के बारे जानकारी साझा करते हैं बल्कि उनके लिए यह एक वक्त गुजारने और अच्छा खासा मनोरंजन का माध्यम भी बन गया है।

जीवन का एक दौर ऐसा भी था, जब दादा-दादी, नाना-नानी के बिना किसी परिवार की कल्पना करना भी मुश्किल था। बढ़ते शहरीकरण, लोगों के गांव से शहरों की ओर पलायन और बढ़ते एकल परिवारों की मजबूरी के चलते दादा-दादी, नाना-नानी कहीं पीछे ही छूट गये। लेकिन अब पति-पत्नी दोनो के कामकाजी होने के कारण दिनभर उनकी अनुपस्थिति में बच्चों के अकेलेपन की समस्या को सुलझाने के लिए कामकाजी पति-पत्नी अब फिर से उन्हें दादा-दादी, नाना-नानी के साये में पालने को सही मानने लगे हैं। बढ़ते तलाक, सिंगल पैरेंटिंग, तलाक के बाद एक पार्टनर का अलग होकर शादी करना, दोनो का अलग होकर फिर से शादी करना, कॅरियर में व्यस्तता और भी इसी तरह की तमाम वजहों के कारण कई परिवारों में दादा-दादी और नाना-नानी पर उन्हें पालने की जिम्मेदारी आ रही है।

उदाहरण के तौरपर वंशिका को लें पति से अलगाव के बाद वह मायके में रहने के लिए आ गई। कोर्ट में तलाक का मुकदमा चल रहा है। वंशिका स्वयं वर्किंग है। उसके पिता उच्च पदस्थ सरकारी कर्मचारी रहे हैं। रिटायरमेंट के बाद वे और उनकी पत्नी वंशिका की बेटी को पालने की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। 58 वर्षीय उनकी मां कहती हैं कि मैं अपनी धेवती को लेकर शाम को जब पार्क जाती हूं तो मेरी ही तरह की और कई ऐसी महिलाएं हैं जो गांव देहात से अपने घर को छोड़कर अपने पोते पोतियों की परवरिश की जिम्मेदारी उठा रही हैं। उनके साथ हमारी गपशप होती है, हमने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया हुआ है। सुबह बच्चों को स्कूल भेजने के बाद हम लोग पार्क में आते हैं, तब तक बेटी और दामाद तैयार होकर दोपहर का खाना बनाकर ऑफिस चले जाते हैं। सुबह के समय ही हम घर से बाहर निकल पाते हैं। यहां हम लोगों से मिल जुलकर खुश होते हैं। हमारी वॉक भी हो जाती है और हमें भी यह एहसास होता है, रिटायरमेंट के बाद हम खाली नहीं बैठे हैं। हमारा भी समय बच्ची के साथ हंसते खेलते गुजर जाता है और बोरियत नहीं होती। दिन के समय हम लोग कंप्यूटर सीखकर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अपना वक्त गुजारते हैं। इससे उनका भी काम हो जाता है और हम भी अपने बच्चों के साथ रह सकते हैं। दादा-दादी, नाना-नानी की परवरिश में पलने वाले बच्चे अब उनके सानिध्य में जिंदगी से जुड़े बहुत से खेल और काम सीखते हैं। उनको भी इनका साथ अच्छा लगता है। कनाडा में रह रही मिसेज अरोड़ा अपनी पोती को खाना बनाना सिखा रही हैं, सिलाई, बुनाई और कढ़ाई में पारंगत मिसेज अरोड़ा के ये पुराने शौक जिन्हें उन्होंने अपने बच्चे पालने की व्यस्तता में बिसरा दिया था, अपनी पोती के बहाने उनके ये शौक फिर से नये रूप में सामने आ रहे हैं। उन्होंने स्वयं भी ऑनलाइन क्रोसेट और कढ़ाई के नये डिजाइन सीखने शुरु कर दिये हैं। वे कहती हैं हमारे रिश्तेदार अकसर हमें इस बात का ताना देते हैं कि हमारी बहू अपने बच्चे की परवरिश के लिए हमें भारत से वहां ले गये हैं। लेकिन हम ऐसा नहीं मानते। हम पति-पत्नी को यह लगता है कि हम कोई उन पर एहसान नहीं कर रहे। न इसके लिए हम अपनी सेहत की कुर्बानी दे रहे हैं बल्कि बच्चों के साथ हमारा समय कैसे कट जाता है, हमें पता ही नहीं चलता। हमें इससे असीम सुख की अनुभूति होती है। मजबूरीवश ही सही सोशल मीडिया के इस दौर में आज दादा-दादी, नाना-नानी जैसे रिश्ते जो पिछले कुछ सालों से हाशिये पर चले गये थे, उनकी इस जनरेशन ने अब कीमत पहचानी है। हमारे बुजुर्ग, हमारे बच्चों के दादा-दादी या नाना-नानी बच्चों के लिए जो कुछ भी कर रहे हैं, वह करना आसान नहीं है। अगर हम बच्चों को क्रैश में दूसरों के भरोसे छोड़ते हैं या घर में उनकी परवरिश के लिए आया रखते हैं, उन पर हम कितना भरोसा करें। हमारे माता-पिता के साथ बच्चों का रक्त संबंध है, बच्चों को भी अच्छा लगता है और हमारे माता-पिता भी हमारे साथ रहते हैं। वो हमारा और हम उनका ख्याल अच्छी तरह से रख सकते हैं। कुछ भी हो, दादा-दादी, नाना-नानी हमारे परिवार का एक मजबूत आधार और बच्चों के लिए एक बड़ा सुरक्षा कवच तो हैं ही।

दैनिक विनय उजाला -इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

पोको सी71 फ्लिपकार्ट पर 6499 रुपये में उपलब्ध ब्लॉकबस्टर डिस्प्ले और पावर-पैक्ड फीचर्स का मजा उठाएं

नई दिल्ली। सात हजार से कम रुपये में ब्लॉकबस्टर स्मार्टफोन का मजा लेने के लिए तैयार हो जाइए। पोको सी71 आपके स्मार्टफोन चलाने के तरीके को बदलने के लिए तैयार है। पोको सी71 में 6.88 इंच का एचडी+ 120हर्ट्ज डिस्प्ले दिया गया है। गीले हाथों से भी फोन चलाने के लिए इसमें वेट टच डिस्प्ले है और यह आंखों की सुरक्षा के लिए ट्रिपल टीयूवी सर्टिफिकेशन के साथ आता है। इसमें 32एमपी का ड्युअल कैमरा और 5200एमएएच की बड़ी बैटरी भी दी गई है-वो भी अविश्वसनीय दामों में! तैयार हो जाइए! पहली सेल 8 अप्रैल 2025 को दोपहर 12 बजे फ्लिपकार्ट पर शुरू हो रही है – मौका न चूकें!

शानदार लॉन्च कीमत! पीओसीओ सी71 का 4जीबी रैम + 64जीबी स्टोरेज मॉडल सिर्फ 6,499 में और 6जीबी रैम+ 128जीबी स्टोरेज मॉडल सिर्फ 7,499 में मिलेगा। अब फ्लैगशिप फीचर्स हर किसी की पहुंच में! सेगमेंट का सबसे बड़ा और सबसे स्मूद डिस्प्ले ‒ 6.88 इंच का एचडी+ डिस्प्ले, 120हर्ट्ज रिफ्रेश रेट के साथ – अल्ट्रा-स्मूद स्क्रॉलिंग और गेमिंग का अनुभव, जैसा पहले कभी नहीं था।

पीयूष गोयल 13 अप्रैल को यशोभूमि में भारत के सबसे बड़े बिल्डिंग मटेरियल एक्सपो – वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 का उद्घाटन करेंगे

विनय उजाला

नई दिल्ली, । भारत के सबसे बड़े बिल्डिंग मटेरियल एक्सपो – वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 – का उद्घाटन 13 अप्रैल 2025 को यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा किया जाएगा। यह आयोजन वैश्विक निर्माण और बुनियादी ढांचा उद्योग का एक ऐतिहासिक समागम होगा, जिसमें 27,000 वर्ग मीटर के विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र में 250 से अधिक प्रदर्शक, 50,000 से अधिक घरेलू आगंतुक और 700 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदार भाग लेंगे। प्रदर्शनी के लिए हाल ही में नई दिल्ली में एक पर्दा उठाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रमुख हितधारकों और उद्योग के नेताओं ने भाग लिया।

एक्सपो में 60 से अधिक देशों के खरीदार शामिल होंगे, जिनमें यूएसए, मैक्सिको, ब्राजील, यूके, स्पेन, यूएई और उत्तरी अमेरिका, लैटिन अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। यह भारतीय निर्माताओं के लिए बेजोड़ निर्यात, ओईएम और संयुक्त उद्यम के अवसर प्रदान करता है।

कैपेक्सिल के चेयरमैन रमेश मित्तल ने कहा, भारत का बुनियादी ढांचा विकास निर्माण सामग्री के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है। कैपेक्सिल में, हम निर्माताओं और निर्यातकों को दुनिया के सामने अपनी उत्कृष्टता दिखाने के लिए समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वाइब्रेंट बिल्डकॉन इस क्षेत्र में भारत की वैश्विक क्षमता का एक प्रमाण है।

खुशियों के सातवें आसमान पर धरमपुरी के लोग...!

विनय उजाला

(इब्राहिम रिज़वी) धरमपुरी। गुरुवार 10 अप्रैल की तारीख धरमपुरी निवासियों के लिए जश्न और उल्लास का अवसर लेकर आई। इंतज़ार का वक्त काफी लंबा था लेकिन यहां के लोगों का धैर्य भी ग़ज़ब का था। नर्मदा की दो धारा में बैंट में जागीरदार जिसे बिल्वामृतेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है वहां पर निर्बाध पहुंचने के लिए एक अदद पुल की मांग थी। सरदार सरोवर परियोजना के बेक वाटर के बाद धरमपुरी की छोटी धारा में बारह ही मास पानी रहने की वजह से जागीरदार के प्रतिदिन दर्शन के लिए जाने वाले भक्तों को नांव से बैंट में जाना पड़ता था।

2004 से लगातार यहां के नागरिक, सामाजिक संगठन और राजनीतिक दल नर्मदा की छोटी धारा से बैंट तक के लिए पुल की मांग करते रहे।

महाशिवरात्रि पर्व पर लाखों की तादाद में श्रद्धालु नर्मदा में स्नान एंव बिल्वामृतेश्वर महादेव के दर्शन के लिए यहां आते हैं एक दों नहीं कई बार ओंकारेश्वर बांध परियोजना से पानी छोड़ने की वजह से महाशिवरात्रि पर जागीरदार के दर्शन करने के बिना ही जाना पड़ा। कहते हैं कि कई चीजों या कार्य के लिए ईश्वर किसी को चुन रखता है शायद धरमपुरी के इस ऐतिहासिक, धार्मिक और पौराणिक जगह के लिए भी कुछ ऐसा ही था। महाकाल के भक्त और उज्जैन निवासी मोहन यादव मुख्यमंत्री के हिस्से में ही यहां का पुण्य था कि वो यहां आए क्योंकि पिछले 21 वर्षों में कोई मुख्यमंत्री यहां नहीं आ पाएं। भगवान महाकाल ने ही जागीरदार के भक्तों की बरसों पुरानी साध पुरी करने और महर्षि दधीचि की मुर्ती का अनावरण करने के लिए अपने मोहन को चुन रखा था। आज मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मांडव से धरमपुरी आएं। यहां नर्मदा तट पर पुजा अर्चना की । यही पर नर्मदा तट पर नवीन घाट ,बैंट के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण की बात कही। उसके बाद मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय राज्यमंत्री, विधायक बिल्वामृतेश्वर महादेव मंदिर में पहुंच कर दर्शन किए। और बैंट में महर्षि दधीचि की प्रतिमा का अनावरण कर माल्यार्पण किया।

विधायक एवं सांसद के प्रयास रंग लाए- धरमपुरी व अंचल के बड़ी संख्या में बिल्वामृतेश्वर महादेव के भक्तों की नर्मदा की छोटी धारा से बैंट तक पहुंचने के लिए पुल की मांग को पूरा करने में धरमपुरी विधायक कालू सिंह ठाकुर व केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने भी मस्ती भूमिका निभाई। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विनोद शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष चंचल पाटीदार सहित भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं नगर के नागरिक उपस्थित थे।

नर्मदा पर अदद एक पुल की आस! डेड़ लाख श्रद्धालुओं की

धरमपुरी खुशकिस्मत है! जिन्हें मां नर्मदा, धर्मराज की नगरी, महर्षि दधीचि की तपोभूमि, रानी रुपमती की जन्मस्थली और स्वंयभू बिल्वामृतेश्वर महादेव (जागीरदार) का वास मिला। और उससे भी ज्यादा यहां के निवासी जिन्हें मां नर्मदा के तट पर जन्म लेना नसीब हुआ। रामायणकालीन और महाभारतकालीन के कई अवसरों के साक्षी बनी इस पौराणिक नगरी आज के समय के हिसाब से विकास से कौसों दूर रह गई। फिर भी यहां की उत्सवप्रेमी और संतोषी जनता मलाल कर या मन मसोस के रह जाती। बिना उद्योग वाले शहर मे नागरिक अपने दम पर व्यवसाय कर जीवन यापन कर खुश थे। धार जिले का प्रमुख तहसील मुख्यालय ऐतिहासिक, पौराणिक और धार्मिक नगरी का गौरव लेकर ही यह शहर और यहां के बाशिंदे खुश थे। इस के हिस्से के आने वाली सोगात, और विकास इसका छोटा भाई ले जाता रहा और ये बढ़े भाई का बढ़प्पन दिखाते हुए इसके सामने से जाते हुए तकता रहा! लेकिन उफ तक नहीं किया। यहां तक सरदार सरोवर परियोजना के तहत पुनर्वास के नाम अपनी सोना उगलती ज़मीन दी। सरदार सरोवर परियोजना के बेकवाटर से यहां की छोटी धारा जिस पर वर्षाकाल मे नर्मदा का पानी रहता था। अब बारह मास रहने लग गया।

जन सुराज ने खुद किया दावा... प्रशांत किशोर बिहार चुनाव में क्या कर सकेंगे, आज होगा फैसला

पटना,(एजेंसी)

बिहार विधानसभा चुनाव में अभी करीब छह-सात महीने का वक्त है, लेकिन प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने अभी ही फैसले का ऐलान कर दिया है। मतलब, भीड़ से है। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने पूरे पटना को ऐसे पोस्टर से पाट दिया है, जिसमें दावा किया गया है कि फैसला तो 11 अप्रैल 2025 गांधी मैदान पटना में ही होगा।

दरअसल, शुक्रवार को बिहार के चुनावी साल में प्रशांत किशोर की पहली रैली है, जिसका नाम बिहार बदलाव रैली दिया गया है। यानी, बिहार चुनाव में बदलाव होना है या नहीं, यह शुक्रवार को पीके की रैली में उमड़ी भीड़ से पता चल जाएगा। अब यही पोस्टर पीके के लिए मुसीबत बन जाएगा, अगर वह ऐसा करिश्मा नहीं दिखा पाते हैं तो। और, अगर उनका दावा सही हो गया तो सत्ता से लेकर विपक्ष तक को यह सीधी चुनौती होगा।

रैलियों का क्या गणित रहा है बिहार में?

चाणक्य स्कूल ऑफ पॉलिटिकल राइट्स एंड रिसर्च के अध्यक्ष सुनील कुमार सिन्हा कहते हैं- एक जमाने में बिहार में रैलियों की भीड़ से चुनावी ताकत का अंदाजा लग जाता था। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने अपनी गरीब रैली की और भारी भीड़ के बाद अगली बार उसका नाम गरीब महारैली और फिर महारैला हो गया। बिहार के क्षेत्रीय नेताओं की ताकत पहले रैलियों से आंक ली जाती थी। एक समय था, जब अटलजी को सुनने के लिए गांधी मैदान में भीड़ आती थी, लेकिन भाजपा को वोट नहीं मिल पाता था। फिर भाजपा को भी रैली से चुनाव का अंदाजा लगने लगा। लेकिन, अब रैलियों के अर्थशास्त्र की खबरें चर्चा में रहती हैं और उसकी भीड़ वोट में नहीं बदलती है। लोकसभा चुनाव 2024 में तो जिनकी सभाओं में भीड़ अपरंपार दिख रही थी, वह भी चुनाव परिणाम में अपने दल की सीटों के लिए मशक्कत करते दिखे।

गांधी मैदान को पीके ने क्यों चुना, उसकी भी है वजह

बिहार में रैलियों के लिए सबसे बड़ी जगह पटना का गांधी मैदान है। यह ऐतिहासिक गांधी मैदान है, क्योंकि लोकनायक जय प्रकाश नारायण ने यहीं से संपूर्ण क्रांति का एलान करते हुए कहा था- सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। आजादी के पहले यहां महात्मा गांधी ने भी सभा की थी। तब इसे बांकीपुर मैदान और पटना लॉन के नाम से लोग जानते थे। 30 जनवरी 1948 को मोहन दास करमचंद गांधी की हत्या के बाद एक शिक्षक की अपील पर 1948 में इसका नाम गांधी मैदान किया गया। इसके बाद से गांधी मैदान राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन की राज्य में सबसे बड़ी जगह रही है। जेपी ने छात्र आंदोलन का आगाज यहीं से किया था। दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी की जनसभाओं से लेकर राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद की गरीब रैली-महारैली-महारैला तक का यह गवाह रहा है। नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने से पहले यहीं 27 अक्तूबर 2013 को आतंकी बम धमाकों के बीच हुंकार रैली की थी।

नीतीश सहित सहयोगियों की मदद के लिए रणनीति बना रही भाजपा

बिहार चुनाव में ले ना डूबे वक्फ!

नई दिल्ली, (एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगियों की वक्फ (संशोधन) एक्ट को लेकर बढ़ती चिंताओं को शांत करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू करने की योजना बनाई है।

इस अभियान का उद्देश्य विपक्ष के दावों का खंडन करना और खासकर बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) (जेडीयू) जैसे सहयोगियों पर पड़ रहे दबाव को कम करना है। बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और भाजपा का नीतीश कुमार की पार्टी के साथ केंद्र व राज्य में गठबंधन है। रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा अब मुस्लिम समुदाय के बीच जाकर इस कानून को लेकर फैली गलतफहमियों को दूर करने की तैयारी में है। पार्टी एक व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू करेगी, जिसमें नेता घर-घर जाकर लोगों को वक्फ कानून की खूबियों के बारे में बताएंगे और विपक्ष के दावों को खारिज करेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, यह पहल खासतौर पर बिहार में केंद्रित होगी, जहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और भाजपा की सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) को अल्पसंख्यक समुदाय के समर्थन की जरूरत है। विपक्ष द्वारा वक्फ एक्ट को अल्पसंख्यक विरोधी करार देने के बाद एनडीए के सहयोगी दलों पर दबाव बढ़ा है।

नजर बिहार पर

बीजेपी का फोकस बिहार पर इसलिए भी है क्योंकि राज्य में बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाता हैं और जेडीयू जैसी पार्टी उनके समर्थन पर निर्भर है। ऐसे में बीजेपी यह संदेश देना चाहती है कि वक्फ कानून किसी भी धर्म या समुदाय के खिलाफ नहीं है, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है। भाजपा का यह अभियान आने वाले चुनावों के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। अब देखना यह होगा कि पार्टी इस छवि सुधार अभियान में कितनी कामयाब होती है।

सहयोगियों पर दबाव और विपक्ष का हमला

वक्फ एक्ट ने बीजेपी के सहयोगियों के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। जेडीयू और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) जैसे दलों को मुस्लिम समुदाय के बीच अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि बनाए रखने में मुश्किल हो रही है, क्योंकि विपक्ष इसे अल्पसंख्यक विरोधी बताकर हमला बोल रहा है। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने इस मुद्दे को भुनाने की कोशिश तेज कर दी है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो इस एक्ट को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। ऐसे में भाजपा का यह अभियान ना सिर्फ समुदाय को समझाने की कोशिश है, बल्कि अपने सहयोगी दलों के ऊपर से दबाव कम करने की भी रणनीति है।

बीजेपी का अभियान घर-घर तक पहुंचने की तैयारी

इस अभियान को सुचारु रूप से चलाने के लिए भाजपा ने एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इसमें भाजपा के महासचिव दुष्यंत गौतम, राधा मोहन दास अग्रवाल, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रमुख जम्माल सिद्दीकी और भाजपा नेता अनिल एंटनी शामिल हैं। ये नेता पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करेंगे कि वे वक्फ कानून से जुड़े मुद्दों को जनमानस के सामने किस तरह रखें। भाजपा जल्द ही एक ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन भी करेगी, जिसमें केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और कई अन्य कैबिनेट मंत्री हिस्सा लेंगे। इस वर्कशॉप में भाजपा नेताओं को वक्फ कानून की प्रमुख बातें समझाई जाएंगी ताकि वे अल्पसंख्यक समुदाय के सवालों और शंकाओं का सही जवाब दे सकें। बिहार के कई सांसद और भाजपा नेता राज्य में अलग से इसी विषय पर कार्यशालाएं आयोजित करेंगे। पार्टी की रणनीति है कि विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही गलत धारणाओं को तथ्यों के आधार पर चुनौती दी जाए और मुस्लिम समुदाय में यह भरोसा पैदा किया जाए कि यह कानून उनके हितों के खिलाफ नहीं है।

वीके पांडियन के बचाव में पूर्व सीएम नवीन पटनायक

भुवनेश्वर। ओडिशा में पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) में वक्फ कानून पर नाटकीय रुख को लेकर पिछले पांच दिनों से जारी सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालांकि, इस बीच नवीन ने अपने बयान से साबित कर दिया है कि वह अब भी अपने सलाहकार वीके पांडियन के साथ हैं। पांडियन को लेकर पार्टी में बढ़ते असंतोष को देखते हुए नवीन पटनायक ने कहा है कि मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि कार्तिकेयन पांडियन ने अतीत में राज्य और पार्टी दोनों के लिए अच्छा काम किया है। हालांकि राज्य के सियासी जानकारों का मानना है कि बीजद प्रमुख नवीन पटनायक ने बुधवार शाम को भले ही सफाई दी, परंतु उससे पार्टी में बढ़ती राजनीतिक अराजकता कम होने के बजाय पार्टी में फूट पड़ने की संभावना ज्यादा बढ़ती दिख रही है।

सियासत.... महुआ मोइत्रा का दावा

सीआर पार्क में मछली की दुकानें बंद करा रहे भाजपाई

दिल्ली, (एजेंसी)

तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने दावा किया कि दक्षिणी दिल्ली के बंगाली बहुल चितरंजन पार्क इलाके में भाजपा से जुड़े लोग मछली की उन दुकानों को बंद करा रहे हैं, जो मंदिर के आसपास हैं। इसका एक वीडियो शेयर करते हुए तृणमूल सांसद ने एक्स पर लिखा कि ये देखिए, भगवा ब्रिगेड के भाजपाई दिल्ली के चितरंजन पार्क में मछली खाने वाले बंगालियों को धमका रहे हैं।

यहां रहने वाले लोगों का कहना है कि 60 साल में ऐसा कभी नहीं हुआ था। सांसद मोइत्रा के इस दावे पर दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। उधर, भाजपा ने इस दावे को सिरे से खारिज किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस दावे की निंदा करते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की गुजारिश की है। महुआ मोइत्रा के वायरल वीडियो में कुछ लोग कहते दिख रहे हैं कि मंदिर परिसर शुद्ध रहना चाहिए। मंदिर के साथ जो चीज हो रही है, वो कहीं न कहीं सभी सनातनियों को ठेस पहुंचा रही है।

भाजपा ने किया पलटवार

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक बयान में कहा कि सभी को मंदिरों की पवित्रता का सम्मान करना चाहिए और सीआर पार्क में मछली बाजार के व्यापारियों ने हमेशा मंदिरों का सम्मान किया है। सचदेवा ने कहा कि मछली बाजार कानूनी रूप से आवंटित किए गए हैं और इस क्षेत्र में एक आवश्यकता है। मछली व्यापारी क्षेत्र में उच्च स्तर की स्वच्छता बनाए रखते हैं और नियमित रूप से सीआर पार्क की सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। महुआ मोइत्रा द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया वीडियो ऐसा प्रतीत होता है कि सीआर पार्क में सामुदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए निहित राजनीतिक स्वार्थ वाले लोगों द्वारा तैयार किया गया है। बयान में कहा गया कि हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं और दिल्ली पुलिस से सख्त कार्रवाई करने का अनुरोध करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी नेता नहीं संत हैं : मुख्यमंत्री रेखा

दिल्ली,(एजेंसी)

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने न्यूज एजेंसी को दिए अपने इंटरव्यू में पीएम नरेंद्र मोदी को संत बताया है तो वहीं उन्होंने अपने रोल मॉडल को लेकर भी खुलासा किया है। सीएम रेखा गुप्ता ने अपने मंत्रिमंडल को लेकर कहा कि हम टीम मोदी हैं। पूर्ण सहयोग और अच्छा माहौल है। पीटीआई को दिए खास इंटरव्यू में सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि नरेंद्र मोदी को मैं नेता नहीं मानती, संत मानती हूं। वो संत, जिन्होंने अपना जीवन... कोई संत होता हैं, वो प्रभु की सेवा में पूजा-पाठ में अपना जीवन लगाता है इन्होने (पीएम मोदी) देश की सेवा को अपना पूजा पाठ माना और भी बहुत सारे लोग हमारे यहां हैं। जिन्होंने अपने-अपने तरीके से पूरा जीवन लगाकर देश की सेवा की। आगे इंटरव्यू में बातचीत करते हुए कहा कि नितिन गडकरी उनमें से एक हैं। हमारे बाकी जितनी लीडरशिप है, उन्हें भी मैं कहूं तो अमित शाह का गजब का व्यक्तित्व है, उनका डिटरमिनेशन, उनका जो डेरिंग स्वभाव है, इतने बड़े-बड़े निर्णय देश में हुए, आज तक टस से मस हिले नहीं।

अमरोहा में बीजेपी की बाइक रैली में भाजयुमो जिलाध्यक्ष पर चाकू से हमला

अमरोह, (एजेंसी)। हसनपुर में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की बाइक रैली में युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष के साथ विधायक की मौजूदगी में हमला कर दिया गया। उनके साथ जमकर मारपीट के बाद चाकू से जानलेवा हमला किया गया। इस दौरान अफरा-तफरी मच गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस मामले में तीन लोगों को नामजद करते हुए चार के खिलाफ जानलेवा हमला करने के मामले में केस दर्ज किया गया है। बृहस्पतिवार दोपहर को स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा की ओर से नगर में बाइक रैली निकाली जा रही थी।

इंडी गठबंधन के नेताओं ने किया विश्वासघात

पटना, (एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने राजधानी पटना स्थित भाजपा बिहार प्रदेश कार्यालय में आयोजित डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों, विशेषकर राष्ट्रीय जनता दल पर तीखा प्रहार किया।

चुग ने कहा कि इंडी गठबंधन के इन दलों ने वर्षों तक पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों को कुचलने का कार्य किया है और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों के विरुद्ध षड्यंत्र रचा है। चुग ने कहा कि कांग्रेस और राजद जैसे दल जो स्वयं को दलितों और पिछड़ों का रक्षक बताते हैं, वास्तव में उनके सबसे बड़े धोखेबाज हैं। उन्होंने कहा कि काका कालेलकर आयोग (1956) और मंडल आयोग (1980) की रिपोर्टों को वर्षों तक लटकाने और संसद में उनका विरोध करने का पाप इन्हीं दलों ने किया। नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक, कांग्रेस नेतृत्व ने आरक्षण का विरोध किया और आज राजद उसी कांग्रेस की चरणवंदना कर रही है। राजीव गांधी द्वारा मंडल आयोग की रिपोर्ट पर संसद में दिया गया आरक्षण विरोधी भाषण और राहुल गांधी द्वारा विदेशी धरती पर आरक्षण समाप्त करने की वकालत, ये सभी कांग्रेस की मानसिकता और पिछड़े वर्गों के प्रति उसके असली रवैये को उजागर करते हैं। चुग ने कहा कि पिछले सात दशकों से कांग्रेस पार्टी ने डॉ. अंबेडकर, भारत के संविधान और सामाजिक न्याय की भावना का निरंतर अपमान किया है। राजद जैसे दल आज कांग्रेस की चापलूसी कर उनके पापों में सहभागी बनकर तुच्छ वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं।

स्वार्थ या लालच में कांग्रेस के साथ खड़े हैं

चुग ने तीखे लहजे में पूछा कि क्या ये वही लालू यादव हैं, जिन्होंने इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल का विरोध करते हुए जेपी आंदोलन में भाग लिया था? अगर हां, तो आज वे किस स्वार्थ या लालच में उसी कांग्रेस के साथ खड़े हैं, जिसने लोकतंत्र की हत्या की। संविधान को कुचला और देश को बंधक बना दिया? उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने अकेले 50 निर्वाचित सरकारों को गिराया और कांग्रेस के शासन में लगभग 90 सरकारों को बर्खास्त किया गया। क्या यही है राजद और कांग्रेस का असली रिश्ता?

राज ठाकरे की बैंकों को चेतावनी

सेवाओं में मराठी भाषा का इस्तेमाल करें, नहीं तो...

मुंबई, (एजेंसी)

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने बैंकों को चेतावनी दी है कि वह आरबीआई मानदंडों के अनुसार अपनी सेवाओं में मराठी भाषा का उपयोग करें, अन्यथा उनकी पार्टी अपना आंदोलन तेज करेगी। इस संबंध में ठाकरे ने भारतीय बैंक संघ (आईबीए) को पत्र लिखकर बैंकों को मराठी भाषा का उपयोग करने के लिए निर्देश देने को कहा है। राज ठाकरे का पत्र बुधवार को मनसे नेताओं ने भारतीय बैंक संघ को सौंपा, जिसमें कहा गया है कि यदि बैंक अपनी सेवाओं में तीन भाषा फार्मूले- अंग्रेजी, हिंदी और स्थानीय भाषा (महाराष्ट्र के मामले में मराठी) का पालन नहीं करते हैं, तो कानून-व्यवस्था के लिए बैंक स्वयं जिम्मेदार होंगे।

बैंकों में बोर्ड तीन भाषाओं में होने चाहिए

राज ठाकरे ने लिखे पत्र में कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र और निजी बैंकों में क्षेत्रीय भाषाओं के उपयोग को लेकर एक परिपत्र जारी किया है। इसके अनुसार, बैंकों में लगे बोर्ड तीन भाषाओं में होने चाहिए- हिंदी, अंग्रेजी और उस राज्य की क्षेत्रीय भाषा। यहां तक कि बैंकों में सेवाएं भी तीन भाषाओं में होनी चाहिए। इससे पहले, ठाकरे ने शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से बैंकों और अन्य प्रतिष्ठानों में मराठी के उपयोग को लेकर चल रहे आंदोलन को बंद करने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि हमने इस मुद्दे पर पर्याप्त जागरूकता पैदा कर दी है।

मराठी न बोलने वालों को मारा जाएगा थप्पड़

इससे पहले, 30 मार्च को राज ठाकरे ने गुड़ी पड़वा के मौके पर रैली निकाली थी। इस रैली में उन्होंने आधिकारिक उद्देश्यों के लिए मराठी को अनिवार्य बनाने के अपनी पार्टी के रुख को दोहराया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि जो लोग जानबूझकर मराठी भाषा नहीं बोलेंगे, उन्हें थप्पड़ मारा जाएगा।

उभरती हुई तकनीकें बदल रहीं युद्ध का स्वरूप

राजनाथ बोले- गोली चलाए बिना जीती जा रहीं लड़ाइयां

चेन्नई ,(एजेंसी)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने एक बयान में मौजूदा दौर की सुरक्षा चुनौतियों पर ध्यान आकर्षित किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज संघर्षों के दौरे में हाइब्रिड युद्ध, साइबर हमले और भ्रामक प्रचार ऐसे औजार बन गए हैं, जो राजनीतिक और सैन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज पारंपरिक लड़ाई के तौर तरीकों की परिभाषा पूरी तरह से बदल चुकी है। तमिलनाडु के वेलिंगटन में डिफेंस सर्विस स्टाफ कॉलेज के दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनियाभर में चल रहे संघर्षों से पता चलता है कि पारंपरिक लड़ाई के तौर तरीके बदल चुके हैं और उन्हें फिर से परिभाषित किया जा रहा है।

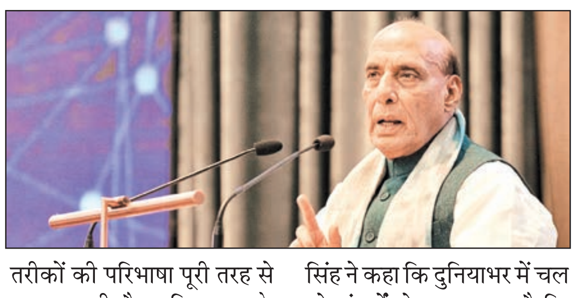

प्रियंका ने केंद्र सरकार को सुनाई खरी-खोटी

भूस्खलन पीड़ितों का ऋण माफ न कर भाजपा ने किया विश्वासघात

कोच्चि,(एजेंसी)

कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को जमकर निशाना साधा है। दरअसल, केंद्र सरकार ने केरल उच्च न्यायालय को यह बताया था कि पिछले साल वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित लोगों के ऋण माफ नहीं किए जाएंगे। इसे लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने गुरुवार को कहा कि यह विश्वासघात है। हम इस उदासीनता की कड़ी निंदा करते हैं।

केंद्र सरकार ने केरल हाईकोर्ट में दलील दी कि पिछले साल जुलाई में वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित लोगों के ऋण माफ नहीं किए जाएंगे। इसके बजाय उन्हें प्राकृतिक आपदाओं पर आरबीआई के मास्टर निर्देशों के अनुसार पुनर्निर्धारित या पुनर्गठित किया जाएगा। दरअसल, कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया था कि क्या प्रभावित व्यक्तियों की ओर से लिए गए ऋण माफ किए जा सकते हैं? केंद्र ने पहले जस्टिस एके जयशंकरन नांबियार और ईश्वरन एस की पीठ को सूचित किया था कि प्रस्तावित उपाय भूस्खलन पीड़ितों द्वारा लिए गए ऋणों पर रोक और पुनर्गठन तक सीमित हैं।

सरकार ऋण माफी करने से इनकार कर रही

कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद वाड्रा ने कहा, हम इस उदासीनता की कड़ी निंदा करते हैं और वायनाड में अपने भाइयों और बहनों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। वायनाड भूस्खलन पीड़ितों ने अपना सब कुछ खो दिया है- घर, जमीन, आजीविका। फिर भी सरकार ऋण माफी करने से इनकार कर रही है। इसके बजाय उन्हें केवल ऋण पुनर्निर्धारण और पुनर्गठन का सहारा दिया जा है। उन्होंने कहा कि यह राहत नहीं है। यह विश्वासघात है। हम इस उदासीनता की कड़ी निंदा करते हैं और वायनाड में अपने भाइयों और बहनों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उनके दर्द को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। हम न्याय मिलने तक हर मंच पर उनकी आवाज उठाएंगे। हलफनामे में केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने कहा कि पिछले साल 19 अगस्त को केरल की राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की एक विशेष बैठक हुई थी। बैठक में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी शामिल हुए थे। इसमें समिति ने प्राकृतिक आपदाओं पर आरबीआई के मास्टर निर्देशों के अनुरूप लागू राहत उपायों को बढ़ाने का फैसला किया था।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान महाकालेश्वर के किए दर्शन व पूजन

उज्जैन, निप्र। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने अपने उज्जैन प्रवास के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुचकर श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन व पूजन किये। पूजन पुजारी संजय शर्मा, पुजारी राजेश शर्मा व आकाश पुजारी द्वारा सम्पन्न करवाया गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सांसद अनिल फिरोजिया व कलेक्टर नीरज कुमार सिंह द्वारा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय व लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का उत्तरीय वस्त्र, प्रसाद व स्मृति चिन्हचिन्ह देकर सम्मान किया ।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में भक्त ने भेंट किया रजत मुकुट

उज्जैन, निप्र। श्री महाकालेश्वर मंदिर में पधारे दुष्यंत कुमार वशिष्ठ ने पुरोहित नवीनत शर्मा व रूपम शर्मा की प्रेरणा से भगवान श्री महाकालेश्वर जी को 1 नग चांदी का छत्र मय भेट किया। जिसका कुल वजन 967 ग्राम है। जिसे श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के उपप्रशासक एस. एन. सोनी व सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल द्वारा दानदाता से प्राप्त पर दानदाता का सम्मान किया जाकर विधिवत रसीद प्रदान की गई। यह जानकारी मंदिर प्रबंध समिति के कोठार शाखा के कोठारी मनीष पांचाल द्वारा दी गई।

केंद्रीय मंत्री गडकरी का उज्जैन हेलीपैड पर आत्मीय स्वागत

उज्जैन, निप्र। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का उज्जैन हेलीपैड पर जन प्रतिनिधियो और अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, विधायक सतीश मालवीय, चिंतामन मालवीय, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, पूर्व सांसद सत्यनारायण जटिया, जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल, ग्रामीण अध्यक्ष राजेश धाकड़, संभाग आयुक्त संजय गुप्ता, आई जी उमेश जोगा, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, ने उज्जैन हेलिपेड पर स्वागत किया।

डबराल बाबा की मूर्ति का अनावरण कल

उज्जैन, निप्र। दिनांक 12अप्रैल 2025 शनिवार चैत्र पूर्णिमा को बाबा डबराल (ब्रह्मलीन गुरुवर गोविंद प्रसाद कुकरेती) की मूर्ति का अनावरण समारोह भैरवगढ़ स्थित श्री विक्रांत भैरव मंदिर स्थित समाधिस्थल पर संपन्न होने जा रहा है। प्रातः 9 बजे, श्री विक्रांत भैरव जी की आरती होगी। प्रातः 10बजे प्रायंचित एवं पंचाग कर्म ,प्रातः 11बजे जलादिवास एवं अभिषेक पूजन, धान्या दिवास ,वेदी पूजन एवं अग्नि स्थापना होगी। दोपहर 1 बजे शयना दिवास एवं हवन पूजन होगा। दोपहर 3बजे देव प्रतिष्ठा एवं पूर्णाहुति होगी तत्पश्यात भोजन प्रसादी वितरण किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए बाबा डबराल के पुत्र चंद्रमोहन कुकरेती ने बाबा के सभी भक्तजनो को इष्ट मित्रों सहित आने के लिए आमंत्रित है।

हनुमान जन्मोत्सव धुमधाम से मनाया जाएगा

नागदा जं. निप्र। श्री बद्रीविशाल मंदिर मे स्थित श्री मंशापूर्ण पंचमुखी हनुमान मंदिर में पोरवाल समाज द्वारा 12 अप्रैल शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव का पर्व धुमधाम से मनाया जावेगा। इस अवसर पर श्री पंचमुखी हनुमान जी का विशेष श्रृंगार होगा व हनुमान चालीसा का पाठ होगा। दोपहर 12 बजे महाआरती व प्रसादी वितरण होगा। समाज अध्यक्ष ज्ञानेश्वर पोरवाल, कैलाश सेठिया, सुरेन्द्र पोरवाल, नन्दकिशोर पोरवाल, अशोक पोरवाल, रमेशचन्द्र फरक्या सहित पोरवाल समाज ने सभी समाजजनो व धर्मप्रेमी जनता से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है। यह जानकारी योगेन्द्र पोरवाल ने दी है।

भाजपा सक्रिय सदस्य कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ आयोजित

भाजपा बनी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाजपा सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन को वर्चुअली किया संबोधित

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। भारतीय जनता पार्टी नगर उज्जैन द्वारा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल के नेतृत्व में सक्रिय सदस्य कार्यकर्ता सम्मेलन स्थानीय आस्था गार्डन में आयोजन आयोजित किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ डॉ सत्यनारायण जटिया, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल व निगम सभापति कलावती यादव, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने दीनदयाल जी, डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी व भारत माता के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया।

मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को भाजपा के स्थापना दिवस के तहत नगर के सक्रिय सदस्य सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि जनसंघ के समय से हम जिन मुद्दों को लेकर चले थे उन मुद्दों को पूरा करने का काम भाजपा और नरेंद्र मोदी ने किया है। तीन तलाक खत्म कर मुस्लिम महिलाओं के मान सम्मान और उनके जीवन को बदलने का काम किया है। देश में करीब 50 वर्षों तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी ने कभी भी माताओं-बहनों की भलाई की चिंता नहीं की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार लाड़ली बहनों का ध्यान रख रही और उनके आर्थिक सशक्तिकरण और उत्थान के लिए लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना जैसी कई योजनाएं चला रही है। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने एक लाख पदों की भर्ती का अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस के 55 साल के शासनकाल में गेहूं का समर्थन मूल्य 500 रूपए प्रति क्विंटल था। आज मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार 2600 रूपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर किसानों से गेहूं खरीद रही है। उज्जैन शहर धार्मिक नगर के अलावा सांस्कृतिक और विज्ञान की नगरी भी है उन्होंने कहा कि विपक्ष को कभी बहनों की याद नहीं आई, भाजपा सरकार मध्यप्रदेश की करीब सवा करोड़ लाड़ली बहनों के बैंक खाते में प्रति माह 1250 रूपए भेज रही है। कांगेस सरकारों ने कभी भी बहन-बेटियों के हित में योजनाएं नहीं बनाईं। भाजपा सरकार ने बहनों को नगरीय निकाय व स्थानीय निकाय में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया है।

प्रथम सत्र में विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा ने भाजपा की चुनावी सफलता एवं संगठनात्मक विस्तार विषय को लेकर कार्यकर्ताओं को साम्बोधित किया उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल में उसकी पंचनिष्ठाएं है । भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में हुई। देश की आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने संविधान में जम्मू-कश्मीर के लिए धारा 370 का प्रावधान कर दिया। इसके अनुसार वहां का संविधान अलग, प्रधानमंत्री अलग और झंडा भी अलग हो गया। नेहरू मंत्रिमंडल में उस समय उद्योग मंत्री रहे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि एक देश में दो निशान, दो प्रधान और दो विधान नहीं चलेंगे। उन्होंने नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया और 1951 में पं. दीनदयाल उपाध्याय के साथ जनसंघ की स्थापना की। उन्होंने इस व्यवस्था के विरोध में आंदोलन किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें जेल में डाल दिया गया और जेल में ही उनकी हत्या कर दी गई। भारतीय जनता पार्टी डॉ. मुखर्जी के बलिदान के आधार पर खड़ी हुई है।

दूसरे सत्र में केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य डॉ सत्यनारायण जटिया ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की और बढ़ती यात्रा, मध्यप्रदेश का विकास और उपलब्धियां विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत एक ऐसी विशाल शक्ति के रूप में जाना जाने लगा है कि विश्व के पटल में भी लोग मोदी मोदी नाम के नारे लगाते हैं सरकारें वही है काम करने की नियत साफ होनी चाहिए पूर्व की कांग्रेस सरकार शासन में होने के बावजूद आज सत्ता से बाहर हुई है क्योंकि उनकी नीति और नियत ही खराब थी उन्होंने देश के हित में कभी भी नहीं सोचा आज देश में धार्मिक नगरी सुरक्षित ,शिक्षा की क्रांति, सामाजिक सुरक्षा ,देश में सुरक्षित कानून ,आतंकवाद का सफाया, किसानों के लिए सम्मान निधि, शक्तिशाली जल सेना थल सेना वायु सेना से दुश्मनों की हालत पस्त हो चुकी है ऐसी प्रधानमंत्री की नीति ने आज देश को काफी बड़ा संबल प्रदान कराया है देश के सदन में हमेशा विपक्ष ने डराने धमकाने के अलावा कोई काम नहीं किया लेकिन आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानून संशोधन के लिए पूरी ताकत से बिना डरे बिना झुके संशोधन बिल कानून पास करवा लिया । धारा 370 हटाने का काम हो या वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन करके एक देश के हित में बड़ा निर्णय लिया है । उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में लोक कल्याण के कार्यों के साथ ही गरीब, युवा, महिला, किसान के के लिए कार्य कर रही है ।

तीसरे सत्र में सांसद अनिल फिरोजिया ने भारत की राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन विषय पर सम्बोधित करते हुए कहा कि गरीब मां के बेटे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपनी मां को धुआं उगलते चूल्हे पर खाना बनाते देखा था। माता-बहनों को इस तकलीफ से मुक्ति दिलाने के लिए उन्होंने उज्जवला योजना शुरू की, जिसके अंतर्गत गरीबों को 10 करोड़ गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। कोई गरीब पैसे के अभाव में इलाज से वंचित न रहे, इसके लिए उन्होंने आयुष्मान भारत योजना शुरू की। धारा 370 हटाने का काम हो या ट्रिपल तलाक हो, राम मंदिर बनाने का काम और वक्फ़ बोर्ड संशोधन कानून लागू करने का काम हो ऐसे कई निर्णय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता के हित में लिए हैं । उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पद संभालते ही करीब 55 करोड़ जनधन खाते खोले। सारी योजनाओं का पैसा इन्हीं खातों में आता है। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी दिल्ली से 1 रुपया भेजते हैं, तो पूरा एक रुपया खाते में पहुंचता है और दलाल-बिचौलिए मुंह देखते रह जाते हैं। इसके पश्चात सम्मेलन में लोकतंत्र सेनानियों सहित वरिष्ठों का सम्मान भी किया गया । इस अवसर पर नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, राजेन्द्र भारती, इकबालसिंह गांधी, वीरेंद्र कावड़िया, जगदीश अग्रवाल, अशोक प्रजापति, रमेशचंद्र शर्मा, रूप पमनानी, वासु केसवानी, विवेक जोशी, ओम जैन, सत्यनारायण खोईवाल, जगदीश पांचाल, मुकेश यादव, अनिल शिंदे, मोहन जायसवाल, प्रमिला यादव, प्रियंका सेंगर, सोनल जोशी सहित कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन जगदीश पांचाल ने किया । आभार मुकेश यादव ने माना ।

वीर प्रभु जन्में, मंगल गीत और नारों से गुंजाएमान हो उठी रथयात्रा

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। बजे कुण्डलपूर में बधाई, की नगरी में वीर जन्मे महावीर जी महावीर तेरे ही नाम से हम पहचाने जाते है..... जैसे गुन्जाए मान होते हुए भजन, त्रिशला नंदन वीर की जय बोलो महावीर की, प्रभु महावीर का संदेश जियों और जीने दो से नारों की गुन्ज से गुन्जाए मान होते हुए नगर के प्रमुख मार्ग। यह नजारा था गुरुवार सुबह 9.30 बजे लक्ष्मीबाई मार्ग का। मौका था प्रभु महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव का। गुरुवार को मूर्तिपूजक संघ, दिगम्बर संघ, स्थानकवासी संघ तीनों सम्प्रदाय के संयुक्त तत्वाधान में प्रभु महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर दिन भर धार्मिक कार्यक्रम का दौर जारी रहा।

जन्म कल्याणक महोत्सव के कार्यक्रम की शुरूआत गुरुवार सुबह 6.30 बजे दिगम्बर संघ के अगवाई में आयोजित प्रभातफेरी से हुई। चिकित्सालय मार्ग स्थित दिगम्बर जैन मंदिर से शुरू हुई प्रभातफेरी नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः दिगम्बर मंदिर पर समाप्त हुई। प्रभातफेरी के दौरान शामिल श्रद्धालू हाथ में पंचरंगी ध्वज लेकर प्रभु महावीर के नारों को गुन्जाए मान कर चल रहे थे। सुबह 9.15 बजे लक्ष्मीबाई मार्ग स्थित पाठशाला भवन से मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ की अगवाई में जन्म कल्याणक रथयात्रा का आयोजन किया गया। रथयात्रा से पूर्व पाठशाला भवन में सकल जैन श्रीसंघ की नवकारशी का आयोजन किया गया।

रथयात्रा के दौरान स्थानीय महिला मंडल कलश व श्लोगन लेकर, बालिका मंडल मनमोहक डांडिया रास कर व नवयुवकों की टोली ढोल की थाप पर नृत्य करने के साथ नारों को गुन्जाए मान कर चल रहे थे। रथयात्रा जिस मार्ग से गुजरी वह मार्ग नारों की गुन्ज से गुन्जाए मान हो उठा। स्थानीय श्रावक श्राविकाओं ने चावल की गवली कर रथयात्रा की अगवानी की। चांदी की पालकी में विराजमान प्रभु महावीर की प्रतिमा रथयात्रा के आर्कषण का केन्द्र थी। करीब दो घंटे तक चली रथयात्रा पाठशाला भवन से शुरू होकर, सुभाष मार्ग, महात्मा गांधी मार्ग, स्टेशन चौराह, जवाहर मार्ग, महावीर मार्ग, रामसहाय मार्ग होते हुए लक्ष्मीबाई मार्ग स्थित पाठशाला भवन पर समाप्त हुई। इसके पश्चात महिदपुर मार्ग स्थित राजेन्द्रसूरी जैन दादवाड़ी परिसर में जैन श्रीसंघ के बैनर तले, जैन सोश्लय के तत्वाधान में सकल जैन श्रीसंघ के स्वामीवात्सलय का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी डॉ. विपिन वागरेचा ने बताया कि अनेक सामाजिक एवं राजनैतिक संगठनों द्वारा रथयात्रा का स्वागत किया गया है।

11 लाख गायत्री मंत्र के साथ पूर्णाहुति व संस्कार संपन्न

12 अप्रैल को होगा अखण्ड जाप और हनुमान चालीसा का पाठ

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। अखिल विश्व गायत्री परिवार गायत्री शक्तिपीठ नागदा के माध्यम से परमपूज्य गुरूदेव व वंदनीया माताजी के सुक्ष्म संरक्षण में राष्ट्र जागरण, जन कल्याण, समाज जागरण हेतु दिनांक 30 मार्च से 9 अप्रेल तक प्रतिदिन गायत्री शक्तिपीठ नागदा पर प्रातःकाल से सूर्यास्त तक 11 लाख गायत्री महामंत्र अनुष्ठान जाप सम्पन्न किये गये। जिसकी पुर्णाहूति 10 अप्रेल गुरूवार को पंचकुण्डीय गायत्री महायज्ञ के साथ हुई। साथ ही इस मौके पर विभिन्न संस्कारो के साथ कन्यापूजन एवं कन्याभोज का भी आयोजन किया गया।

गायत्री शक्तिपीठ नागदा कार्यकर्ता ममता बैरागी ने बताया कि उपरोक्त आयोजन के माध्यम से सत्संकल्प पाठ का संकल्प 5000 घरो तक पहुंचेगा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार मातृशक्ति संवर्द्धन वर्ष एवं अखण्ड ज्योति वर्ष के अन्तर्गत गायत्री शक्तिपीठ नागदा पर 108 गांव में एवं समस्त कॉलोनियों में पत्रिका अखण्ड ज्योति, प्रज्ञा अभियान, युगनिर्माण का बड़ा अनुष्ठान चल रहा है। जिसमें शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रो से प्रतिभाशाली, प्रबुद्धवर्ग जागृत आत्माओं का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

बैरागी ने बताया कि आज हुए इस अनुष्ठान की पुर्णाहूति में गायत्री शक्तिपीठ नागदा से जुड़े हुए भाई-बहनों एवं सहयोगीयो का गायत्री शक्तिपीठ नागदा द्वारा आभार व्यक्त किया गया। गायत्री शक्तिपीठ नागदा पर प्रतिदिन जाप, यज्ञ एवं जनकल्याण राष्ट्र जागरण एवं संस्कार किये जा रहे ह। आने वाली पीढ़ी संस्कारवान व तेजस्वी हो इसके प्रयास गायत्री शक्तिपीठ द्वारा किया जा रहा है। 12 अप्रेल को गायत्री शक्तिपीठ पर हनुमान जयंती पर अखण्ड जाप, हनुमान चालीसा का पाठ एवं सत्संकल्प पाठ प्रातः 7 बजे से 8 बजे तक होगा। बैरागी ने धर्मप्रेमी जनता से अनुरोध किया है कि 12 अप्रेल को अधिक से अधिक संख्या में आकर आयोजन को सफल बनाए।

क्षिप्रा में डूब रही पांच जिंदगियों को होमगार्ड जवान ने बचाया

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। ग्रीष्म ऋतु में मोक्षदायिनी क्षिप्रा नदी का जलस्तर अत्यधिक बढ़ा हुआ है जिस कारण से रामघाट पर डूब की घटनाएं बढ़ रही हैं। आज दिनांक 10/4/25 को रामघाट पर डूब की दो घटनाएं घटित हुई जिसमें होमगार्ड एवं एसडीआरएफ के जवानों ने पांच नागरिकों को जीवित बचाया । सुबह 7:00 बजे रविदास घाट पर भोपाल निवासी अंजलि एवं रूपाली पैर फिसलने के कारण गहरे पानी में चली गई जिसे घाट पर तैनात जवान सनी परमार ,राजेंद्र डाबी तथा शुभम शर्मा ने लाइफ बॉय की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला।

दूसरी घटना रामघाट चौकी के सामने सुबह 9:00 बजे घटित हुई जहां पर दिल्ली निवासी एक ही परिवार के तीन सदस्य भरत गुजराल नमन गुजराल एवं संजय तीनों गहराई का अंदाजा न होने के कारण एक दूसरे को बचाने के प्रयास में डूबने लगे उसी समय घाट पर तैनात जवान जितेंद्र चंदेल एवं स्थानीय तैराक अभिषेक कहार ने तत्काल पानी में कूदकर डूब रहे तीनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला ,इस बचाव कार्य में सैनिक बृजमोहन एवं ईश्वर चौधरी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिला सेनानी श्री जाट ने बताया वर्तमान में रामघाट पर क्षिप्रा नदी का जलस्तर सामान्य दिनों की अपेक्षा बढ़ा हुआ है, दत्त अखाड़ा रपट पर लगभग दो फीट पानी है इस कारण से नदी में लगाए गए संकेतक एवं बैरिकेट्स भी डूब गए हैं । श्री जाट ने बताया ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए रामघाट पर पूर्व से तैनात जवानों की संख्या में बढ़ोतरी कर घाट पर 28 जवान तैनात किए गए है। जवानों के द्वारा किए गए सराहनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया जाएगा।

दिगंबर जैन मंदिर से प्रभातफेरी ढोल नगाड़ों के साथ में निकाली गई, रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई पुन: मंदिर पहुंची

महावीर जयंती पर निकाली भव्य प्रभात फेरी

विनय उजाला

नागदा जं. निप्र। पूरे देश में भगवान महावीर स्वामी की 2623वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जा रही है। जिसके अंतर्गत नागदा नगर में भव्य प्रभात फेरी सुबह दिगंबर जैन मंदिर से निकाली गई। दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष सुनील जैन ने बताया कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्म चैत्र मास की शुक्ल त्रयोदशी को हुआ था इस उपलक्ष्य में पुरे देश में जैन समाजजन महावीर जयंती के रूप में मनाई जाती है। जैन ने आगे बताया कि गुरूवार को दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान में सुबह 6:30 बजे दिगंबर जैन मंदिर से प्रभात फेरी ढोल नगाड़ों के साथ में निकाली गई, जो की शहर के विभिन्न मार्गो से होती हुई पुनः दिगंबर जैन मंदिर पहुंची। प्रभात फेरी में सभी पुरुष श्वेत कपड़ों में और महिलाएं केसरिया साड़ी में उपस्थित थी। गौरतलब है कि यह प्रभात फेरी बड़ी ही अनूठी थी क्योंकि आज तक के इतिहास में यह सबसे अच्छी प्रभात फेरी दिगंबर जैन समाज द्वारा निकाली गई, जिसमें सकल जैन समाज भी उपस्थित था। इसके पश्चात मंदिर में जैन ध्वज फहराया गया। इस मौके पर श्वे. मूर्तिपूजक श्रीसंघ अध्यक्ष मनीष जैन, स्थानकवासी श्रीसंघ अध्यक्ष प्रकाशचंद लुणावत सांवेरवाले, भाजपा उज्जैन जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़, एमपी रीजन उपाध्यक्ष शरद जैन एवं दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन एवं समस्त पदाधिकारीकरण उपस्थित थे। ध्वजारोहण के पश्चात दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी के कलसा अभिषेक एवं शांति धारा की गई, जिसमें प्रथम शांति धारा के लाभार्थी सचिन बडजात्या एवं परिवार और दूसरी शांति धारा के लाभार्थी सुनील जैन शाजापुर वाले ने ली। तत्पश्चात सभी जैन बंधुओ ने भगवान की पूजा अर्चना बड़े ही धूमधाम से की।

सभी जैन महानुभावों का नवकारसी का प्रोग्राम पोखरशाला में रखा गया था और प्रातः 9:00 बजे सकल जैन समाज का जुलूस नगर के प्रमुख मार्गो से निकाला गया जो कि अपने आप में एक अद्भुत नजारा था जिसमें सबसे पहले महिला मंडल, बहुमंडल, उसके पश्चात भगवान की पालकी और तत्पश्चात पुरुष वर्ग उपस्थित थे । पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्र में और महिलाएं लाल तथा केसरिया साड़ी में जुलूस में उपस्थित और जगह-जगह पर भगवान महावीर स्वामी की आरती उतारी गई और जगह-जगह पर लोगों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए जल का वितरण किया गया। जुलूस में भगवान महावीर स्वामी को पालकी में विराजमान करके नगर के विभिन्न मार्गो से ढोल नगाड़ों के साथ निकाला गया। इसके पश्चात सभी सकल जैन समाजजनो का स्वामीवात्सल्य महिदपुर रोड स्थित जैन दादावाड़ी में रखा गया।

इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज के सचिव मुकेश लुहाड़िया ने कार्यक्रम में उपस्थित हुए सभी महानुभावों का हृदय से आभार व्यक्त किया और आयोजन में समस्त सकल जैन श्रीसंघ का सहयोग रहा एवं आगे भी इसी तरह का सहयोग करने का अनुकरण किया। उक्त जानकारी समाज अध्यक्ष सुनील जैन द्वारा दी गयी।

सकल जैन समाज ने निकाली भगवान महावीर की विशाल रथ यात्रा, जगह-जगह की गई आरती

महावीर उद्यान कीर्ति स्तंभ के पास महापौर, विधायक एवं अतिथियों ने फहराई धर्म ध्वजा

विनय उजाला

खंडवा, निप्र। जियो और जीने दो एवं अहिंसा धर्म का संदेश देने वाले अहिंसा के पुजारी भगवान महावीर स्वामी का जन्म जयंती महोत्सव पूरे उत्साह के साथ चैत्र शुक्ल पक्ष की तेरस गुरुवार 10 अप्रैल को सकल जैन समाज द्वारा मनाया गया। समाजसेवी एवं समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि सकल जैन समाज द्वारा खंडवा में विराजमान मुनि श्री प्रणेय सागर एवं विदुषी श्री माताजी के ससंघ सानिध्य में भगवान महावीर की भव्य रथयात्रा गुरुवार को शहर के प्रमुख मार्गो से निकली। भगवान महावीर ने हजारों वर्ष पूर्व जो संदेश दिया उसी का पालन आज भी किया जा रहा है और जनजागृति के लिए इसका प्रचार भी समय-समय पर किया जाता है। जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर की जन्म जयंती को बड़े ही धार्मिक उल्लास के साथ सकल जैन समाज द्वारा सामुहिक रूप से मनाई गई। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि भगवान महावीर ने आज से हजारों वर्ष पूर्व जन्म लेकर मानव के लिए जीओ और जीने दो और अहिंसा धर्म का संदेश दिया। इसका सारांश यही है कि हम भी जीये और सभी जीवों को भी जीने दें। प्रदेश के कुछ शहरों के साथ ही खंडवा ऐसा नगर है जहां भगवान महावीर की जयंती सकल जैन समाज द्वारा सामुहिक रूप से मनाई जाती है।

भगवान महावीर की जयंती पर प्रातः 5.30 बजे सराफा पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से शहर के विभिन्न मार्गो पर प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभातफेरी के समापन पर तुलसी उद्यान में द्वारा ध्वजारोहण किया गया। मुनि सेवा समिति के प्रचार मंत्री सुनील जैन प्रेमांशु चौधरी ने बताया कि प्रातः प्रभात फेरी के बाद महावीर स्वामी की विशाल रथ यात्रा 8 बजे सराफा जैन मंदिर से बुधवारा, केवलराम पेट्रोल पंप, बांबे बाजार, घंटाघर महावीर जैन उद्यान पहुंची जहां जैन स्तंभ महावीर वाटिका में केसरिया ध्वज महापौर अमृता अमर यादव, विधायक कंचन मुकेश मुकेश तनवे, पुखराज मेहता, डॉ सुनील गोयल द्वारा फहराया गया। महापौर अमृता अमर यादव , विधायक कंचन मुकेश तनवे रथ यात्रा में शामिल हुई एवं नगर निगम एवं भाजपा के बने स्वागत मंच से पुष्प वर्षा कर समाज जनों का स्वागत भी किया और बजरंग चौक पर भगवान महावीर की आरती करने के साथ सभी समाज जनों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं दी।

उद्यान में ध्वजारोहण के पश्चात भगवान महावीर की यह रथयात्रा विठ्ठल मंदिर, बजरंग चौक से घासपुरा महावीर जैन मंदिर पहुंची। जहां पर महाआरती के आयोजन के साथ महिला मंडलों एवं श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य भी किया। तत्पश्चात यह रथयात्रा नमीनाथ श्वेतांबर मंदिर पहुंची यहां भी आरती की गई। यहां से रथयात्रा बजरंग चौक, घंटाघर, सराफा होते हुए पोरवाड़ दिगम्बर जैन धर्मशाला पहुंची जहां पर भगवान महावीर का अभिषेक व शांतिधारा एवं आरती की गई। धर्मशाला में प्रतिमा पर भगवान महावीर की प्रतिमा पर चतुर्थ कलश अभिषेक करने का सौभाग्य प्रतीक पवन कुमार जैन, राजेंद्र आलोक जैन गदिया परिवार बरुड वालों को प्राप्त हुआ शांति धारा करने का सौभाग्य पवन नरेंद्र वीरेंद्र भटयांण परिवार को प्राप्त हुआ, श्रीजी की माल पहनने का सौभाग्य शिल्पी शुभम जैन परिवार को प्राप्त हुआ, इस पावन रथ को समाज के युवा , समाजजन मातृशक्ति के साथ ही महापौर, अमृता अमर यादव विधायक कंचन मुकेश तनवे, परिषद अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर, सेवा दास पटेल, धर्मेंद्र बजाज, सुनील बंसल, सुनील जैन, प्रेमांशु जैन द्वारा अपने हाथों से खींचा एवं भगवान महावीर की आरती भी की। महावीर जयंती पर्व पर भगवान के अभिषेक के पश्चात जैन सोशल ग्रुप द्वारा समाज के सहयोग से तापड़िया गार्डन में वात्सल्य भोज का आयोजन आयोजित हुआ जिसमें सकल जैन समाज के परिजनों ने भाग लिया। वात्सल्य भोज के आयोजन में जैन सोशल ग्रुप अध्यक्ष विकास बड़जात्या, सचिव प्रिंस जैन कोषाध्यक्ष अंकित जैन के साथ पूरे ग्रुप का सहयोग रहा, कांतिलाल जैन, अक्षय जैन, भाग्यश्री जैन एवं महिलाओं द्वारा भगवान महावीर स्वामी के भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी गई, रथ यात्रा में समाज के वीरेंद्र जैन, दिलीप पहाड़िया, अभय जैन चोपड़ा, विजय सेठी, मनसुख भंडारी ,विवेक जैन ,नवनीत बोथरा, हिरेंद्र जैन, प्रमोद जैन, अविनाश जैन, कैलाश पहाड़िया, विजय जैन, नितिन जैन, चंद्रकांत सांड, सौभाग सांड, डॉ सुभाष जैन, नरेंद्र जैन, दिलीप जैन पंकज जैन, रंजन जैनी, सुनील जैन, प्रेमांशु चौधरी, प्रदीप जैन सुलभ सेठी एक हजारों की संख्या में समाज जैन श्री जी की रथ यात्रा में शामिल हुए धर्मशाला में संचालन पंकज जैन महल द्वारा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय श्री रा.ना.शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय खंडवा में कक्षा 09 वी में प्रवेश प्रक्रिया जारी

खंडवा, निप्र। जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय श्री रा.ना.शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय खंडवा मेंप्रवेश परीक्षा के आधार पर मेरिट में चयनित विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया जारी है। संस्था प्राचार्य श्री भूपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि श्री रा.ना.शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय खंडवा में कक्षा 09 वी में प्रवेश हेतु उत्कृष्ट विद्यालय प्रवेश परीक्षा में मेरिट में चयनित विद्यार्थियों को प्रवेश फॉर्म का वितरण संस्था कार्यदिवसों में प्रातः 08 से 12 के मध्य किया जा रहा है। उत्कृष्ट विद्यालय प्रवेश परीक्षा के आधार पर मेरिट में चयनित विद्यार्थियों की सूची संस्था सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है। श्री चौहान ने बताया कि कक्षा 09 वीं की प्रवेश परीक्षा में मेरिट में चयनित एवं कक्षा 08 वीं ष्ट ग्रेड में उत्तीर्ण परीक्षार्थी शीघ्र ही संस्था से प्रवेश फॉर्म प्राप्त कर अपना प्रवेश संस्था में सुरक्षित करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामों में हुआ नारे लेखन का कार्य

खंडवा, निप्र। जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक जिले में कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है ।जन अभियान परिषद के समन्वयक ने बताया कि अभियान अन्तर्गत म. प्र. जन अभियान परिषद् की नवांकुर संस्था उदय एकता सामाजिक विकास कल्याण समिति द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में जागरूकता के लिए ग्राम राई खुटवाल, अमलपुरा, भामगढ में नारे लिखवाए गए ।संस्था अध्यक्ष राम कुमार वर्मा द्वारा जल संरक्षण हेतु ग्रामीणों को जल का महत्व बताया जा रहा है।

रैली निकालकर दिया जल संरक्षण का संदेश

खंडवा, निप्र। जल गंगा संवर्धन अभियान ज़िले में कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के निर्देशन में 30 मार्च से 30 जून 2025 तक संचालित किया जा रहा है । जन अभियान परिषद के समन्वयक श्री जगदीश पटेल ने बताया कि म.प्र. जन अभियान परिषद खंडवा द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक पाठ्यक्रम विकासखंड पुनासा के छात्र छात्राओं द्वारा मेंटर के साथ ब्रह्मपुरी घाट से ममलेश्वर मंदिर गौमुख घाट गजानन आश्रम प्रसादालय तक रैली निकाली गई एवं संगोष्ठी के माध्यम से आमजन को जलसंरक्षण व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक.नवांकुर संस्था सम्यक सेवा समिति, केलवा खुर्द , ग्रामीण उत्थान समिति नरलाय मेंटर श्री सचिन मंसारे, हरीश सातले, जितेंद्र सितोले, राजू यादव, अजय सोनी सहित छात्र-छात्राएं एवं नगर के गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एक जिला एक औषधीय उत्पाद सहजन की 2 दिवसीय कार्यशाला पूर्ण

विनय उजाला

खंडवा, निप्र। आयुष विभाग मध्य प्रदेश शासन की औषधिय पौधों की खेती व किसानी हेतु नोडल एजेंसी राज्य औषधी पादप बोर्ड भोपाल द्वारा खंडवा जिले में मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण हेतु 2 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र देवारण्य समिति के अध्यक्ष कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता खंडवा तथा तकनीकी समिति के अध्यक्ष सीईओ जिला पंचायत डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा के मार्गदर्शन में 8 व 9 अप्रैल को कृषि विज्ञान केन्द्र में समाप्त हुआ ।ज़िला आयुष अधिकारी डॉ. अनिल वर्मा ने बताया कि प्रथम दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ केवीके के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक डॉ. योगेन्द्र शुक्ला द्वारा मृदा विज्ञान खेती हेतु आवश्यक संसाधन पानी की सिचांई उत्पादन की जानकारी के साथ किया गया। खाघ एवं पोषण वैज्ञानिक डॉ. रश्मि शुक्ला द्वारा सहजन के विभिन्न खाद्य उत्पादों की रेसीपी और सहजन का कुपोषण में महत्व विषय पर प्रकाश डाला गया । कृषि नमामि से श्री सुनील पंडोले द्वारा सहजन की खेती उत्पादकता लाभ संग्रहण व बाजार में मांग एवं आपूर्ति विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

उद्यानिकी विभाग से श्री तेजकरण पंवार द्वारा सहजन की पत्ती व फल की खेती में उपयोग किये जाने वाले बिंदुओं पर प्रकाश डाला ।

कार्यक्रम के दूसरे दिवस डॉ. अनिशा चौहान व डॉ. दिलीप सौलंकी द्वारा सहजन और आयुर्वेद विषय पर विचार व्यक्त किये गये ।डॉ. रश्मि शुक्ला द्वारा सहजन व मोटे अनाज मिलेट्स की उपयोगिता उपलब्धता व भोजन में मुख्य भोज्य पदार्थ के रूप में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया । डॉ. योगेन्द्र शुक्ला द्वारा चिया बीज की सुपरफुड के रूप में उपलब्धता पर आवश्यक जानकारी से अवगत कराया।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. अनिल वर्मा द्वारा देवारण्य एक जिला एक उत्पाद सहजन राज्य औषधि पादप बोर्ड की औषधिय खेती हेतु जनजातीय क्षेत्रों में प्रचार प्रसार के प्रति प्रतिबद्धता पर जानकारी दी । सभी प्रतिभागियों को केवीके का फील्ड विजिट भी कराया गया ।कार्यक्रम को एनआरएलएम व मनरेगा के विषय विशेषज्ञों द्वारा भी संबोधित किया गया । कार्यक्रम का समापन मास्टर ट्रेनर द्वारा ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न कराने तथा आये प्रतिभागियों व कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों को आभार व धन्यवाद प्रस्ताव के साथ जिला आयुष अधिकारी डॉ. वर्मा द्वारा किया गया ।

पशुओं को लू (तापघात) से बचाने के लिए दी आवश्यक सलाह

खंडवा, निप्र। उपसंचालक पशु चिकित्सा डॉ. हेमंत शाह ने गर्मी के दौरान पशुओं के लू से बचाव के साथ देखभाल हेतु आवश्यक सलाह दी है। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में जब बाहरी वातावरण का तापमान अधिक हो जाता है, तो ऐसी स्थिति में पशुओं को ज्यादा देर तक धूप में रखने से या गर्म हवा के झोंकों के सम्पर्क में आने पर लू लगने का खतरा रहता है। गर्मी के मौसम में दुग्धोत्पादन एवं शारीरिक क्षमता बनाये रखने के लिये पशुओं को हरा चारा अधिक मात्रा में खिलायें।

उन्होंने कहा कि भार ढोने वाले पशुओं को दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक छाया वाले एवं हवादार स्थान में आराम करने दें। पशुओं को हवादार पशु गृह अथवा छायादार वृक्ष के नीचे रखें। उन्होंने बताया कि पशु गृह को ठण्डा रखने के लिये दीवारों के ऊपर जूट की टाट लटकाकर उस पर थोड़ी-थोड़ी देर में पानी का छिड़काव करते रहें, ताकि बाहर से आने वाली हवा में ठंडक बनी रहे।

कलेक्टर गुप्ता ने 3 अनावेदकों को किया जिला बदर

खंडवा, निप्र। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री ऋषव गुप्ता ने म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5(ख) के तहत पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदनों के आधार पर तीन अनावेदकों को जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं ।जारी आदेश अनुसार अनावेदक शेख लुकमान उर्फ शेख लुक्का पिता शेख उमर निवासी ग्राम मुंदवाड़ा खंडवा, इफ़्तेख़ार उर्फ इस्तेकार पिता इसरार निवासी ग्राम कनवानी खंडवा एवं सलमान उर्फ कालू पिता अजीज निवासी रेणुका माता मंदिर के पास बड़ा अवार खंडवा को 1 वर्ष की अवधि के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश अनुसार अनावेदक शेख लुकमान उर्फ शेख लुक्का पिता शेख उमर निवासी ग्राम मुंदवाड़ा खंडवा के विरुद्ध आपराधिक एवं समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त होकर लोगों के साथ अश्लील गालियां देकर मारपीट, लड़ाई झगड़ा करना, प्राण घातक हमला करने, गौवंश वध में संलिप्त होने तथा जान से मारने की धमकी देने व शांति प्रशांति को भंग करने जैसे आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध होने पर पुलिस अधीक्षक के प्रस्ताव पर 1 वर्ष की अवधि के लिए जिला बदर किया गया।

एचईसी इंफ्रा ने हासिल कि एम/एस ब्रिक्सो इंडस्ट्रीज़ से रु. 15.68 करोड़ की ईपीसी ऑर्डर

विनय उजाला

अहमदाबाद। एचईसी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (HEC, द कंपनी), (एनएसई कोड- HECPROJECT), जो कि एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट्स में अग्रणी है, को एम/एस ब्रिक्सो इंडस्ट्रीज़ से रु. 15.68 करोड़ का वर्क ऑर्डर प्राप्त हुआ है।

इस अनुबंध के तहत एचईसी इंफ्रा प्लांट विद्युतीकरण और 66केवी लाइन के शिफ्टिंग के लिए डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग जैसी पूरी ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन) जिम्मेदारियाँ निभाएगी। यह परियोजना 12 महीनों के भीतर पूर्ण की जानी है।

यह नया ऑर्डर कंपनी की ऑर्डर बुक को और भी मजबूत करता है और औद्योगिक विद्युतीकरण के क्षेत्र में इसके बढ़ते पोर्टफोलियो में एक और उपलब्धि जोड़ता है।

तकनीकी उत्कृष्टता: एचईसी इंफ्रा उच्च वोल्टेज स्विचगियर, ट्रांसफॉर्मर, केबलिंग और सुरक्षा प्रणालियों में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करेगी ताकि ब्रिक्सो इंडस्ट्रीज़ को विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

संचालन दक्षता: टर्नकी ईपीसी दृष्टिकोण डिज़ाइन, खरीद और निर्माण के चरणों में सहज समन्वय की अनुमति देता है, जिससे समय पर डिलीवरी और निरंतर गुणवत्ता सुनिश्चित होती है।

मजबूत साझेदारी: इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करना औद्योगिक क्षेत्र में जटिल विद्युतीकरण कार्यों के लिए - एचईसी इंफ्रा की एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में प्रतिष्ठा को और मजबूत करेगा।

ऑर्डर प्राप्त होने पर, एचईसी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री गौरंग शाह ने कहा, इस नए औद्योगिक विद्युतीकरण परियोजना को हासिल करना हमारी टीम की तकनीकी दक्षता और हमारे टर्नकी डिलीवरी मॉडल की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

भव्य शोभायात्रा का आयोजन, जगह-जगह हुआ स्वागत

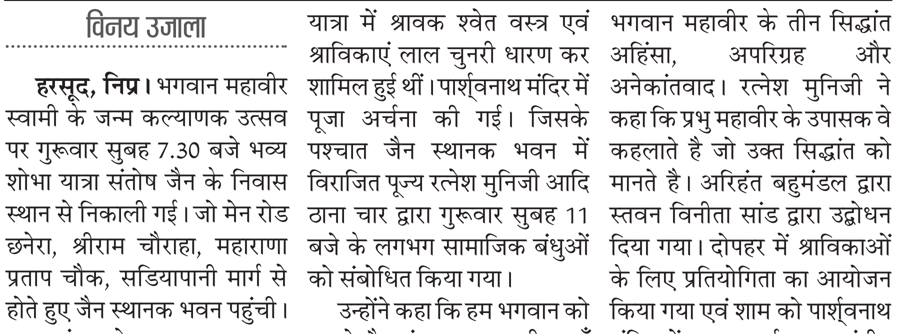

विनय उजाला

हरसूद, निप्र। भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक उत्सव पर गुरूवार सुबह 7.30 बजे भव्य शोभा यात्रा संतोष जैन के निवास स्थान से निकाली गई। जो मेन रोड छनेरा, श्रीराम चौराहा, महाराणा प्रताप चौक, सडियापानी मार्ग से होते हुए जैन स्थानक भवन पहुंची।

जहां पर शोभा यात्रा का समापन हुआ शोभा यात्रा का श्रीराम चौराहा, महाराणा प्रताप चौक, सडियापानी मार्ग आदि स्थानों पर जोरदार स्वागत किया गया। शोभा यात्रा में श्रावक श्वेत वस्त्र एवं श्राविकाएं लाल चुनरी धारण कर शामिल हुई थीं। पार्श्वनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की गई। जिसके पश्चात जैन स्थानक भवन में विराजित पूज्य रत्नेश मुनिजी आदि ठाना चार द्वारा गुरूवार सुबह 11 बजे के लगभग सामाजिक बंधुओं को संबोधित किया गया।

उन्होंने कहा कि हम भगवान को मानते है परंतु भगवान की कहाँ मानते है। आत्मा सुपथ पर चलती है तो मित्र और कुपथ पर चलती है तो शत्रु है। मोक्ष मार्ग के चार द्वार है दान, शील, तप और भावना। भगवान महावीर के तीन सिद्धांत अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद। रत्नेश मुनिजी ने कहा कि प्रभु महावीर के उपासक वे कहलाते है जो उक्त सिद्धांत को मानते है। अरिहंत बहुमंडल द्वारा स्तवन विनीता सांड द्वारा उद्बोधन दिया गया। दोपहर में श्राविकाओं के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं शाम को पार्श्वनाथ मंदिर में पूजन अर्चन कर संगीत संध्या का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन संतोष जैन द्वारा किया गया तथा आभार डॉ महेश जैन द्वारा व्यक्त किया गया।

मध्य प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष द्रविंद्र मोरे ने सर्किट हाउस में ली बैठक

बाल कल्याण समिति खंडवा के कार्यों को सराहा

विनय उजाला

खंडवा, निप्र। मध्य प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष द्रविंद्र मोरै ने खंडवा पहुंचकर सर्किट हाउस में बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दे पर बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड के अध्यक्ष एवं सदस्यों के साथ बैठकर चर्चा की।

समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि श्री मोरै ने वर्ष भर किए गए बाल हित के कार्यों की चर्चा कर बाल कल्याण समिति खंडवा के कार्यों को सराहा, न्यायपीठ बाल कल्याण समिति खंडवा अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना, योजनाओं की समीक्षा करना और आवश्यक सुझाव देना था. बैठक में प्रदेश अध्यक्ष द्रविंद्र मोरै के साथ जिला बाल संरक्षण अधिकारी टीकम सिंह बिल्लौरे, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य पन्नालाल गुप्ता, कल्पना जायसवाल, बाल कल्याण समिति सदस्य मोहन मालवीय, रुचि पाटिल, कविता पटेल, स्वप्निल जैन और जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाओं के अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी विक्रांत दामले, जिला शिक्षा अधिकारी पी. एस. सोलंकी शामिल थे. समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष श्री मोरै ने बैठक में पॉक्सो, जेजेबी, बाल कल्याण समिति के नवनियुक्त पदाधिकारियों से परिचय और जिले में किशोर एवं बाल अधिकार संरक्षण के संबंध में चल रही संस्थाओं और गतिविधियों पर चर्चा की गई. इस अवसर पर पुष्पेन्द्र सिंह मंडलोई, धर्मेंद्र चौहान, दीपक लाड़ उपस्थित रहे।

बाजार भाव

इंदौर मंडी

सोयाबीन में तेजी

इंदौर (व्यापार प्रतिनिधि)। चना कांटा 5800 - 5850 विशाल चना 5700 - 5750 डंकी चना 5600 - 5650 मसूर 6100 - 6150 नई 6000 मूंग एवरेज 7200 - 7700 मूंग (गर्मी का) 8000 - 8200 उड़द (गर्मी) बेस्ट - 8300 - 8800 एवरेज मीडियम उड़द 6500 - 7800 हल्की उड़द 3000 - 5000 रुपए।

तिलहन - (प्रति क्विंटल)- सोयाबीन 4100 - 4125 सरसों निमाड़ी बारीक 5800 - 5850 एवरेज बारीक 5000 - 5005 रुपए।

दाल भाव (प्रति क्विंटल) - तुअर दाल फूल 11000 - 11200 तुअर दाल सवा नंबर 10800 - 11000 चना दाल 8100 - 8200 एक्स्ट्रा बोल्ड 9100 मसूर दाल 7500 - 7550 मूंग दाल 9200 - 9400 मूंग मोगर 9600 - 9700 उड़द दाल 12500 - 13000 उड़द मोगर 12500 - 13000 रुपए।

तेल बाजार (प्रति 10 किलो) - मूंगफली तेल इंदौर 1470 - 1480 मुबंई 1520 - 1525 गुजरात 1485 - 1490 सोया रिफाइंड तेल इंदौर 1315 - 1320 सोया सॉल्वेंट 1255 - 1270 इंदौर पाम ऑइल 1425 - 1430 रुपए।

मावा - 320 रुपए किलो।

इंदौर सराफा बाजार -
सोना 10 ग्राम 89800 रुपए।
चाँदी 100000 रुपए किलो।
चाँदी सिक्का 1100 रुपये प्रति नग।
सोना 3025 डॉलर प्रति औंस
चाँदी 3343 सेंट प्रति औंस

संक्षिप्त समाचार

विश्व होम्योपैथिक दिवस पर मेगा स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

खरगोन, निप्र। विश्व होम्योपैथिक दिवस 270वे हेनीमेन जयंती के अवसर पर 10 अप्रैल को ज़िला आयुष कार्यालय खरगोन द्वारा शासकीय होम्योपैथिक औषधालय खरगोन एवं औषधालय महेश्वर में राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य सेवा प्रदाय सम्बन्धी होम्योपैथिक मेगा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर होम्योपैथिक आधारित सामान्य स्वास्थ्य निर्देश का प्रचार प्रसार करने एवं समुदाय के स्वास्थ्य में होम्योपैथिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ श्री बापू सिंह परिहार ज़िला पंचायत उपाध्यक्ष खरगोन एवं ज़िला आयुष अधिकारी डॉ वासुदेव आसलकर द्वारा डॉ हेनीमेन के फोटो पर माल्यार्पण कर किया गया। खरगोन शिविर में 114 रोगियों का एवं महेश्वर शिविर में 102 रोगियों का निशुल्क उपचार कर होम्योपैथिक औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में होम्योपैथिक मेडिकल ऑफिसर डॉ अरविन्द दशोरे, डॉ शीतल रोकडे, होम्योपैथिक कम्पाउण्डर श्रीमती रजनी पाटीदार, श्रीमती गायत्री ठाकुर, अय्यूब शेख, महेश पाटीदार, हेमेंद्र पाटीदार, दयाराम वर्मा, श्री मुकेश जमरे, नितेश बड़ोले, दल्लु खांडे, चंदू खान एवं श्री गोपाल मानवे ने अपनी सेवाएं दी।

सांसद और मंत्री ने माना केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार

विनय उजाला

अलीराजपुर, निप्र। आज मध्यप्रदेश के बदनावर में बदनावर उज्जैन फोरलेन के लोकार्पण में पधारे केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा कार्यक्रम के दौरान एक महत्वपूर्ण मार्ग को भी तत्काल स्वीकृत करते हुए घोषणा कर दी।

केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने बदनावर फोरलेन को आगे बढ़ाते हुए बदनावर से थांदला होते हुए राजस्थान बोर्डर स्थित ग्राम टीमरवानी तक फोरलेन निर्माण की घोषणा कर दी। यह मार्ग 1900 करोड़ में निर्माण होगा और अगले 03 वर्ष में पूर्ण हो जाएगा। इस मार्ग के निर्माण के दौरान टीमरवानी स्थित दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे से इस फोरलेन को जोड़ा जाएगा। इस घोषणा पर कैबिनेट मंत्री

नागरसिंह जी चौहान, श्रीमती निर्मला जी भूरिया एवं सांसद श्रीमती अनिता जी चौहान ने केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया। इसी के साथ कैबिनेट मंत्री श्री नागर सिंह जी चौहान के प्रभार जिले आगर से होकर गुजरने वाले मार्ग को भी उन्नत करते हुए 133 किमी मार्ग को भी हरी झंडी दे दी। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने राजस्थान के झालावाड़ से उज्जैन को भी फोरलेन मार्ग बनने की घोषणा की, जिससे इस मार्ग के लोगो को उज्जैन सिंहस्थ में आने में सुविधा के साथ आगर मालवा के नलखेड़ा स्थित मां बगुलामुखी मंदिर की धार्मिक यात्रा भी सुगमता से होगी। इस घोषणा के लिए कैबिनेट मंत्री एवं आगर जिले के प्रभारी मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी को आभार व्यक्त किया।

कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान ने बताया कि इन मार्गों के निर्माण से मध्यप्रदेश की अन्य राज्यों से कनेक्टिविटी और बेहतर होगी, साथ ही आमजन के आवागमन में खर्च एवं समय की बचत के साथ रोजगार एवं व्यवसाय में भी उन्नति आएगी।

सनावद पुलिस ने लूटेरी दुल्हन के मामले में फरार चल रहे आरोपियों को पकड़ा

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। सनावद पुलिस ने लूटेरी दुल्हन के मामले मे फरार चल रहे आरोपियों रतन और रजनीबाई उर्फ सुशीलाबाई को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया । ज्ञातव्य रहे कि 13.02.2023 को आली खुर्द निवासी द्वारा रिपोर्ट कराई कि मेरे साथ आरोपीगण ज्योतिबाई पति यशवंत कनाड़े निवासी शहडोल, 2. रवि पिता शैलेष चौहान उम्र 29 साल निवासी सिरलाय, 3. सुनीताबाई पति रवि चौहान उम्र 35 साल निवासी मनावर , 4.पंकज पिता रामप्रसाद कुमावत उम्र 35 वर्ष, 5 .रतन पिता दरियाव गावर उम्र 45 साल निवासी तारापुर गेट नं. 08 मांडव जिला धार 6. रजनीबाई उर्फ सुशीलाबाई पति स्वं. कुवरसिंह हमलिया उम्र 55 साल निवासी खलघाट पुनर्वास थाना धामनोद जिला धार द्वारा योजना बनाकर फरियादी के साथ आरोपिया ज्योति की शादी रिश्तेदार बनकर कराई गई और शादी कराने के बदले धोखाधड़ी कर एक लाख रुपये फरियादी से लेकर आपस में बांट लिये थे । फरियादी की इस रिपोर्ट पर सनावद पुलिस थाने में अपराध क्रमांक 56/2023 धारा 420, 34 भा.द.वि. का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया था । पश्चात सनावद पुलिस द्वारा आरोपी ज्योतिबाई, रवि, सुनीताबाई, पंकज की गिरफ्तारी की गई थी जबकि दो आरोपी रतन और रजनीबाई उर्फ सुशीलाबाई घटना दिनांक से ही फरार चल रहे थे ।

अवैध शराब तस्करी रोकने के लिए आबकारी विभाग कर रहा कार्रवाई

विनय उजाला

धार, निप्र। अवैध शराब की बिक्री को ग्राउंड जीरो तक रोकने के लिए पहली बार टास्क फोर्स का गठन किया है। जिले में अवैध शराब की धरपकड़ के लिए टास्क फोर्स गठित कर टीमें बनाई है। यह टीम धार सहित जिले के सभी वृत्त क्षेत्रों में सक्रिय रहकर अवैध शराब पर कार्रवाई के लिए काम करेगी। इसको लेकर गत? दिनों जिला कंट्रोल रूम पर सहायक आबकारी आयुक्त राजनारायण सोनी ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली थी, जिसमें अवैध शराब बिक्री करने वाले स्थानों की एक सूची तैयार की गई है। अब सूची के आधार पर इन स्थानों पर पहुंचकर टीम दबिश देकर शराब को जब्त कर रही है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के मार्गदर्शन में कल एक स्थान पर कार्यवाही की गई है।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी नागेंद्र सिंह जादौन ने

चार पहिया वाहन से शराब जब्त

बताया कि वृत सरदारपुर में ग्राम सातसुई में बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी-09 सीसी-7999 से अवैध रूप से परिवहन की जारही कुल 342 बल्क लीटर व्हिस्की एवं बियर मदिरा जप्त कर वाहन चालक रामलाल पिता भुर्जी निवासी रघुनाथ पुरा , जोलाना सरदारपुर के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया। उक्त कार्यवाही आवकारी उप निरीक्षक मुनेन्द्र सिंह जादौन द्वारा नवीन विधान हेतु निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से वीडियो आदि बनाकर की गई। जप्त मदिरा एवं वाहन की कुल अनुमानित क़ीमत सात लाख 60 हजार रुपए है।

उक्त कार्यवाही आबकारी उप निरीक्षक मुनेन्द्र सिंह जादौन, रोहित मुकाती, आरक्षक अलप सिंह चौहान, शोभाराम बघेल , सुरेन्द्र सिंह मोहरे तथा अंकित सिंह चौहान की टीम द्वारा की गई।

मुख्यमंत्री को 'सक्षम' कार्यक्रम का मोमेंटो भेंट कर जीवन कौशल कार्यक्रम की जानकारी दी

विनय उजाला

डही, निप्र। कुक्षी में स्वयं सहायता समूह सम्मेलन सह पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सक्षम कार्यक्रम की ब?लॉक मैनेजर संध?या राजपुरोहित ने सक्षम कार्यक्रम का मोमेंटो भेंट कर जनजातीय कार्य विभाग एवं मेजिक बस फाउंडेशन द्वारा संचालित जनजातीय विद्यार्थियों के लिए सक्षम कार्यक्रम की जानकारी दी। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर भी मौजूद थीं।

ब?लाक मैनेजर संध्या राजपुरोहित ने बताया कि यह कार्यक्रम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत 21वीं सदी के जीवन कौशलों पर आधारित है और मध्य प्रदेश के 20 जिलों में जनजातीय कार्य विभाग के द्वारा संचालित हो रहा है। 'सक्षम' का उद्देश्य प्रदेश के समस्त माध्यमिक विद्यालयों, सीएम राइज स्कूलों, विशेष आवासीय विद्यालयों, कन्या शिक्षा परिसरों और एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर-किशोरियों को खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से जीवन कौशल सिखाना है। इन कौशलों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, संवाद कला, निर्णय लेने की क्षमता और टीम वर्क जैसी महत्वपूर्ण योग्यताएं शामिल हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को न केवल शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाना है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, सजग और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करना भी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने %सक्षम% कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे जनजातीय विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की योजनाएं न केवल बच्चों के व्यक्तित्व विकास में सहायक हैं, बल्कि यह उन्हें जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार भी करती हैं।

30 अप्रैल तक सभी हितग्राहियों की ई-केवाइसी पूर्ण करने के दिए निर्देश

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त हितग्राहियों की ई - केवाइसी की जाकर दोहरे, अपात्र, साईलेन्ट राशन कार्डों का विलोपन करने के लिए 30 अप्रैल 2025 तक अभियान चलाया जाना है। जिसके सम्बन्ध में कलेक्टर भव्या मित्तल द्वारा 10 अप्रैल को गूगल मीट के माध्यम से अभियान की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

रॉन्ग साइड से निकालना पड़ते हैं वाहन,प्रतिदिन लगता है लंबा जाम

विनय उजाला

धामनोद, निप्र। यंहा टोल टैक्स पर जाम की स्थिति प्रतिदिन निर्मित होना आम बात हो गई यहां ऐसा कोई दिन नहीं बितता की वाहन चालकों को परेशान नहीं होना पड़ता कारण टोल पर बैठे कर्मचारी फास्ट्रेक लगे वाहनों को रीड करने में समय लगाते हैं कुछ वाहन जो की फास्ट्रेक रीड नहीं कर पाते वह कतार में खड़े हो जाते हैं ऐसे में कई बार वाहनों को आगे पीछे लिया जाता है जिससे लंबा जाम लग जाता है यहां प्रतिदिन यह स्थिति निर्मित हो रही है

परेशान बस चालक रांग साइड से निकलते हैं अपने वाहन : लंबा जाम लगने के कारण टोल पर बसें भी खड़ी हो जाती है ऐसे में भीषण गर्मी में यात्री परेशान होते हैं तो रॉन्ग साइड से चालक वाहन निकाल कर आगे निकलते हैं यहां ऐसा प्रतिदिन होता है लेकिन जिम्मेदार यहां सुधार नहीं कर पा रहे हैं टोल पर प्रतिदिन लंबा जाम लग रहा है जिससे वाहन चालकों के साथ-साथ स्कूल बस में बैठे छात्र भी परेशान होते हैं भीषण गर्मी में व्याकुल चालक और अन्य लोग परेशानी उठा रहे हैं

रिवर्स करने पर कोई साइड तक नहीं बताता ऐसे में होती है दुर्घटना : वाहनों को रिवर्स किया जाता है तो वहां पीछे कोई साइड बताने के लिए चौकीदार भी उपलब्ध नहीं रहता है ऐसे में कई बार वाहन एक दूसरे से टकरा जाते हैं और विवाद की स्थिति निर्मित होती है यहां टोल पर बैठे कर्मचारी व्यवस्था में सुधार लाने में असमर्थ साबित हो रहे हैं।

अभिभाषक संघ पेटलावद ने किया गरिमामयी स्वागत समारोह आयोजित

नवागत प्रधान न्यायाधीश ओपी वोरा और सिविल जज वर्ग- 1 नेहा मौर्य सोलंकी का हुआ स्वागत अभिननन्दन

विनय उजाला

पेटलावद, निप्र। अभिभाषक संघ पेटलावद सदैव अपने गरिमामयी आयोजनों के लिये पहचाना जाना जाता है।

03 जजों का हो गया है स्थान्तरण : गत दिनों माननीय हाईकोर्ट के आदेश से पेटलावद कोर्ट में पदस्थ प्रधान न्यायाधीश एम एल पाटिदार का भोपाल और सिविल जज वर्ग 2 चिराग अरोरा ओर डॉ. श्रीमती रुचि पटेरिया अरोरा का मन्दसौर स्थान्तरण हो गया। जिनका गरिमामयी तरिके से विदाई समारोह अभिभाषक संघ पेटलावद ने गत दिनों आयोजित किया था ।

नवागत जजों का किया स्वागत : वही के पेटलावद के समस्त अधिवक्ताओ ने अभिभाषक संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अविनाश उपाध्याय के नेतृत्व में बुधबार को एक गरिमामयी आयोजन करते हुए पेटलावद में जबलपुर से ट्रांसफर होकर पधारे नवागत प्रधान न्यायाधीश श्री ओ पी वोरा ओर छिंदवाड़ा से ट्रांसफर होकर आयी सिविल जज वर्ग 1 श्रीमती नेहा मौर्य सौलंकी का स्वागत ,अभिननन्दन किया।

इस अवसर सिविल जज वर्ग श्री एस एल भगोरा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे । स्वागत समारोह के दौरान वरीष्ट अधिवक्ता विनोद पुरोहीत ओर राजेन्द्र चतुर्वेदी ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर समस्त अधिवक्तागण ओर कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जैन इंटरनेशनल ट्रेंड ऑर्गेनाइजेशन ने किया आयोजन

सकल जैन श्री संघ ने नवकार महामंत्र का जापकर बनाया रिकार्ड

प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन 'नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में शामिल हुए

विनय उजाला

पेटलावद, निप्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन 'नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में शामिल हुए। जहाँ पीएम मोदी ने अन्य लोगों के साथ मिलकर 'नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में नवकार मंत्र का जाप किया।जिसके बाद उन्होंने लोगों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि नवकार महामंत्र का ये दर्शन विकसित भारत के विजन से जुड़ता है। मोदी ने बताया कि मैंने लालकिले से कहा है कि विकसित भारत यानी विकास भी विरासत भी एक ऐसा भारत जो रुकेगा नहीं,ऐसा भारत जो थमेगा नहीं जो उचाई छुएगा, लेकिन अपनी जड़ो से नहीं कटेगा।

सकल जैन समाज ने किया एक समय एक साथ नवकार मंत्र का जाप : जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (JITO) के निर्देशन में समग्र जैन समाज ने पूरे विश्व में एक रिकॉर्ड बनाया। उसी क्रम में 9 अप्रैल को झकनावदा सकल जैन श्रीसंघ के श्रावक श्राविकाओ ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर सदर बाजार स्थित तेरापंथ भवन में एक समय एक साथ सामूहिक नवकार मंत्र का जाप किया।

सुरानी में रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

फाइनल मैच में सुरानी ने डही को हराया

विनय उजाला

डही, निप्र। समीपस्थ सुरानी में रात्रि कालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन हुआ। फाइनल मैच में डोडवा पुरा सुरानी की टीम ने गौरव स्पोर्ट्स डही को हराया। विजेता टीम को 11 हजार 101 रुपए और उपविजेता टीम को 5 हजार 101 रुपए का नगद पुरस्कार और ट्राफी प्रदान की गई।

आयोजन समिति के अंकित सोलंकी, राकेश डोडवा, मया डोडवा, ज्ञान सिंह डोडवा, दुर्गेश चौहान डही, महेश डोडवा, शुभम डोडवा, संदीप मंडलोई, प्रवीण अहोरिया आदि ने अतिथियों और खिलाड़ियों का स्वागत किया।

मां अहिल्या की नगरी है अद्भुत, बसाहट केचहुंओर है संकटमोचक हनुमानजी के मंदिर

खेड़े-खेड़े विराजित हैं बाबा बजरंगी करते नगरवासियों की रक्षा

हनुमान जन्मोत्सव हर्षोउल्लास के साथ मनाने की तैयारियां पूर्ण, जलाई थी रावण की स्वर्ण लंका, बचाए थे लक्ष्मणजी के प्राण, ऐसे है संकट मोचक हनुमान

विनय उजाला

पेटलावद, निप्र। भगवान श्रीराम भक्त ,ओर भक्तो के संकट मोचक बाबा बजरंगबली का जन्मोत्सव चैत्र मास कि पूर्णिमा को मनाया जाता है । इस वर्ष हनुमान जयंती 12 अप्रेल 2025 शनिवार को शुभ अबसर पर है । श्री हनुमान जी के जन्मोत्सव के अवसर पर हर साल की तरह इस वर्ष भी नगर के हर हनुमान मंदिर पर विशेष तैयारियां की जा रही है। इस अवसर पर मंदिरों में

विशेष श्रंगार, सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा ,सुन्दरकात्मक हवनऔर हनुमान जी की विशेष आरती के साथ कुई स्थानों पर भंडारों का भी आयोजन किए जावेगे ।

नगर के चहुंओर स्थापित हैं बाबा की मूर्तियां और मन्दिर : हमारे पेटलावद नगर को माँ अहिल्याबाई की नगरी कहा जाता है। यदि पेटलावद नगर की बसाहट पर यदि नजर डाले तो रूपगढ़ स्थित शत्रुहन्ता सूर्यमुखी हनुमानजी धाम मन्दिर,, मेला ग्राउंड स्थित वीर और दास हनुमानजी महाराज, दुलाखेड़ी के हनुमानजी, खोरिया स्थित बाबा बजरंगबली, करडावद घाटी पर स्थित हनुमानजी महाराज, टेमरिया में विराजित हनुमानजी महाराज, पम्पावती नदी के किनारे फूटा मन्दिर में विराजित हनुमानजी महाराज व गुर्जरों के खेत से आगे विराजित संकटमोचक हनुमानजी महाराज, अन्नत्तखेड़ी में विराजित हनुमानजी महाराज, श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में विराजित हनुमानजी महाराज , श्री राममंदिर राम मोहल्ला, और बड़ा रामजी मन्दिर शीतलामाता चोक, सुभाष मार्ग स्थित दक्षिण मुखी वीर हनुमान बजरंगबली महाराज व शनिदेव मन्दिर स्थित बाबा बजरंगबली, अनन्तखेड़ी के बाबा बजरंगी की चमत्कारिक मूर्तियां न सिर्फ वर्षो से भक्तो कि आस्था का केंद्र है।

जलाई थी स्वर्ण लंका ,बचाये थे लक्ष्मण जी के प्राण : ऐसा माना जाता है की नगर के चारो तरफ चारो दिशाओं में विराजित बाबा बजरंगबली की ये मूर्तियां ओर मन्दिर पेटलावद क्षेत्र, नगर और नगरवासियों की रक्षा करती है ।

जिस प्रकार से श्री रामायण जी मे बाबा बजरंगबली को एक रात्री में लक्षमन्जी के प्राणों की रक्षा करने के लिये ओर रावण की स्वर्ण लंका में आग लगाने सन्कट मोचक नाम से पुकारा जाता है ठीक वैसे ही नगर के खेड़े- खेड़े पर विराजित बाबा बजरंगबली इस क्षेत्रवासियों की रक्षा और सहायता करते है ।

संक्षिप्त समाचार

जल गंगा संवर्धन अभियान में दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति लोगों को किया जा रहा जागरूक

खरगोन, निप्र। मप्र जन अभियान परिषद खरगोन जिला समन्वयक विजय शर्मा के नेतृत्व में 10 अप्रैल को विकासखण्ड महेश्वर नवांकुर संस्था नगर विकास प्रस्फुटन समिति मण्डलेश्वर अध्यक्ष वासु

चौबे द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आम जन को जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए दीवार लेखन का कार्य किया जा रहा है । दीवार लेखन के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है , कि जल ही जीवन है इसे व्यर्थ न बहायें। जल मानव के साथ ही सभी प्राणियों की जीवन रक्षा के लिए बहुत जरूरी है। वर्षा जल को व्यर्थ बहने से रोकने के लिए तालाब, स्टापडेम, कंटूर ट्रेंच बनाने एवं बड़ी संख्या में पौधारोपण का संदेश दिया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत, की साफ-सफाई की, जल संरक्षण की ली शपथ

खरगोन, निप्र। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विजय शर्मा और ब्लॉक समन्वयक कालू सिंह मंडलोई के निर्देशन में आर्दश ग्राम पंचायत कोदला जागीर में हेडपंप के आस-पास सोखता गड्डे की साफ-सफाई की गई और सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस दौरान परामर्शदाता भागीरथ मुजाल्दे, अर्पित जायसवाल, नवांकुर संस्था अध्यक्ष सुनिता चौहान, पूजा मुजाल्दे, सहसचिव मदन चौहान, विनित सरमण्डल, साऊ बारे, अलका वारिया, राधेश्याम साबले, अजय मुजाल्दे, किशन यादव, बरखा गोलकर, आत्माराम वारिया, विजय, रंजिता चौहान, दीपशिखा चौहान , मौजूद थे ।

जल स्त्रोत हमारी धरोहर- सराफ, जल कलश का पूजन से हुई शुरुआत

कसरावद, निप्र। प्राकृतिक जल स्त्रोत हमारे लिए धरोहर है ।जिस प्रकार से हमप्राचीन धरोहरों को सहेजते है वैसे ही हमें पुराने प्राकृतिक जल स्त्रोतों को सहेजना और उनका संरक्षण करना है। उक्त बात ग्राम नावडाटोडी में मप्र जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा सर्वधन अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी में नवांकुर संस्था के सुधीर सराफ ने कही।

शिवकुंज पर्यावरणीय पाठशाला में विद्यार्थियों ने ली जल संरक्षण की शपथ

बड़वानी, निप्र। जिला प्रशासन द्वारा जन सहयोग से रचित पर्यावरण पाठशाला शिवकुंज में स्कूली विद्यार्थी समय-समय पर

आकर जल संरक्षण के साथ-साथ पेड़ पौधों एवं वनस्पतियों की भी जानकारी अपने अध्ययन के दौरान प्राप्त करते हैं। इसी कड़ी में सीरवी इंटरनेशनल स्कूल करी के विद्यार्थियों के द्वारा शिवकुंज में आकर जहां पौधों की ड्रिप से सिंचाई व्यवस्था को देखा वही शिवकुंज योगा ग्रुप के साथ जुंबा एक्सरसाइज भी मुक्तकाश मंच पर की। इस दौरान शिवकुंज योगा ग्रुप के श्री सचिन दुबे के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विद्यार्थियों को जल संरक्षण, पौधारोपण एवं नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। सीरवी इंटरनेशनल के श्री राजेश मुकाती ने कहा हमारे स्कूल के विद्यार्थियों के लिए शिवकुंज प्रकृति को जानने की एक सहज पाठशाला है। जिसके माध्यम से हम प्रकृति से बच्चों को रूबरू कराते हैं। इस दौरान शिवकुंज योगा ग्रुप के संयोजक श्री लव कुमरावत, श्री अनिल अग्रवाल, श्री अंशुल महाजन, श्री ऐश्वर्य निवडुंगेआदि उपस्थित थे।

वर्षो बाद अब राह होगी आसान

विधायक राजन मंडलोई ने किया सड़क का भूमिपूजन

आदिवासी बाहुल्य सेमली गांव में 10 लाख की लागत से बनेगा सीसी रोड

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। विधानसभा के आदिवासी बाहुल्य पाटी विकासखंड के ग्राम सेमली में वर्षो से ग्रामीणों द्वारा की जा रही रोड निर्माण की मांग अब पूरी होगी।गुरुवार को विधायक राजन मंडलोई ने सेमली में सीसी रोड का भूमिपूजन किया। करीब 350 मीटर लंबे सीसी रोड का निर्माण 10 लाख रुपए की लागत से होगा। इस रोड के निर्माण से ग्रामीणों को वर्षाकाल में आवाजाही में सहुलियत मिलेगी।गांव के मुख्य मार्ग से आंगनवाड़ी तक विधायक निधि की राशि से बनने वाले सीसी रोड का भूमिपूजन होने से ग्रामीणों

ने विधायक का स्वागत-सत्कार किया। इस दौरान गांव के सरपंच दयाराम सोलंकी सहित वरिष्ठ नागरिक व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक मंडलोई ने कहा कि हमारा संकल्प है कि विधानसभा के हर गांव में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जाए।ताकि जनता को बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सके।

घायल वृद्ध को अस्पताल भेजा बड़वानी से ग्राम सेमली में सीसी रोड भूमिपूजन के लिए जा रहे विधायक मंडलोई के काफिले को सड़क पर एक घायल वृद्धा नजर आई। जानकारी लेने पर पता चला कि कोई अज्ञात बाइक सवार महिला को टक्कर मारकर भाग गया। विधायक मंडलोई व कार्यकर्ताओं ने मानवीयता दिखाते हुए तत्काल घायल वृद्धा को चार पहिया वाहन के माध्यम से पाटी स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया और समुचित उपचार के निर्देश दिए।

श्वेताम्बर जैन श्री संघ ने मनाया महावीर जन्म कल्याणक

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। महावीर जयंती उत्सव पर बड़वानी स्थानक भवन में भगवान महावीर के अनुयायियों द्वारा भजन कीर्तन के साथ बड़े उत्साह के द्वारा अपने आराध्य देव का जन्मकल्याणक महोत्सव मनाया गया। सभी समाजजनों ने भगवान महावीर द्वारा बताए गए।

अहिंसा एवम सत्य के मार्ग पर चलने की प्रतिबद्धता दिखाई। छोटे छोटे बच्चो ने भी अपने गीतों से प्रभु का गुणगान किया। कार्यक्रम में तपस्वियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया ।कार्यक्रम में समाज के सभी महिला पुरुष विद्मान थे।

---

20 हजार की संख्या में श्रद्धालुओं की उमड़ी आस्था

43 डिग्री में 70 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर नर्मदा पंचकोशी यात्री पहुंचे

यात्रा में निमाड़, मालवा सहित राजस्थान से भी श्रद्धालु शामिल हुए

विनय उजाला

कसरावद, निप्र। तापमान में तल्खी, बैचेन करने वाली उमस, तेज धूप के बीच 43 सेल्सियस तापमान का पारा, सितम बरपाता मौसम। हाथो मे धर्म ध्वजा, सिर पर कपडे, खाने की सामग्री वजन उठाए चिलचिलाती धूप में श्रद्धालुओं पर ऊपर आसमान तो नीचे आग ऊगलती हुई धरती.. जी ! हा हम बात कर रहे माँ नर्मदा पंचकोशी यात्रियों की अटूट श्रद्धा एवं गहरी आस्था का समागम देखते ही बना। माहिष्मती मां नर्मदा पंचकोशी पैदल यात्रियों का नगर आगमन के दौरान मौसम पर आस्था भारी नजर आई।

सडको पर नर्मदे हर के गगनभेदी जयकारे.गूजे : नगर धर्ममयी हुआ। श्रद्धालुओं का.बढता जन सैलाब उत्साह, एक के बाद एक बढते हुए कदमों के बीच। आस्था का समर्पण भाव गर्म जोशी के साथ नजर आया। यात्रा में शामिल चाहे बुजुर्ग,युवा, किशोर,बच्चे भी परिजनों के साथ संपूर्ण उत्साह उमंग के पथ पर निरंतर कदम बढाए चल रहे थे, उनके चेहरो पर थकान के बजाए भारी उत्साह दिखाई दिया।

... नर्मदे हर के जय घोष से गूंजा नगर : पंचक्रोशी यात्रा का नगर प्रवेश पर नगरवासियों ने यात्रियों का आत्मीयता से किया स्वागत

नर्मदे हर के जयघोष से गूंजा नगर चारों तरफ यात्रा का दिखा उत्साह : त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे, नर्मदे हर के जय घोष के साथ श्रद्धालुओं का कारवां गुरुवार को अलसुबह से नगर में पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ। पंचकोशी यात्रियों के नगर प्रवेश पर नागरिकों ने उनका आत्मीयता से स्वागत किया। पंचकोशी यात्रियों का प्रवेश का सिलसिला सुबह से दोपहर तक जारी रहा। यात्रा मार्ग में जहां छांव देखी वहां आराम के लिए यात्री ठहर गए। जगह-जगह यात्रियों ने सुबह के समय दाल बांटी तैयार कर भोजन प्रसादी ग्रहण की। स्थानीय कृषि उपज मंडी परिसर में दोपहर तक श्रद्धालु पहुंचते रहे। एक के बाद एक कारवां मंडी परिसर के भीतर प्रवेश किया। यात्रा में शामिल यात्रियों ने परिसर में लगे टेंट में अपना पड़ाव डाला। शाम 5 बजे मां नर्मदा का पूजन हुआ। पंडित गणेश रावल ने नर्मदा अष्टक से मां नर्मदा की आराधना की। इसके बाद आरती हुई। पंचकोशी यात्रियों ने नगर के प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिरों में देव दर्शन के लिए प्रस्थान किया। हाथों में ध्वजा लिए हुए मां नर्मदा के जयकारों के साथ नगर भ्रमण किया।

10 टन तरबूज बाटें : तीन ट्रैक्टर ट्राली भरकर तरबूज वितरण किए गए नगर के मंडलेश्वर मार्ग पर युवा श्रद्धालुओं के द्वारा तीन ट्राली तरबूज 10 टन यात्रियों को तरबूज बांटे गए। इस दौरान यात्रियों ने तरबूज का स्वाद चखा आगे बढ़े तो पोहे चाय के अलग-अलग स्टाल लगाए गए थे।

शीतल पेय के साथ स्टॉलों पर की चाय-नाश्ते की व्यवस्था : पंचकोशी यात्रियों के लिए नगर में सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों ने सेवा स्टॉल भी लगाए थे।इन स्टालों के माध्यम से शीतल पेय, चाय, नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। यात्रा मार्ग में भी जगह-जगह यात्रियों के लिए पेयजल की व्यवस्था की गई थी। ताकि गर्मी के दौरान यात्रियों को परेशानी ना हो। पांच दिवसीय पंचकोशी यात्रा में 20 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल है। श्रद्धा भक्ति व आस्था का समागम देखते ही बना। शाम 6 बजे से मंडी परिसर में भंडारे की शुरुआत हुई।

मां नर्मदा पंचकोशी सेवा यात्रा : समिति सदस्यों व नगर के श्रद्धालुओं के जन सहयोग से भंडारे में नुकती व खिचड़ी महाप्रसादी तैयार की गई। श्रद्धालुओं को क्रमानुसार भोजन प्रसादी की व्यवस्था लगाई गई। रात्रि के समय अलग-अलग विभिन्न भजन मंडली के समूह ग्रुपों के माध्यम से मां नर्मदा की स्तुति व आराधना की गई। रात्रि विश्राम के बाद शुक्रवार को सुबह नर्मदा तट के ढालखेड़ा यात्रा पहुंचेंगी।

स्थानीय प्रशासन की एक तरफ कार्रवाई उजागर हुई

सिविल न्यायालय ने जमीन विवाद में स्टे दिया

विनय उजाला

मंडलेश्वर, निप्र। जिले में महेश्वर तहसील के ग्राम करौंदिया खुर्द चर्चित जमीनी विवाद जहां तथाकथित लोगों ने बंदूक लहराते लठ से दिनांक 17 नवम्बर 24 को जमीन कब्जा लेने के लिए माँ बेटियों को बड़ी ही बेरहमी से मारपीट करते हुए कब्जा लेने का प्रयास किया था जहां पुलिस प्रशाशन, स्थानीय प्रशाशन ने तथाकथित लोगों के सामने घुटने टेक दिए थे ।

ग्राम करौंदिया निवासी संगीता पिता भुवानीराम, पति संतोष ने कृषि भूमि संपतियों को लेकर सिविल न्यायालय न्यायाधीश सुश्री यशमी अग्रवाल वर्ग 2 के यहां दावा लगाकर सुनवाई हुई न्यायालय ने माना कि संगीता बाई के हक अधिकार अधिपत्य को नुकसान पहुंचाते हुए जमीन बेची गई उक्त जमीन खसरा नंबर 114 रकबा 0.725 हेक्टेयर खसरा नंबर 99 रकबा 0.725 हेक्टेयर खसरा नंबर 138 रकबा 0.307 हेक्टेयर खरा नंबर 153/1 शाम 153/2 रकबा 4.536 हेक्टेयर खसरा नंबर 163 रकबा 0.086 हेक्टेयर खसरा न 168 रकबा 0.057 हेक्टेयर खसरा न 80 रकबा 1.753 हेक्टेयर खसरा न 109/2 रकबा 1.428 हेक्टेयर भूमि के संबंध में आदेश 39 नियम 1 व 2 सी पीसी स्वीकार करते आदेश दिया गया कि निमान बाई पति भुवनिराम निवासी करौंदिया खुर्द, अविरल पिता सुधीर पांडे, शरद पिता गोपाल शंकर पांडे, सुशील पिता गोपाल शंकर पांडे सभी निवासी महू वाद ग्रस्त सम्पत्ति पर आवेदक संगीता के शांति पूर्ण अधिपत्य में ना तो स्वयं हस्तक्षेप करे ओर न ही किसी अन्य के माध्यम से कराए अनावेदक को निषेधित किया कि वाद ग्रस्त भूमि को स्वयं या किसी अन्य माध्यम से अन्यत्र विक्रय, दान,बंधक, भारीत, पट्टा या अन्य किसी रूप से अंतरित नहीं करने का आदेश पारित किया गया ।

सौतेली मां ने कृषि भूमि जमीनों के बेच दिया था हक अधिकार के लिए बेटी संगीता ने न्याय के लिए अभिभाषक के सी तोनगर के द्वारा परिवाद लगाया था परिवाद विचाराधीन दौरान संगीता ओर उसके परिवारजनों के साथ पुलिस, गुंडा तत्वों ने कब्जा हत्याने का प्रयास किया ।

अभिभाषक सी के जैन ने भी विचाराधीन केस पर अपने तर्क रखे जिसके परिणामों के कारण संगीता उसके परिवार की जीत हुई माननीय सिविल न्यायालय न्यायाधीश सुश्री याशमी अग्रवाल ने स्टे आदेश पारित किया।

संगीता ओर पति संतोष ने बातचीत में बताया हमारी जान को खतरा है स्टे आर्डर मिलने के बाद गुंडे लोग मेरे परिवारजन इर्द गिर्द घूमते है फिर कोई बड़ी घटना को अंजाम देने के उनके इरादे है लेकिन ईश्वर के यहां देर है अंधेर नहीं है मेरे परिजनों के खिलाफ झूठे केस बनाए लेकिन मुझे पूरा भरोसा विश्वास न्याय के मंदिर न्यायपालिका पर था सत्य की जीत हुई ।

हनुमान जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू, मंदिरों में रंग-रोगन एवं सजावट जोरों पर, कठोरा में होगा दाल-बाटी भंडारा

विनय उजाला

कसरावद, निप्र। हनुमान जी के जन्मोत्सव को लेकर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है। शनिवार को विशेष सयोग के साथ हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस पावन अवसर पर मंदिरों में तैयारियाँ ज़ोरों पर चल रही हैं। मंदिर की साफ-सफाई, रंग-रोगन और सजावट का कार्य

किया जा रहा है। नगर के प्रसिद्ध चिंतामणि हनुमान मंदिर समिति से जुड़े राकेश राठौड़ ने बताया कि शनिवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगेगी।

मंदिर में विशेष पूजन, भजन-कीर्तन और हवन आदि धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे।

वहीं, दाता श्री हनुमान मंदिर के सेवादार छोटू शास्त्री ने बताया कि मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए साफ-सफाई एवं रंग-रोगन का कार्य किया जा रहा है। इधर, नगर से लगभग 6 किलोमीटर दूर नर्मदा तट पर बसे गांव कठोरा में भी हनुमान जयंती को लेकर विशेष तैयारियाँ की जा रही हैं। यहां संतश्री नानकदासजी महाराज के समाधि स्थल पर हर वर्ष की तरह इस बार भी गांव की एक अनूठी परंपरा के अनुसार, हनुमान जयंती पर दाल-बाटी का विशाल भंडारा आयोजित किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। कठोरा गांव में आने वाले हर व्यक्ति का स्वागत 'सीताराम' के मधुर संबोधन से किया जाता है, जो वहाँ की धार्मिक संस्कृति और पारंपरिक भावनाओं को दर्शाता है।

हनुमान जन्मोत्सव को लेकर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में भक्ति और उल्लास का वातावरण बन चुका है। मंदिर समिति, श्रद्धालु और ग्रामीणजन पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ पर्व को मनाने की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

खनिज विभाग द्वारा की गई अवैध परिवहन की कार्रवाई

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। अंजड़ क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन की आकस्मिक जाँच खनिज विभाग बड़वानी के द्वारा 09 अप्रैल को की गई। जाँच के समय 2 ट्रेक्टर ट्रॉली रेत का अवैध उत्खनन/परिवहन में संलिप्त पाये जाने पर जप्त कर अंजड़ थाने की सुरक्षा में खड़े किये गये एवं गोई नदी से 1 ट्रेक्टर ट्रॉली रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जप्त कर कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर बड़वानी में खड़ा किया गया।

अवैध खनिज उत्खनन/परिवहन करने वाले के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है।

जिले की स्कूलों में जल गंगा संवर्धन अभियान

जल संरक्षण विषय पर हुआ निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

1 से 30 अप्रैल और 15 जून से 30 जून तक विषय वस्तु आधारित विभिन्न गतिविधियां कराई जाएगी

विनय उजाला

पलसूद, निप्र। मध्य प्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी परिपत्र एवं लोकशिक्षण संचालनालय भोपाल एवं जिला कलेक्टर बड़वानी गुंचा सनोबर द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में डीपीसी प्रमोद कुमार शर्मा द्वारा जिले अंतर्गत क्लस्टर की सभी हॉयर सेकंडरी,माध्यमिक,प्राथमिक विद्यालयों में जल गंगा संवर्धन

अभियान के प्रचार प्रसार एवं समझ को विकसित करने विद्यार्थियों को शुद्ध ठंडा पेयजल प्रदाय होने के फलस्वरूप सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राजेश गुप्ता शाखा प्रभारी अशोक कुशवाह द्वारा ब्लॉक की स्कूलों में अभियान की गतिविधियो को सतत् जारी रखने हेतु क्लस्टर लेवल पर व्हाट्स ऐप ग्रुप निर्मित किया गया है।जिससे प्रत्येक स्कूलों में की गई गतिविधियों को ऑब्जर्वेशन के साथ की गई एक्टिविटीज का बेहतर तरीके से पालन कराया जा सके जनशिक्षक सुरेशचंद्र राठौड़,अरुणा अजरावणीया ने स्कूल प्राचार्य,प्रधानपाठकों को शासन के सर्कुलर एवं जिला स्तर के समग्र निर्देशों को तत्काल सर्कुलेट किया जाकर स्कूल स्तर पर बुधवार को निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।छात्र छात्राओं ने प्रधानपाठक शिक्षकों के निर्देशानुसार एक्टिविटीज की गई।

जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाले महत्वपूर्ण व्यक्तियों की जानकारी,विश्व जल दिवस,जल संरक्षण के उपाय,जल संवर्धन का महत्त्व,वृक्ष और जल संवर्धन के मध्य संबंध, जल संरक्षण दिवस, नदी को जानकारी, जल जागरूकता एवं जल संकट रोकने के उपाय,जल संरक्षण के संबंध में पोस्टर एवं रांगोली प्रतियोगिता, परिचर्चा एवं संवाद 30जून तक विभिन्न गतिविधियां की जायेगा

जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान सभी शालाओ में पानी की टंकी संग्रहण स्थान की नियमित साफ सफाई की जाएगी।

ग्रीष्म काल में विद्यालयों में वाटर कुलर मटकों से शीतल एवं शुद्ध पेय जल उपलब्ध करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं जल संवर्धन हेतु वैज्ञानिक मॉडल तैयार कराए जाए प्रार्थना सभा सभा में विद्यार्थियों को जल संवर्धन हेतु जागरुक किया जाए। प्रधान पाठक केवल अलावे,भारती गुप्ता,निर्मला सोलंकी, उर्मिला वर्मा, सुनीता सोनी,हमीदा कुरैशी सहित प्रधानपाठक के नेतृत्व में सभी शिक्षक एक्टिविटीज करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

हनुमान जयंती पर होगा सुन्दरकाण्ड पाठ

देवास, निप्र। श्री रणवीर हनुमान रामायण मंडल के अध्यक्ष अशोक जाट ने बताया कि बाबा खेड़ापति सरकार के जन्मोत्सव पर प्रात: 4 बजे से 7 बजे तक श्री रणवीर हनुमान मंदिर देवश्री नगर, राम-रहीम नगर विवेक नगर पर होगा। दोपहर 4 बजे से शाम 7 बजे तक विश्राम बाग राधागंज मंदिर एवं संध्या 8 बजे से रात 12 बजे तक सुन्दरकाण्ड पाठ होंगे। श्री रणवीर हनुमान मंदिर पर मंडल द्वारा सुन्दरकाण्ड पाठ एवं महाआरती, आतिशबाजी कर प्रसादी वितरण कि जावेगी। इस अवसर पर मंडल के अशोक जाट ,संतोष निगम, महेश पाटीदार, मुकेश शर्मा, कपिल कैथवास, राधेश्याम तिवारी, दीपक सोनी, सुखदेव राठोर उपस्थित रहेंगे।

देवास जिले में जल आपूर्ति में लापरवाही को लेकर

महापौर ने कड़ी कार्रवाई के दिए सख्त निर्देश

जल संकट को लेकर महापौर ने किया शिप्रा डेम और वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण

विनय उजाला

देवास, निप्र। शहर में पिछले कुछ दिनों से उत्पन्न जलसंकट की गंभीर स्थिति को देखते हुए महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल ने शिप्रा डेम और वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने डेम का जलस्तर देखा और अधिकारियों को स्थिति में शीघ्र सुधार लाने के निर्देश दिए।

महापौर ने ट्रिटमेंट प्लांट में अधिकारियों के साथ बैठक भी की और शहर में पानी की आपूर्ति व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पाइप लाइन में जहां भी लीकेज की समस्या है, उसकी तत्काल मॉनिटरिंग की जाए। इसके लिए एक विशेष निगरानी दल गठित कर डेम और नदी के आसपास के हिस्सों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए।

महापौर ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि भविष्य में जलप्रदाय व्यवस्था में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है, तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जलस्तर में हो रहा है सुधार : महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल ने जानकारी दी कि निरीक्षण के दौरान डेम में जलस्तर की समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि पहले डेम का जलस्तर घटकर 488.650 मीटर तक पहुंच गया था, जो जल संकट का मुख्य कारण बना। हालांकि, अब नर्मदा नदी से जल आपूर्ति शुरू होने के कारण जलस्तर में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है और वर्तमान में यह 489.100 मीटर तक पहुंच चुका है। आने वाले दो से तीन दिनों में यह जलस्तर बढ़कर 492 मीटर तक पहुंचने की संभावना है, जिससे स्थिति में और सुधार होगा।

बोरिंग और टैंकर से हो रही आपूर्ति : जल संकट से निपटने के लिए नगर निगम द्वारा कई बोरिंग को पुन: चालू किया गया है। अब तक नगर निगम के 17 बोरिंग चालू कर दिए गए हैं, जबकि 12 नए बोरिंग अधिग्रहित किए गए हैं। इन बोरिंगों के माध्यम से शहर के विभिन्न वार्डों में जल वितरण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, 22 टैंकरों के माध्यम से भी निरंतर जल आपूर्ति की जा रही है। महापौर श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि विधायक गायत्री राजे पवार की विधायक निधि से 17 टैंकर भी संभवत: शीघ्र प्राप्त हो जाएंगे, इससे शहर की जल वितरण व्यवस्था में और सुधार हो जाएगा।

सामग्री के स्टॉक की समीक्षा : निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती अग्रवाल ने वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी के शुद्धिकरण के लिए आवश्यक सामग्री के स्टॉक की भी जानकारी ली। यहां लैब का भी उन्होंने निरीक्षण किया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि आवश्यक संसाधनों की कोई कमी न हो।

जल संकट जल्द होगा समाप्त

महापौर ने आश्वस्त किया कि जल संकट की स्थिति पर लगातार भोपाल एवं एनवीडीए अधिकारियों से चर्चा की जा रही है। शहर में जल्द ही सुचारू रूप से पानी की आपूर्ति प्रारंभ हो जाएगी और अगले चार से पांच दिनों में एक दिन छोड़कर नियमित पानी की आपूर्ति की जाएगी। इस अवसर पर लोक निर्माण समिति अध्यक्ष गणेश पटेल, स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह बैस, शहरी गरीबी उप शमन समिति अध्यक्ष शीतल गेहलोद, यातायात एवं परिवहन विभाग समिति अध्यक्ष मुस्तफा अंसार अहमद, पार्षद प्रतिनिधि अजय पडियार, बाबू यादव, रुपेश वर्मा आदि उपस्थित थे।

जल संरक्षण में शिक्षक निभा सकते हैं महत्वपूर्ण भूमिका

विनय उजाला

देवास, निप्र। प्राचीन काल से जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के लिए ऋषि मुनियों एवं गुरुजनों द्वारा प्रेरणा देकर वरुण देवता के रूप में जल की पूजा की गई है। वर्तमान में भी पानी को बचाने के लिए तथा उसकी उपयोगिता ग्रामीणजनों को बताने के लिए गुरुजनों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी तथा जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्रामीण जनों को जोड़ने के लिए तथा छोटे-छोटे बच्चों को जोड़ने के लिए शिक्षकों के द्वारा प्रेरणा देना होगा। उक्त बातें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हाटपीपल्या में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आयोजित संकुल बैठक में जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक प्रफुल्ल पाठक ने उपस्थित शिक्षकों को कही। इस अवसर पर जल गंगा संवर्धन अंतर्गत जल संरक्षण हेतु उपस्थित सभी प्रतिभागियों को संकल्प करवाया गया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य चंद्रशेखर राव द्वारा पर्यावरण संरक्षण में वृक्षारोपण की भूमिका के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान नवांकुर संस्था श्री विश्व कल्याण जन सेवा समिति के सचिव संदीप बिंजवा विशेष रूप से उपस्थित थे। शिक्षक रवि खरसोदिया, यशवंत ध्रुव, सतीश चिरकाल, रामसिंह राणा, सुरेश माली, अजय चौहान, शांतिलाल पांचाल, गजेन्द्र पटेल, सीमा जोशी, लीला पोरवल आदि कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे।

बागली में हत्या कर फरार आरोपी को 17 साल बाद देवास पुलिस ने ढूंढ निकाला

विनय उजाला

देवास, निप्र। वर्ष 2008 में बागली के अपहरण एवं हत्या संबंधी सनसनीखेज प्रकरण में फरार आरोपी को 17 वर्षों बाद देवास पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ऑपरेशन हवालात卐 के तहत देवास पुलिस ने ये सफलता हासिल की हैं. तीन आरोपियो में अन्य दो आरोपी 2010 में आजीवन कारावास से हुए दण्डित हुए थे। तीसरा अभियुक्त 17 वर्षों से कानूनी शिकंजे से दूर था।

वर्ष 2008 में तीन आरोपियों मानसिंह पिता समंदर सिंह राजपूत निवासी पिपलियाखुर्द भौंरासा, ज्ञानसिंह पिता रामसिंह राजपूत निवासी ग्राम बोलासा भौंरासा तथा अमरीश पिता कालीचरण राजोरिया निवासी ग्राम रासनोल जिला भिंड ने मिलकर बागली थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति का अपहरण करने के पश्चात गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी थी और उसकी डेड बॉडी को जंगल में फेंक कर भाग गए थे। जिस पर से थाना बागली में धारा 364,365,302,34 भादवि एवं 3(2)(ड्क) स्ष्ट/स्ञ्ज ष्ह्र का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दो आरोपी को वर्ष 2008 में ही गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया था, जिन्हें 2010 में विशेष न्यायालय देवास द्वारा आजीवन कारावास एवं जुर्माना की सजा से दंड दिया गया था । उक्त प्रकरण का मुख्य मास्टरमाइंड एक आरोपी वर्ष 2008 से फरार था जो पुलिस को चकमा देकर लगातार फरार चल रहा था। आरोपी अपने निवास स्थान पर न रहकर अज्ञात स्थान पर रहने लगा, जिसकी तलाश पुलिस ने विभिन्न स्थानों दिल्ली, मुंबई, गुजरात, महाराष्ट्र, आगरा, ग्वालियर, भोपाल, उज्जैन आदि

हत्याकर शव जंगल में फेक दिया था

स्थान पर तलाश करने के पश्चात लगातार तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी लगातार अपने को पुलिस से बचाने के लिए एवं कार्यवाही से बचने के लिए कई मोबाइल एवं अलग-अलग सिम का उपयोग कर एवं एक निश्चित स्थान पर न रहकर अपना निवास स्थान बदलकर रह रहा था, आरोपी अमरीश पिता कालीचरण राजोरिया उम्र 59 साल निवासी ग्राम रासनोल थाना गोहद जिला भिंड को गिरफ्तार करने के बाद आरोपी के कब्जे से चार मोबाइल प्राप्त हुए हैं आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

शोभायात्रा का वैश्य महासम्मेलन ने किया स्वागत

विनय उजाला

देवास, निप्र। पूज्य महावीर जी के जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर सकल जैन समाज द्वारा निकाली शोभायात्रा का वैश्य महासम्मेलन ने प्रदेश महामंत्री अशोक सोमानी के मार्गदर्शन में जय महावीर के जयकारों के साथ रथ में विराजित महावीर जी के चित्र का पूजन अर्चन कर पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं साथ ही सभापति रवि जैन, विधायक प्रतिनिधि भरत चौधरी, महावीर जयंती अध्यक्ष विजय जैन, शैलेन्द्र चौधरी, दीपक जैन, मनीष जैन, संजय तलाटी, महेंद्र बाकलीवाल, संजय कटारिया आदि का वैश्य दुपट्टे एवं मोतियों की माला से अभिनंदन किया। वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री अशोक सोमानी, महिला जिलाध्यक्ष मंजू बाला जैन, वरिष्ठ महेश गुप्ता, गौरव गुप्ता, रजनीश पोरवाल, सचिन मंगल, पवन गोयल, भानु अग्रवाल, सनी गुप्ता आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी नगर अध्यक्ष रजनीश पोरवाल ने दी।

महापौर जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को उपायुक्त ने निराकरण के लिए भेजा

विनय उजाला

देवास, निप्र। नगर निगम मे प्रति बुधवार को होने वाली महापौर जनसुनवाई के अन्तर्गत बुधवार 9 अप्रैल को महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल के प्रवास पर होने के कारण जनसुनवाई निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया के द्वारा निगम बैठक हाल में की गई। नागरिकों द्वारा उपायुक्त को अम्बेडकर भवन के जीर्णोद्वार करने, मधुबन कालोनी में अवैध निर्माण करने, प्रधानमंत्री आवास योजना के भवन मिलने, निगम सीमा क्षेत्र के आवारा कुत्तों पर कार्रवाई करने आदि के आवेदन दिए गए। उपायुक्त ने प्राप्त आवेदनों का निराकरण किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान उपायुक्त द्वारा 18 खाद्य एवं अखाद्य लायसेंसों को वितरण भी व्यवसाइयों को किया गया। इस अवसर पर निगम लेखा अधिकारी दिलीप गर्ग, सहायक यंत्री इंदुप्रभा भारती, जगदीश वर्मा, दिनेश चौहान, मुशाहीद हन्फी, स्वास्थ्य अधिकारी जितेन्द्र सिसोदिया, राजस्व अधिकारी प्रवीण पाठक, मुन्ना कुरेशी, स्वच्छता निरीक्षक हरेन्द्रसिह ठाकुर, उमेश चतुर्वेदी, विशाल जगताप, प्रहलाद चौहान, ब्रज मोहन सराठे, गणेश नामदेव, संजय पाठक, दिपीका मजूमदार, मुकेश सोलंकी आदि सहित नागरिकगण व व्यवसाई उपस्थित रहे।

मांगलिक भवन के जीर्णोद्वार के लिए महापौर एवं जिलाधीश को दिया आवेदन

देवास, निप्र। आर.बी.भाई पटेल ने मंगलवार को जनसुनवाई में जिलाधीश को तथा बुधवार को महापौर जनसुनवाई में महापौर को आवेदन देकर बताया कि स्टेशन रोड पर स्थित अम्बेडकर भवन क्षतिग्रस्त हो रहा है और इसके जीर्णोद्धार की आवश्यकता है। यह नगर निगम के अंतर्गत आता है। पिछले पांच वर्षों इसका मेंटेनेंस नहीं हो रहा है इस संबंध में मेरे द्वारा कई बार आवेदन दिए जा चुके हैं लेकिन आज तक इसका जीर्णोद्धार नहीं हुआ है। अंबेडकर भवन के क्षतिग्रस्त होने से यहां पर कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं हो पा रहा है जिससे कि समाजजनों में रोष है। आर.बी.भाई पटेल ने मांग की है कि उक्त भवन का जल्द से जल्द जीर्णोद्धार कराया जाए और अगर इसका जीर्णोद्धार नहीं होता है तो मुझे 14 अप्रैल 2025 को अम्बेडकर चौराहे पर आत्मदाह करने की स्वीकृति प्रदान की जाए।

नगर परिषद के सामने कांग्रेस पार्षद दल ने दिया धरना

महिलाओं द्वारा मटके फोड़कर किया विरोध प्रदर्शन

विनय उजाला

सतवास, निप्र। सतवास नगर परिषद में बैठक के दौरान नगर के वार्ड क्रमांक 2 एवं नगर के रहवासी पानी की समस्या को लेकर एकत्रित हुए। जहाँ अध्यक्ष बलजीत कौर के द्वारा पानी की समस्या का सही निराकरण हेतु जवाब नही देने एवं अध्यक्ष के द्वारा कांग्रेस पार्षद दल से अभद्रतापूर्ण व्यवहार के कारण तुरन्त ब्लाक अध्यक्ष एवं वार्ड 5 पार्षद अरविंद लाला पटेल के नेतृत्व में नगर परिषद के सामने धरना दिया गया। और पानी की समस्या तत्काल हल करने हेतु मांग की गई, और महिलाओं के द्वारा पानी के मटके फोड़कर विरोध प्रदर्शन किया गया। तत्पश्चात सतवास तहसीलदार को जिलाधीश के नाम विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा, ज्ञापन में बताया कि वार्ड क्रमांक 02 में विगत एक महिने से पानी की समस्या से ग्रसित है वर्तमान में वार्ड में ट्यूबेल पाइन्ट पर भी आज दिनांक तक नगर परिषद के द्वारा मोटर नही डाली गयी है नर्मदा पाईपलाइन का कार्य भी अधूरा पड़ा है अधुरा कार्य होने के बाद भी नर्मदा पाइप लाइन योजना के ठेकेदार को करोड़ो रुपयो की राशि दे दी गई है। और साथ में जानकारी के मुताबिक एन.ओ.सी. भी प्रदान कर दी गई है। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 5 के रहवासी भी रोड़ और नालियों के निर्माण नहीं होने से परेशान है। नर्मदा का पानी अभी तक घरो तक नहीं पहुंच पा रहा है। विशेषकर बडौदा रोड पर पाइप लाइन का कार्य अभी तक पूर्ण नही हो पाया है। अभी तक वार्ड क्रमांक 10 मे भी रोड़/नालियों का निर्माण नही हो पाया की शायद अनुसूचित जाति वार्ड होने के कारण एक भी रोड़, नालियो का निर्माण अध्यक्ष द्वारा नही किया गया है।

कही ना कही भेदभाव के कारण कार्य नहीं हो पा रहा है। इसी प्रकार अन्य वार्डो में कही भी कोई कार्य नहीं हो पा रहा है। परिषद की बैठक के दौरान नप अध्यक्ष बलजीत कौर के द्वारा कांग्रेस पार्षदगण के साथ अभद्रता पूर्ण व्यवहार किया गया, बोला की ज्यादा मत बोलो, बहार निकल जाओ, फालतू बात मत करो सब काम मेरे हिसाब से होंगे इस प्रकार का व्यवहार बहुत ही निंदनिय है। जिलाधीश से मांग की गई कि नगर की विभिन्न समस्याओ का निराकरन करते हुये नप अध्यक्ष को समझाईश देवे। धरना प्रदर्शन में पूर्व जनपद अध्यक्ष डॉ.ओमप्रकाश पटेल, नप उपाध्यक्ष सुमीत पलाश्या, संजीव जोशीला,पार्षद नोशाद खान, कंवर खान, वाहिद सदर, दरिया पटेल, कल्ला खान, शैलेश नागोरी, मोहित शर्मा,जिलानी पहलवान, आदि सैकड़ो कांग्रेसजन एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

भगवान महावीर का शुभ संदेश ‘जियो और जीने दो, त्रिशला नंदन वीर की.... जय बोलो महावीर की’

24वें तीर्थंकर भगवान महावीर जन्म कल्याणक उत्सव धूमधाम से मनाया

पारंपरिक सुसज्जीत रथ में विराजमान श्रीजी के सामने भक्तों ने किया भक्ति नृत्य, शोभायात्रा का सामाजिक संस्थाओं ने किया स्वागत

विनय उजाला

सोनकच्छ, निप्र। अहिंसा के पथ प्रदर्शक भगवान महावीर ने समूचे विश्व को ‘‘जियो और जीने दो’’ का मार्मिक संदेश दिया है। अर्थात जीना हमारा अधिकार है प्राणी मात्र को जीने देना हमारा कर्तव्य है भगवान महावीर स्वामी के द्वारा बताई गई ये पांच बाते अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, और अपरिग्रह इसके बल पर आज भी मानव महावीर के सिद्धांतों को अपनाकर अपने जीवन को सार्थक कर सकता है इसीलिए आचार्यो ने कहा है कि महावीर नाम नही वरन जीने की कला है भगवान के इन्ही संदेशों को जन जन तक पहुचने हेतु वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की जन्म कल्याणक महोउत्सव सकल जैन समाज सोनकच्छ द्वारा धूमधाम से मनाया गया। सुबह से समाजजनों द्वारा भगवान महावीर का शुभ संदेश ‘जियो ओर जीने दो, त्रिशला नंदन वीर की जय बोलो महावीर की’ जैसे जय घोष नारे लागते हुए महावीर जिनालय से प्रात:6 .30 बजे प्रभात फेरी निकाल उत्सव की शुरुआत की । प्रभात फेरी नगर में घूमते हुए नदी किनारे स्थित आदिनाथ जिनालय से होते हुए पुन: महावीर जिनालय पहुँची। जहा सुबह मंदिर के मूलनायक भगवान महावीर स्वामी के कलशाभिषेक शांतिधारा की गई । प्रात: 9 बजे मुख्य बाजार स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर से वर्षो पुराने पाररम्परिक सुससज्जित रथ पर श्रीजी को विराजमान कर बेंड बाजो के साथ शोभायात्रा निकाली गई। यात्रामार्ग में समाजजन द्वारा भगवान की आरती कर पुण्यार्जन किया। शोभायात्रा में पाठशाला के बच्चों द्वारा बजाया गया जय घोष बैंड आकर्षक का केंद्र था।

भक्तो ने धार्मिक भजनों पर भक्ति नृत्य किया। यात्रा का सीख समाज, अखिल भारतीय वैश्य समाज ,मारुति नंदन रामायण मंडल ,राजपूत समाज व नगर के परिवारजनों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मंदिर परिसर पर समाज के ट्रस्टियों द्वारा जय जिनेंद्र प्याऊ का शुभारंभ किया गया। यात्रा नगर के सेठी गार्डन पहुची जहाँ श्रीजी को पांडुकशीला पर विराजमान कर भगवान के महाकलशाभिषेक हुए। जिसके बाद पुन: यात्रा महावीर जिनालय पहुँची जहाँ श्री जी को मंदिर जी मे विराजमान किया गया। दोपहर में श्री आदिनाथ नवयुवक मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर समाज के बच्चो ने भगवान महावीर स्वामी के जीवन पर प्रकाश डाला। शाम को समाज का स्नेह भोज हुआ व रात्रि मंदिर में भगवान महावीर स्वामी की महा आरती की गई। इस अवसर पर मंदिर जी पर विधुत सज्जा की गई। समाजजनों ने घरों पर धर्म ध्वजा लगाई व शाम को घरों के बाहर दीप जलाए। महावीर जयंती की पूर्व संध्या महिलाओं ने मंदिर जी मे मंगल गीत गाकर भगवान को पालना झुलाया व भगवान के जन्मोउत्सव का नाटकीय मंचन किया।

इस अवसर पर समाज के महिला पुरुष बच्चे शामिल थे। जानकारी रोमिल जैन द्वारा दी गई। संचालन महेंद्र पाटोदी व आभार समाज ट्रस्टी समीर सेठी ने माना।

ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी

महिला-पुरुष की छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी, एक स्क्वॉड में होंगे 15 खिलाड़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)

क्रिकेट 128 साल के अंतराल के बाद 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में वापसी करेगा। इसको लेकर आयोजकों ने बुधवार को बड़ा ऐलान किया। लॉस एंजिलिस ओलंपिक के आयोजकों ने इस बहुराष्ट्रीय आयोजन में क्रिकेट के लिए टीमें तय कर दी हैं।

महिला और पुरुष दोनों श्रेणी में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी। मैच टी20 प्रारूप में खेले जाएंगे। छह टीमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के लिए टक्कर लेती दिखेंगी। पिछली बार क्रिकेट साल 1900 में पेरिस ओलंपिक का हिस्सा रहा था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब इसे अनाधिकारिक टेस्ट के रूप में गिना जाता है। हालांकि, लॉस एंजिलिस ओलंपिक में छह टीमें टी20 प्रारूप में खेलती दिखेंगी। इतना ही नहीं आयोजकों ने एक टीम में अधिकतम खिलाड़ियों की संख्या भी तय की है। आयोजकों ने कहा है कि एक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में अधिकतम 90 खिलाड़ियों का कोटा तय किया गया है। यानी छह टीमों को मिलाकर अधिकतम 90 खिलाड़ी होंगे।

रिकॉर्ड 351 पदक स्पर्धाओं को मंजूरी

आईओसी ने ओलंपिक 2028 के लिए रिकॉर्ड 351 पदक स्पर्धाओं को मंजूरी दी है लेकिन खिलाड़ियों की संख्या 10500 ही रहेगी। खिलाड़ियों की संख्या में नए खेलों के 698 खिलाड़ी भी शामिल हैं। ओलंपिक खेलों के इतिहास में पहली बार टीम खेलों में पुरुष और महिला खिलाड़ियों की संख्या समान होगी। अन्य खेलों में मुक्केबाजी में पुरुषों की तरह महिला वर्ग में भी समान सात वजन वर्ग होंगे।

आईसीसी के 12 नियमित सदस्य

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल के फिलहाल 12 नियमित और 94 सहयोगी सदस्य हैं। नियमित सदस्यों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें हैं। हालांकि, 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के बारे में अब तक नहीं बताया गया है। इसमें अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें मेजबान कोटे का फायदा मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना होगा।

कॉमनवेल्थ में दो बार खेला गया क्रिकेट

क्रिकेट कॉमनवेल्थ गेम्स में भी 2 बार 1998 और 2022 में शामिल किया गया है। वहीं एशियन गेम्स में 2010, 2014 और 2023 में तीन बार क्रिकेट को जगह मिली। 2023 एशियन गेम्स में भारत ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में अपनी टीमें भेजीं और दोनों में भारत ने गोल्ड मेडल जीता।

पांच नए खेलों को शामिल किया गया

क्रिकेट उन पांच नए खेलों में शामिल है, जिन्हें लॉस एंजिलिस ओलंपिक में जगह दी गई है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ ने इन पांच खेलों के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल किए जाने की पुष्टि साल 2023 में की थी। क्रिकेट के अलावा इनमें बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रॉस और स्क्वॉश शामिल हैं। इस बीच आईओसी के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को ओलंपिक खेल 2028 के लिए प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम और खिलाड़ियों के कोटा को मंजूरी दी। इन खेलों में पेरिस ओलंपिक 2024 की तुलना में 22 अधिक पदक स्पर्धाएं होंगी।

IPL आज के मैच

चेन्नई सुपर किंग्स VS कोलकाता नाइट राइडर्स

स्थान : कोलकाता समय : शाम 7.30 बजे

धोनी होंगे सीएसके के कप्तान

गायकवाड चोट के कारण बाहर

मुंबई, (एजेंसी)

एमएस धोनी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी करते नजर आएंगे। टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड इंजरी के कारण आईपीएल के 18वें सीजन से बाहर हो गए हैं। यह जानकारी टीम के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने दी। सीएसके ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी गायकवाड की इंजरी के बारे में बताया। गायकवाड की कप्तानी में सीएसके बहुत खराब दौर से भी गुजर रही है। टीम पिछले सीजन प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी और अब शुरुआती 5 मैचों में से 4 हार चुकी है। टीम फिलहाल 10 टीमों में 9वें नंबर पर हैं। कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि, जहां तक रिप्लेसमेंट की बात है तो हमारे पास टीम में कुछ ही विकल्प हैं। हमने अभी तक किसी पर फैसला नहीं किया है। धोनी कमान संभालने के लिए तैयार थे। इसलिए उन्हीं का नाम फाइनल किया गया। चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच ने धोनी की फिटनेस को लेकर अपडेट दिया था। उन्होंने बताया कि धोनी के घुटने पहले जैसे नहीं रहे और इसी वजह से वे 10 ओवर तक लगातार भाग कर बल्लेबाजी नहीं कर सकते।

133 मैचों में धोनी ने दिलाई जीत

100 से ज्यादा आईपीएल मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान धोनी ने 2023 तक आईपीएल में कप्तानी करने के बाद ऋतुराज गायकवाड को जिम्मेदारी सौंप दी थी। इसी सीजन उन्होंने टीम को आखिरी बार चैंपियन भी बनवाया था। धोनी ने 226 मैचों में कप्तानी की और 133 में टीम को जीत दिलाई। वे कप्तानी करते हुए 100 से ज्यादा आईपीएल मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान हैं। उनके बाद रोहित शर्मा ने 158 मैचों में कप्तानी की, उन्होंने 87 मैचों में टीम को जीत दिलाई।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए तैयार

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से शुरू होने जा रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पूरी तरह तैयार है। इस दौरे के दौरान भारत पांच मैच खेलेगा, जिनमें दो मुकाबले ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ होंगे, जबकि तीन मैच वर्ल्ड नंबर-5 ऑस्ट्रेलिया सीनियर टीम से होंगे। दौरे की शुरुआत 26 और 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ बैक-टू-बैक मैचों से होगी।

यूईएफए चैंपियंस लीग... बार्सिलोना ने डॉर्टमंड को 4-0 से रौंदा

बार्सिलोना, (हि.स.)। यूईएफए चैंपियंस लीग 2024-25 के क्वार्टर फाइनल के पहले लेग में गुरुवार (भारतीय समयानुसार) बार्सिलोना ने जर्मन क्लब बोरुसिया डॉर्टमंड को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस मुकाबले में रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने अपने पुराने क्लब के खिलाफ दो गोल दागे और टीम को सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाने में मदद की। मैच की शुरुआत से ही बार्सिलोना ने आक्रामक तेवर दिखाए और 25वें मिनट में राफिन्हा ने शानदार गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

बार्सिलोना दूसरे हाफ में खतरनाक हुई

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही बार्सिलोना और खतरनाक नजर आई। 48वें मिनट में राफिन्हा के क्रॉस पर लेवांडोव्स्की ने हेडर से गोल दागा। इसके बाद 66वें मिनट में पोलिश स्ट्राइकर ने बॉक्स के अंदर से एक और गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। मैच के 77वें मिनट में युवा स्टार लामिन यामाल ने भी स्कोरशीट पर नाम दर्ज करवाया और बार्सिलोना की जीत को एकतरफा बना दिया। इस शानदार जीत के साथ बार्सिलोना ने सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को पंख दे दिए हैं।

ओलंपिक में शूटिंग स्पर्धाओं के प्रारूप में किए बदलाव

नई दिल्ली, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने गुरुवार को 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए ओलंपिक शूटिंग प्रतियोगिताओं के प्रारूप में कुछ महत्वपूर्ण बदलावों की घोषणा की है। ये बदलाव 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होंगे, ताकि खिलाड़ी ओलंपिक चयन चक्र के दौरान नए प्रारूप के अनुसार तैयारी कर सकें। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब पुरुषों की 25 मीटर त्वरित अग्नि पिस्तौल (रैपिड फायर पिस्टल) और शॉटगन स्पर्धाओं के फाइनल में छह की जगह आठ खिलाड़ी भाग लेंगे। इससे मुकाबले और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक तथा रोमांचक हो जाएंगे। 2028 ओलंपिक में 50 मीटर राइफल तीन मुद्रा स्पर्धा के फाइनल में केवल स्टैंडिंग (खड़े होकर) स्थिति में ही शूटिंग की जाएगी।

व्यापार

चीन पर टैरिफ बढ़ाकर 125 प्रतिशत किया

ट्रंप टैरिफ में राहत के ऐलान से विश्व मार्केट में जबरदस्त तेजी

नई दिल्ली, (हि.स.)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के तमाम देशों को रेसिप्रोकल टैरिफ के मामले में 90 दिनों के लिए राहत का ऐलान किया है। ट्रंप द्वारा टैरिफ में राहत दिए जाने का ऐलान करने के कारण दुनिया भर के तमाम बाजारों में आज जबरदस्त मजबूती नजर आ रही है। इस तेजी का असर कल के ट्रेडिंग सेशन में भारतीय बाजार में भी नजर आ सकता है।

हालांकि, चीन पर अमेरिकी टैरिफ को 104 प्रतिशत से बढ़ा कर 125 प्रतिशत कर दिया गया है। चीन पर ये नया टैरिफ तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस टैरिफ गिफ्ट का असर गिफ्ट निफ्टी पर भी काफी हुआ है। महावीर जयंती के कारण भारतीय शेयर बाजार में छुट्टी है लेकिन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के इंटरनेशनल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म गिफ्ट निफ्टी पर आज जबरदस्त मजबूती के साथ कारोबार हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान से उत्साहित गिफ्ट निफ्टी दोपहर 12 बजे तक के कारोबार के बाद 832.50 अंक यानी 3.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,319.50 अंक के स्तर पर पहुंच कर कारोबार कर रहा था। गिफ्ट निफ्टी की इस मजबूती से घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई के सेंसेक्स और एनएसई के निफ्टी में भी जोरदार रैली आने का संकेत मिल रहा है। आज की छुट्टी के बाद घरेलू शेयर बाजार कल 11 अप्रैल को कारोबार के लिए खुलेगा।

0000

ग्लोबल मार्केट में गिफ्ट निफ्टी के अलावा दूसरे सूचकांकों पर अगर नजर डालें तो अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त मजबूती का माहौल बना हुआ था, जिसके कारण एसएंडपी 500 इंडेक्स 474.13 अंक यानी 9.52 प्रतिशत उछल कर 5,456.90 के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह नैस्डेक ने 1,857.06 अंक यानी 12.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,124.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था।

एशियाई बाजार भी हुए गुलजार

एशियाई बाजारों में भी आज जोरदार मजबूती नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजारों में से गिफ्ट निफ्टी समेत सभी 9 बाजारों के सूचकांक बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। अभी तक के कारोबार में ताइवान वेटेड इंडेक्स 9 प्रतिशत से अधिक उछल गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 8 प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है। ताइवान वेटेड इंडेक्स फिलहाल 1,608.27 अंक यानी 9.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,000.03 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 2,743.70 अंक यानी 8.65 प्रतिशत की छलांग लगा कर 34,457.73 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

पूनम शर्मा बनीं फिक्की ऑर्गनाइजेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के महिला-केंद्रित व्यापार और उद्यमिता मंच फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (एफएलओ) के 41वें वार्षिक सत्र के अवसर पर पूनम शर्मा ने एफएलओ की 42वीं राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। एफएलओ, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का महिला प्रभाग है और यह दक्षिण-पूर्व एशिया का सबसे पुराना और प्रमुख महिला-नेतृत्व वाला व्यापारिक चैंबर माना जाता है। इस दौरान पूनम ने कहा कि मेरे नेतृत्व में एफएलओ का उद्देश्य महिलाओं की आवाज को ताकत देना होगा। ऐसी आवाज जो न केवल समाज की सोच को बदल सके, बल्कि नीति-निर्माण और आर्थिक निर्णयों को भी प्रभावित कर सके। हम ऐसा वातावरण बनाएंगे, जिसमें महिलाएं आत्मनिर्भर बनें, नेतृत्व करें और उद्यमिता के क्षेत्र में क्रांति लाएं।

पॉलिसीज और हितों के टकराव की समीक्षा करेगी कमेटी

नई दिल्ली, (हि.स.)

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने डिस्क्लोजर्स और बोर्ड मेंबर्स के हितों के टकराव से जुड़े नियमों पर विचार करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

सेबी ने बनाई हाईलेवल कमेटी

सेबी के बोर्ड ने पिछले महीने ही इस उच्च स्तरीय समिति का गठन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। सेबी की यह उच्च स्तरीय समिति 3 महीने में अपनी सिफारिशें सौंपेगी। इस उच्च स्तरीय समिति में 6 लोगों को शामिल किया गया है। पूर्व चीफ विजिलेंस कमिश्नर प्रत्यूष सिन्हा को इस समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के पूर्व सेक्रेटरी और आईएफएससी अथॉरिटी के पूर्व अध्यक्ष आई श्रीनिवास को इस समिति का उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा इस समिति में सेबी के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य और आरबीआई के पूर्व कार्यकारी निदेशक जी महालिंगम, कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक उदय कोटक, पूर्व डिप्टी सीएजी सरित जाफा तथा आईआईएम, बेंगलुरु के पूर्व प्रोफेसर आर नारायण स्वामी को शामिल किया गया है। सेबी के अनुसार यह उच्च स्तरीय समिति बोर्ड के सदस्यों और अधिकारियों के हितों के टकराव से जुड़े नियमों की समीक्षा करने के बाद मार्केट रेगुलेटर को अपनी राय से अवगत कराएगी।

अमेरिकी टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कम होगा असर : आरबीआई गवर्नर

शुल्क युद्ध के महंगाई से ज्यादा वृद्धि पर प्रभाव को लेकर चिंता

जहां तक भारत पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का सवाल है, हमने अपना आकलन दे दिया है। हमने 2025-26 के लिए वृद्धि दर अनुमान में 0.20 फीसदी की कमी की है। इसका प्रमुख कारण वैश्विक अनिश्चितता है। शुल्क युद्ध का महंगाई की तुलना में आर्थिक वृद्धि पर असर को लेकर चिंता ज्यादा है।

नई दिल्ली, (एजेंसी)

अमेरिका के जवाबी टैरिफ लगाने के बाद व्यापार युद्ध गहराने की चिंता ने सभी क्षेत्रों में आर्थिक परिदृश्य को प्रभावित किया है। ट्रंप टैरिफ से न सिर्फ दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ेगा, बल्कि निर्यात और महंगाई के लिए भी नई चुनौतियों के साथ जोखिम पैदा हुए हैं। हालांकि, भारत पर टैरिफ का असर कई अन्य देशों की तुलना में कम होगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक की जानकारी देते हुए कहा, भारत के कुल निर्यात का जीडीपी में 12 फीसदी योगदान है, जबकि अमेरिका को होने वाला निर्यात 2 फीसदी से भी कम है। इसके उलट, चीन की जीडीपी में उसके निर्यात का हिस्सा करीब 19 फीसदी, जर्मनी का 37 फीसदी और यूरोपीय संघ (ईयू) का 30 फीसदी से ज्यादा है। इसी प्रकार, ताइवान और ईरान जैसे देशों से होने वाले निर्यात का उनकी जीडीपी में अधिक योगदान है।

यूपीआई से ग्राहक अब कर सकेंगे ज्यादा भुगतान

आरबीआई ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) को यूपीआई के जरिये 'पर्सन-2-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की सीमा बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूपीआई के जरिये बड़े भुगतान का रास्ता खुल गया है। हालांकि, पर्सन-2-पर्सन (पी2पी) यूपीआई लेनदेन की सीमा पहले की तरह एक लाख रुपये ही रहेगी। यानी एक व्यक्ति यूपीआई के जरिये किसी दूसरे शख्स को एक बार में अधिकतम एक लाख रुपये ही भेज सकता है। इसके अलावा, टैरिफ भारत के लिए कम महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका के साथ हमारा व्यापार अधिशेष अन्य देशों से कम है। यह भारत को अमेरिकी टैरिफ के संदर्भ में तुलनात्मक लाभ देता है। हालांकि, यह सच है कि टैरिफ वृद्धि दर को धीमा कर सकता है। गवर्नर ने कहा, दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई है। बॉन्ड पर रिटर्न घटा है। शेयर बाजारों में गिरावट आ रही है। क्रूड करीब चार साल के निचले स्तर पर आ गया है। ऐसे हालात में केंद्रीय बैंक प्राथमिकताओं के आधार पर सतर्कतापूर्वक काम कर रहे हैं।

मार्च तिमाही में टीसीएस का शुद्ध मुनाफा 1.6 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मार्च तिमाही में टीसीएस का शुद्ध मुनाफा 1.6 प्रतिशत घटकर 12,224 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का राजस्व 5.2 प्रतिशत बढ़कर 64,479 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बीएसई फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अपने चौथी तिमाही के परिणाम जारी कर सीजन की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। कंपनी ने चौथी तिमाही में अपना कुल राजस्व 64,479 करोड़ रुपये रहने की जानकारी दी है। यह राशि एक एक साल पहले की तुलना में करीब 5.2 प्रतिशत अधिक है। पूरे वित्त वर्ष 2025 के लिए टीसीएस ने अपना शुद्ध मुनाफा 5.76 प्रतिशत बढ़ने की जानकारी दी है। कंपनी का शुद्ध लाभ इस दौरान 48,553 करोड़ रुपये रहा।

गोल्ड लोन कंपनियों पर आरबीआई की सख्ती

ग्राहकों को सभी जानकारी देना अनिवार्य

नई दिल्ली(एजेंसी)। गोल्ड लोन में बढ़ती खामियों को लेकर आरबीआई ने रुख कड़ा कर लिया है। अब गोल्ड लोन कंपनियों को सुनिश्चित करना होगा कि सोने की शुद्धता, वजन आदि की जांच के लिए एक मानकीकृत प्रक्रिया अपनाई जाएगी। ऋणदाता की सभी शाखाओं में इस प्रक्रिया को एक समान रूप से अपनाया जाना चाहिए।

आरबीआई ने बुधवार को गोल्ड लोन से संबंधित मसौदा जारी किया। इसके मुताबिक, सभी प्रक्रियाओं का विवरण ग्राहकों की जानकारी के लिए ऋणदाताओं की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा। ऋणदाता ग्राहक की मौजूदगी में ही कर्ज मंजूर करेंगे और गारंटी परीक्षण करेंगे। परीक्षण प्रक्रिया में पत्थर के वजन आदि से संबंधित कटौतियों के बारे में ग्राहक को समझाया जाएगा। जारी किए जाने वाले प्रमाणपत्र में इसका विवरण शामिल होगा। लोन एग्रीमेंट में प्रतिभूति के रूप में लिए गए सोने के गारंटी का विवरण, मूल्य, नीलामी प्रक्रिया की जानकारी और नीलामी के लिए हालात, नीलामी आयोजित होने से पहले ऋण के पुनर्भुगतान/निपटान के लिए उधारकर्ता को दी जाने वाली नोटिस अवधि का विवरण शामिल होना चाहिए।

अशिक्षित ग्राहकों को गवाह की मौजूदगी में बतानी होंगी शर्तें

कर्ज लेने वालों के साथ सभी संचार विशेष रूप से ऋण की शर्तें या अन्य महत्वपूर्ण बातें जो उधारकर्ता या ऋणदाता के हित को प्रभावित करते हैं, उन्हें ग्राहक की भाषा में ही बताना होगा। इसमें निर्धारित सोने के मूल्य के अनुपात में कर्ज का उल्लंघन आदि भी शामिल होंगे। अशिक्षित ग्राहकों को गवाह की उपस्थिति में महत्वपूर्ण नियम और शर्तें समझानी होंगी।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. देसाई की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री श्री मोरारजी भाई देसाई की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. देसाई का जीवन सादगी, सत्यनिष्ठा और अनुशासन का प्रतीक रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि देश की आज़ादी के आंदोलन से लेकर प्रधानमंत्री पद तक की उनकी यात्रा राष्ट्र सेवा की अनुकरणीय रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से आह्वान किया कि वे पूर्व प्रधानमंत्री स्व. देसाई के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

मप्र के पूर्व डीजीपी एचएम जोशी का घरेलू सहायक ने गला दबाया, सामान भी चुरा ले गया

भोपाल। प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक और 1948 बैच के आईपीएस अधिकारी एचएम जोशी के यहां एक एजेंसी के जरिए कार्य करने वाले घरेलू सहायक द्वारा मारपीट करने और कुछ कीमती सामान साथ ले जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। 99 वर्षीय पूर्व डीजीपी जोशी एमपी कैडर के बर्खास्त आईएएस दिवंगत अरविंद जोशी के पिता हैं और बर्खास्त आईएएस टीनू जोशी के ससुर हैं। वे ई-5/3 में रहते हैं। एचएम जोशी ने हबीबगंज थाने को लिखित शिकायत में कहा है कि असमर्थ होने के कारण उन्होंने विट्ठल मार्केट, मेट्रो प्लॉजा अरेरा कॉलोनी में संचालित एजेंसी के संचालक शक्ति खरे से एक दैनिक कर्मचारी के रूप में रफीक को घर पर रखा था। वह मेरे केयर टेकर यानी घरेलू सहायक का कार्य करता था, उसे 18 से 20 हजार रुपये प्रति माह वेतन देता था। पूर्व डीजीपी जोशी ने कहा कि आठ अप्रैल को मैं शाम साढ़े चार बजे ड्राइंग रूप में बैठकर अखबार पढ़ रहा था। तभी रफीक ने थोड़ी देर बाहर जाने के लिए मुझसे अनुमति मांगी। वह 15-20 मिनट में लौटकर आया तो मेरा गला दबोचा और बोला कि जितना भी पैसा रखा है, मेरे हवाले कर दो। मैं डर गया और इसी समय सर्वेंट क्वार्टर में रहने वाले परिवार में से गीता जो कि मेरे लिए खाना बनाने के लिए अंदर आई, उसे देखकर रफीक ने मुझे छोड़ दिया।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ राजधानी में विरोध प्रदर्शन आरिफ मसूद बोले- हम इस कानून को नहीं मानेंगे

भोपाल। राजधानी भोपाल में गुरुवार दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बैनर तले वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ धरना प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने कोई झंडा या बैनर नहीं लगाया और शांतिपूर्ण तरीके से बिल में किए गए बदलावों को खारिज करने की बात कही। कांग्रसे विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि यह कानून वक्फ की रक्षा के लिए नहीं, बल्कि सरकार की संपत्तियां मुक्त कराने के लिए लाया गया है। इससे वक्फ बोर्ड को कोई लाभ नहीं मिलेगा। हम इसे मानने को तैयार नहीं हैं और इसका हर स्तर पर विरोध करेंगे। आरिफ मसूद ने बताया कि प्रदर्शन के बाद वे सुप्रीम कोर्ट का रुख भी करेंगे और उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। वहीं, मंत्री विश्वास सारंग ने इस विरोध को स्वार्थ से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि बिल से वही लोग परेशान हैं जिनकी दुकानें बंद हो जाएंगी। वे भोले-भाले मुस्लिम समाज को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उनका यह प्रयास सफल नहीं होगा। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि जिन्होंने वक्फ की जमीन पर दुकानें और शोरूम बना रखे हैं, वही सबसे ज्यादा शोर मचा रहे हैं। अब जब राष्ट्रपति की मुहर लग गई है, तो ये लोग छाती पीट रहे हैं। यह कानून गरीब मुसलमानों के हक में है। अब फायदा उन्हीं को मिलेगा, जो सच में हकदार हैं।

शिव परिवार ने किए भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने परिवार के साथ नेपाल स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन किए। चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पशुपतिनाथ मंदिर की अपनी यात्रा का एक वीडियो साझा किया। उन्होंने मंदिर परिसर में रुद्राक्ष और हरसिंगार के पौधे भी लगाए। उन्होंने कहा कि मैं अपने परिवार के साथ पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त कर रहा हूं। मैं यहां आकर धन्य हूं। मंदिर में की गई प्रार्थनाएं हमें नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करती हैं। शिवराज सिंह चौहान ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात भी की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच मजबूत ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। शिवराज सिंह चौहान ने खुशी जताई कि नेपाल में आयोजित बिम्सटेक सम्मेलन खाद्य सुरक्षा, कृषि समृद्धि और किसान सशक्तीकरण की दिशा में वैश्विक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनकर उभरा है। शिवराज सिंह काठमांडू में बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) मंत्रिस्तरीय बैठक (तीसरी बीएएमएम) में भाग लेने के लिए नेपाल पहुंचे हैं।

भोपाल के अस्पताल में एक महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया, डॉक्टर भी रह गए हैरान

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने न सिर्फ लोगों को बल्कि अस्पताल के डॉक्टरों को भी चौंका दिया है। शहर के कैलाशनाथ काटजू अस्पताल में एक महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया। जिसमें दो लड़के और दो लड़कियां है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार यह मामला उनके लिए अभूतपूर्व है, क्योंकि इस अस्पताल के इतिहास में पहली बार किसी महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया है। इससे पहले, पिछले वर्ष एक महिला ने तीन बच्चों को जन्म दिया था, लेकिन इस बार की घटना इससे भी ज्यादा खास और जटिल मानी जा रही है। डॉक्टरों ने जानकारी दी कि महिला की डिलीवरी गर्भावस्था के सातवें महीने में की गई, जो कि समय से पहले है। ऑपरेशन के जरिए चारों शिशुओं को सुरक्षित जन्म दिलाया गया।

संत, महात्मा ज्ञान और सन्मार्ग के हैं प्रेरणा पुंज : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गौ-सेवा सहित जनकल्याण के कार्य होंगे निरंतर, महावीर जयंती पर रवीन्द्र भवन में हुआ विशेष कार्यक्रम

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार गौमाता की सेवा सहित जनकल्याण के विभिन्न कार्यों को संतजन का आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त कर निरंतर रूप से कार्य करेगी। हमारे संत, महात्मा ज्ञान और सन्मार्ग के प्रेरणा पुंज हैं। भगवान महावीर ने अहिंसा, संयम, सत्य, समर्पण के मूल्यों को महत्व दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाराज जी और अन्य संतों के आशीर्वाद से राज्य सरकार महावीर स्वामी के सिद्धांतों का पालन करते हुए जनकल्याण की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रवीन्द्र भवन सभागम, भोपाल में गुरूवार की शाम आयोजित महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव और मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज के 38वें दीक्षा दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में जैन संप्रदाय के विभिन्न संगठनों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनन्दन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान महावीर और हमारे अन्य आराध्यों से भारत की विशेष पहचान विश्व में बनी है। विश्व के अधिकांश देशों में विभिन्न प्रकार के संघर्षों से संस्कृति की धारा प्रभावित हुई लेकिन भारत ऐसा राष्ट्र है जो संतों, मुनियों के बताए मार्ग पर आज भी चल रहा है। भारत में सन्मार्ग पर चलने की गौरवशाली परम्परा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज के चरणों में नमन करते हुए कहा कि दुनिया में 200 से ज्यादा देश हैं, इनमें से अनेक देशों की संस्कृति कहां गई, किसी को पता नहीं चला। दुनिया भले उलझन में रहे लेकिन भारतमाता ने कई संस्कृतियों को पल्लवित-पोषित किया है। भगवान महावीर स्वामी ने जीवन का रहस्य भी समझाया है। अपरिग्रह, त्याग, ब्रह्मचर्य, समर्पण के मूल्यों को उन्होंने स्थापित किया। आचार्य विद्यासागर जी को देखकर भगवान महावीर का स्मरण होता था। आचार्य विद्यासागर जी महाराज जीते जी देवत्व को प्राप्त हो गए। उनके बारे में लिखे साहित्य को पढ़ने पर यह ज्ञात होता है कि वैचारिक रूप से वे कितने समृद्ध थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुनि श्री से मुख्यमंत्री निवास पधारने का अनुरोध भी किया।

सत्ता के साथ श्रद्धा हो तो संस्कृति प्रतिष्ठित होती है

मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने कहा कि आज देश का सौभाग्य है देश और देश के कई राज्यों में धर्मधारी सत्ता में हैं। सत्ता के साथ श्रद्धा हो, तो संस्कृति प्रतिष्ठित होती है। हमारी संस्कृति पर अनेक आघात भी हुए, लेकिन आज भी संस्कृति का स्वरूप सुरक्षित है। एआइ और रोबोट आ जाने से कार्य में सुविधा हो सकती है, लेकिन ये यंत्र संवेदना से दूर हैं। मनुष्य के पास संवेदना की शक्ति है। यदि संवेदना नहीं है तो मनुष्य भी रोबोट और यंत्र ही कहलाएंगे। हमने ऐसी धरा पर जन्म लिया है जहां उत्तम विरासत प्राप्त हुई है। भौतिक समृद्धि स्थाई समृद्धि नहीं है। आध्यात्मिक मजबूती को आदर्श बनाने की आवश्यकता है। आचार विचार हीनता का कोई स्थान न होतो जीवन सफल और सार्थक होता है। आधुनिकता के साथ कार्य के प्रति ईमानदारी हो, तो परमात्मा भी मनुष्य को सक्षम बनाता है।

राज्य सरकार के गौ सेवा के प्रयास महत्वपूर्ण और सराहनीय हैं

मुनिश्री प्रमाणसागर जी महाराज ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के गौ सेवा के प्रयास महत्वपूर्ण और सराहनीय हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौ-शालाओं में गायों के लिए आहार की राशि दोगुनी करने की घोषणा को मंत्रि-परिषद की स्वीकृति दिलवाई और इस तरह के प्रयास निंरतर कर रहे हैं, जो हमारी संस्कृति और गौरवशाली परम्परा को सशक्त बनाते हैं। प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के पदाधिकारियों और विभिन्न संस्थाओं की ओर से अभिनन्दन किया गया। श्री मनोज वांगा ने स्वागत उदबोधन दिया। श्री महावीर जन्मोत्सव पर उपस्थित मुनि संघ और अनेक संतों के साथ जैन धर्मावलंबी बड़ी सख्या में उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में 13 अप्रैल को भोपाल में होगा राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन

मंत्री सारंग ने की अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। रवीन्द्र भवन, भोपाल में 13 अप्रैल को राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन में सहकारिता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की उपलब्धियों एवं नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरूवार को सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सम्मेलन की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, कार्यक्रम की व्यवस्थाएं एवं जन सहभागिता को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान मंत्री श्री सारंग ने कहा कि राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन न केवल सहकारी संस्थाओं की उपलब्धियों का उत्सव होगा, बल्कि आने वाले समय की दिशा और दशा तय करने का भी माध्यम बनेगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सम्मेलन की प्रत्येक गतिविधि सुव्यवस्थित, उद्देश्यपूर्ण और जनोपयोगी होनी चाहिए, जिससे सहभागी लाभार्थियों और आमजन को सकारात्मक संदेश जाए। राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन के दौरान सहकारिता के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों और योजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इस अवसर पर मध्यप्रदेश में पैक्स (प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों) के व्यवसाय विविधीकरण के अंतर्गत हुए प्रयासों की लघु फिल्मों के माध्यम से प्रस्तुति दी जाएगी।

सम्मेलन के प्रमुख आकर्षण

- चिन्हित पैक्स के व्यवसाय वृद्धि हेतु स्वीकृत ऋण पत्रों का वितरण।
- पैक्स बांगरोद, जिला रतलाम को धर्मकांटा स्थापना हेतु रु. 15 लाख का प्रोजेक्ट ऋण (जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, रतलाम)।
- पैक्स मेंहदवानी, जिला मंडला को कोदो-कुटकी ग्रेडिंग प्लांट स्थापना हेतु रु. 60 लाख का प्रोजेक्ट ऋण (जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, मंडला)।
- पैक्स गोगांवा, जिला खरगोन को सुपर मार्केट निर्माण हेतु रु. 120 लाख का ऋण (राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम)।
- चिन्हित दुग्ध सहकारी संस्थाओं को माइक्रो एटीएम का वितरण, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा मिलेगा।
- नए सदस्यों को किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण, जिससे वे खेती-बाड़ी के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकेंगे।
- एचपीसीएल द्वारा पैक्स सुसनेर, जिला आगर मालवा को पेट्रोल पंप आवंटन का एल.ओ.आई. प्रदान किया जाएगा।
- पैक्स सांची, जिला रायसेन और मेजेस्टिक ग्रुप, मंडीदीप के बीच पूसा बासमती धान के कल्टीवेशन और प्रोक्योरमेंट हेतु सीपीपीपी के अंतर्गत अनुबंध किया जाएगा।
- जन औषधि केंद्र, पैक्स कुआं, जिला कटनी को ड्रग लाइसेंस का वितरण भी किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में सस्ती एवं सुलभ दवाएं उपलब्ध होंगी।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने दी पौधरोपण के लिए तीन सूत्रीय योजना

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने गुरुवार को गुना जिले की ग्राम पंचायत पुरैनी अंतर्गत ग्राम कंजा में स्थित कूनो नदी के उद्गम स्थल पर 'जल गंगा संवर्धन अभियान' में सहभागिता कर जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर बालिकाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर यात्रा निकाली। मंत्री श्री पटेल ने सभी बालिकाओं का तिलक कर उनके चरण स्पर्श किए। इसके बाद उन्होंने कूनो नदी के उद्गम स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद करते हुए इस स्थान के ऐतिहासिक महत्व की जानकारी ली।

उद्गम स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश पूजन एवं भूमि-पूजन किया गया। आवन गुरुकुल के आचार्य एवं छात्रों ने मंत्रोच्चार किया। कार्यक्रम में गुना विधायक श्री पन्नालाल शाक्य सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

पौधरोपण के लिए समर्पित दृष्टिकोण रखें

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नदियां सदियों से समाज की जल आवश्यकताओं को पूरा करती आ रही हैं। उन्होंने पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें ऐसे पौधे लगाने चाहिए जो भू-जल स्तर बनाए रखने में सहायक हों। उन्होंने पौधरोपण के लिए तीन प्रमुख बातों पर बल दिया। उपयुक्त स्थान का चयन पौधों की तार फेंसिंग द्वारा सुरक्षा एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करना। मंत्री श्री पटेल ने कलेक्टर श्री कन्याल को कहा कि, ऐसी शासकीय भूमि का चयन किया जाए जहाँ पौधे सुरक्षित रूप से पनप सकें और एक दिन विशाल वृक्ष बन सकें। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस कार्य के लिये आवश्यक सभी सहयोग उनकी ओर से उपलब्ध कराया जाएगा।

महिला स्व-सहायता समूहों की प्रदर्शनी को मिला प्रोत्साहन

मंत्री श्री पटेल ने मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा उत्पादों की खरीदारी की गई, जिससे समूहों को आर्थिक प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में जनपद पंचायत के फायर फाइटर टैंकर की कार्यक्षमता का प्रदर्शन और उपयोगिता बताई गई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने सक्रिय सदस्य सम्मेलन और बूथ समिति बैठक को किया संबोधित

कार्यकर्ता भाजपा का चेहरा, यही जनता के बीच पार्टी की बनाते हैं छवि : विष्णुदत्त शर्मा

पन्ना/कटनी, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि बूथ के कार्यकर्ता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हैं। कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से हमने सदस्यता अभियान में मध्य प्रदेश भाजपा ने 1.72 करोड़ से अधिक प्राथमिक सदस्य जोड़े। आप भाजपा के चेहरे हैं और आप ही जनता के बीच भाजपा की छवि बनाते हैं। आपके बल पर ही मध्य प्रदेश का भाजपा संगठन देश में आदर्श संगठन के रूप में जाना जाता है। भाजपा महापुरूषों के त्याग, तपस्या और बलिदान से बनी है, हमारी पार्टी राष्ट्र प्रथम के भाव से कार्य करते हुए देश सेवा के लिए समर्पित है। कार्यकर्ता बूथ-बूथ पर वंचितों को खोजकर प्रदेश सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ दिलाएं।

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने गुरुवार को पार्टी के स्थापना दिवस के तहत 'गांव-बस्ती चलो अभियान' में पन्ना जिले के गुन्नौर व कटनी जिले के बहोरीबंद विधानसभा के सक्रिय सदस्य सम्मेलन एवं कटनी ग्रामीण मंडल के घंघरीकला में बूथ समिति बैठक को संबोधित किया। उन्होंने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान एवं लाभार्थियों से संपर्क कर चौपाल चर्चा की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी एक विजनरी नेता थे। उन्होंने मुंबई के अधिवेशन में कहा था-अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा। अटलजी का यह सपना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहा है। आज सारी दुनिया में कमल खिल रहा है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी जब विदेश यात्राओं पर जाते हैं तो दुनिया के मुस्लिम देश भी उन्हें देश के सबसे बड़े सम्मान से सम्मानित करते हैं। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जब पं. दीनदयाल उपाध्याय के गांव नगला चंद्रभान पहुंचे, तो एक प्रदर्शनी में उन्होंने पं. उपाध्याय की झोपड़ी का चित्र देखा, जिसमें उन्होंने अपना जीवन गुजारा। उसे देखकर प्रधानमंत्री मोदी की आंखें भर आईं।

जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए डॉ. मुखर्जी ने बलिदान दिया

विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में हुई। उससे पहले भाजपा जनसंघ हुआ करती थी। 2025 तक भाजपा की विकास यात्रा किन-किन पड़ावों से होकर गुजरी है, आप सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं को यह जानकारी होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने संविधान में जम्मू-कश्मीर के लिए धारा 370 का प्रावधान कर दिया। इसके अनुसार वहां का संविधान अलग, प्रधानमंत्री अलग और झंडा भी अलग हो गया। इस धारा के अनुसार जम्मू-कश्मीर में किसी सफाईकर्मी के बेटा-बेटी योग्य होने के बावजूद सफाईकर्मी ही बने रहने के लिए विवश थे। नेहरू मंत्रिमंडल में उद्योग मंत्री रहे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने इसका विरोध कर मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया और 1951 में पं. दीनदयाल उपाध्याय के साथ जनसंघ की स्थापना की। उन्होंने धारा 370 के विरोध में आंदोलन किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें जेल में डाल दिया गया और जेल में ही उनकी हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने अपना बलिदान दे दिया।

अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का कल्याण भाजपा का लक्ष्य

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनसंघ के संस्थापकों में से एक पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने हमें एकात्म मानववाद और अंत्योदय का विचार दिया, जिनके आधार पर भाजपा आगे बढ़ रही है और समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का कल्याण ही भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के आधार पर आगे बढ़ रही है और सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के हर व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के मिल रहा है। कार्यकर्ता भाजपा का ब्रांड एंबेसेडर है और हमारी जिम्मेदारी है कि वह बूथ-बूथ पर जाकर केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जनहित के लिए लागू की गई योजनाओं का लाभ वंचितों को दिलाए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विनय मिश्रा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स, एलयूएन शेड नं.21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल से मुद्रित एवं बी-104, शास्त्री नगर, जवाहर चौक, भोपाल से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा
स्थानीय संपादक- मनोहर राजपूत, मो. 9425910888, 9826022450 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। डॉक पंजीयन क्रमांक एमपी/आईडीसी/1359/2014-16, RNI. Reg. MPHIN/2013/52154.